बागेश्वर धाम एवं मेहंदीपुर बालाजी के चरणों में समर्पित

दैनिक हिन्दी समाचार पत्र

संस्कार उजाला

सच का हुंकार

sanskarujala@gmail.com

संस्थापक स्व० सुखराम शर्मा एवम शिवकुमार शर्मा, श्री प्रकाशवीर

गाजियाबाद में मात्र रू0 6.5 लाख (छः लाख पचास हजार) में मकान खरीदने हेतु सम्पर्क करें

मो0 9868944025

लोन सुविधा उपलब्ध है

गाजियाबाद से प्रकाशित, दिल्ली, नोएडा, गाजियाबाद, हरियाणा, सहारनपुर, मेरठ, मुरादाबाद, बरेली, हापुड, बुलंदशहर, मथुरा आगरा, इटावा, कानपुर एंव लखनऊ से प्रसारित

वर्ष : 11 अंक : 153 | शुक्रवार 22 सितम्बर 2023 गाजियाबाद | RNI No-UPHIN / 2013 / 50466 | पेज: 8 मूल्य : 2 रुपया

विशेष योग्यजन एवं 80 वर्ष से अधिक आयु के मतदाता घर बैठे कर सकेंगे मतदान

भारत निर्वाचन आयोग
Election Commission of India

उदयपुर। भारत निर्वाचन आयोग ने विशेष योग्यजन और वरिष्ठ नागरिकों को चुनावी प्रक्रिया में शामिल करने के लिए प्रतिबद्धता जताते हुए पहली बार घर बैठे मतदान की सुविधा उपलब्ध कराई है।

जिला निर्वाचन अधिकारी एवं कलक्टर अरविन्द पोसवाल ने बताया कि विशेष योग्यजन तथा अधिक आयु वाले मतदाताओं को मतदान केंद्र तक पहुंच कर मतदान करने में काफी असुविधा रहती है। निर्वाचन आयोग कोई भी मतदाता पीछे न छूटे के सिद्धान्त पर काम कर रहा है। आयोग ने अपने इस सिद्धान्त को हासिल करने के लिए इस बार ऐसे मतदाताओं के लिए विशेष सुविधा उपलब्ध कराई है।

उप जिला निर्वाचन अधिकारी शैलेष सुराणा ने बताया कि इसके तहत बेंजमार्क डिसेबिलिटी वाले विशेष योग्यजन (एवीपीडी) एवं 80 वर्ष से अधिक उम्र वाले वरिष्ठ नागरिक जन (एवीएससी) फॉर्म 12डी के माध्यम से डाक मतपत्र के विकल्प का उपयोग कर सकते हैं। डाक मतपत्र से मतदान करने के इच्छुक उक्त श्रेणी अनुपस्थित मतदाता विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र के रिटर्निंग अधिकारी को फॉर्म 12 डी में चाही गई सूचनाएं देते हुए आवेदन करेंगे। यह आवेदन रिटर्निंग अधिकारी के पास चुनाव की घोषणा होने की दिनांक से अधिसूचना जारी होने की तिथि के 5 दिवस तक की अवधि में पहुंच जाएंगे।

प्राप्त फॉर्म 12डी के अनुसार डाक मतपत्र जारी किए जाएंगे तथा वास्तविक मतदान तिथि से पूर्व इन सभी मतदाताओं को मतदान दलों के माध्यम से घर-घर जाकर मतदान सम्पादित करवाया जाएगा। जिन मतदाताओं ने फॉर्म 12डी में आवेदन किया है उन्हें मतदान केन्द्र पर मतदान की अनुमति नहीं होगी। मतदाता सूची की चिन्हित प्रति में उनके नाम के आगे पीबी (पोस्टल बेलेट) अंकित किया जाएगा। प्रतिदिन जारी होने वाले 12डी प्रपत्र प्राप्त होने वाले आवेदन का रिकार्ड रिटर्निंग अधिकारी द्वारा संधारित किया जाएगा। साथ ही मतदान के समय भी मतदाता के इसमें हस्ताक्षर होंगे।

राहुल गांधी ने रेलवे स्टेशन पर उठाया यात्री का सामान, कुली के गेटअप में आए नजर

नई दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने गुरुवार को राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली स्थित आनंद विहार रेलवे स्टेशन पर कुलियों से मुलाकात की जिसका वीडियो सामने आया है. वीडियो में कांग्रेस नेता राहुल गांधी कुली के गेटअप में नजर आ रहे हैं और सामान सिर पर उठाकर पैदल चलते दिख रहे हैं.

कांग्रेस ने एक्स पर क्या लिखा

कांग्रेस पार्टी ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स (ट्विटर) पर राहुल गांधी और कुलियों की मुलाकात की तस्वीर शेयर की है. कांग्रेस पार्टी ने तस्वीर शेयर करते हुए लिखा कि जननायक राहुल गांधी जी आज दिल्ली के आनंद विहार रेलवे स्टेशन पर कुली साथियों से मिले. पिछले दिनों एक वीडियो वायरल हुआ था. जिसमें रेलवे स्टेशन के कुली साथियों ने उनसे मिलने की इच्छा जाहिर की थी. आज राहुल जी उनके बीच पहुंचे और इत्मीनान से उनकी बात सुनी. भारत जोड़ो यात्रा जारी है.

हरियाणा में किसानों से कर चुके हैं मुलाकात–उल्लेखनीय है कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी पिछले कुछ समय से लोगों से लगातार मिल रहे हैं जिसका वीडियो सामने आ रहा है. यदि आपको याद हो तो कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने हरियाणा में ट्रैक्टर चलाया था और किसानों के साथ खेत में धान को रोपनी की थी. इसके बाद उन्होंने मोटर मैकेनिकों से भी मुलाकात की थी जिसपर सोशल मीडिया यूजर लगातार प्रतिक्रिया देते नजर आये. राहुल गांधी दिल्ली स्थित करोलबाग में मोटरसाइकिल मैकेनिकों के पास पहुंचे थे और उनसे बातचीत की थी.

कब-कब लोगों के बीच पहुंचे...

1 अगस्त: सुबह 4 बजे आजादपुर सब्जी मंडी पहुंचे

आजादपुर मंडी में राहुल ने सब्जियों और फलों के बढ़ते दामों को लेकर विक्रेताओं की परेशानियां पूछीं।

आजादपुर मंडी में राहुल ने सब्जियों और फलों के बढ़ते दामों को लेकर विक्रेताओं की परेशानियां पूछीं।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी 1 अगस्त को अलसुबह दिल्ली की आजादपुर मंडी पहुंचे। यहां उन्होंने सब्जियों-फलों के बढ़ते दाम को लेकर विक्रेताओं से बात की और उनकी समस्याएं पूछीं इस दौरान दुकानदार उन्हें घेरे दिखाई दिए।

7 जुलाई: किसानों के साथ खेत में रोपाई की

राहुल ने हरियाणा के सोनीपत में किसानों के साथ खेतों में धान की रोपाई की थी। उन्होंने ट्रैक्टर चलाकर खेत की जुताई भी की। इस दौरान किसानों और खेत मजदूरों के साथ खेती-किसानी पर बातचीत भी की।

27 जून: दिल्ली के गैरेज में मैकेनिक्स के साथ काम किया

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने दिल्ली के एक गैरेज में पहुंचकर वहां के मैकेनिक्स के साथ काम किया। राहुल ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर 6 फोटो पोस्ट करके इसकी जानकारी दी। एक फोटो में राहुल एक बाइक में स्क्रू ड्राइवर से पेच कसते दिखाई दिए।

22 मई: अंबाला से चंडीगढ़ तक 50 किमी की ट्रक यात्रा की

राहुल गांधी ने अंबाला से चंडीगढ़ का 50 किमी का सफर ट्रक से तय किया। दरअसल, वे दोपहर को दिल्ली से शिमला के लिए कार से निकले थे। पार्टी कार्यकर्ताओं ने बताया कि राहुल ने इस दौरान ट्रक ड्राइवरों से बात की और उनकी समस्याएं भी सुनीं।

6 मई: बेंगलुरु में राहुल ने डिलीवरी बॉय के स्कूटर की सवारी की

कर्नाटक विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने बेंगलुरु में गिग वर्कर्स और डिलीवरी बॉय का काम करने वाले लोगों के साथ डोसा खाया। इस दौरान राहुल ने उन लोगों की जिंदगी के बारे में बातचीत की और एक डिलीवरी बॉय के स्कूटर की सवारी भी की।

अगले 5 दिनों तक झमाझम बारिश के आसार

नई दिल्ली। भारत मौसम विज्ञान विभाग अगले पांच दिनों तक देश के कई इलाकों में झमाझम बारिश की भविष्यवाणी की है। मौसम विभाग के मुताबिक, महाराष्ट्र, गुजरात और ओडिशा समेत कई राज्यों में अच्छी खासी बारिश होने की संभावना है। उत्तर-पश्चिमी बंगाल की खाड़ी और निकटवर्ती उत्तरी ओडिशा तटों पर कम दबाव के क्षेत्र के कारण अगले पांच दिनों के दौरान पूर्वी और आसपास के मध्य भारत में भारी से बहुत भारी वर्षा होने की संभावना है। आईएमडी के अनुसार, अगले पांच दिनों के दौरान देश के बाकी हिस्सों में छिटपुट से हल्की और मध्यम बारिश होने की संभावना है। इसके अलावा, मौसम कार्यालय ने संभावित भारी बारिश को देखते हुए ओडिशा के कई क्षेत्रों के लिए येलो अलर्ट जारी किया है।

पूर्वी भारत: आईएमडी के पूर्वानुमान के अनुसार, 21-22 सितंबर को पश्चिम बंगाल, सिक्किम, ओडिशा और झारखंड में गरज के साथ हल्की वर्षा होने की संभावना है। इसके अलावा 21 सितंबर को ओडिशा और 21-22 सितंबर को पश्चिम बंगाल और सिक्किम में बहुत भारी वर्षा होने की उम्मीद है। 21-23 सितंबर को बिहार के कुछ हिस्सों में आंधी के साथ बारिश की भी संभावना है। अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में 22-24 सितंबर तक बारिश होने की संभावना है।

पूर्वोत्तर भारत: 20-23 सितंबर के बीच अरुणाचल प्रदेश, असम, मेघालय, नागालैंड और मणिपुर में भारी से बहुत भारी वर्षा होने की संभावना है।

मध्य भारत: 20-23 सितंबर तक छत्तीसगढ़, पूर्वी मध्य प्रदेश, विदर्भ और पश्चिम मध्य प्रदेश के विभिन्न हिस्सों में गरज और बिजली के साथ हल्की से मध्यम वर्षा होने की संभावना है। आईएमडी ने कहा कि 21 सितंबर को छत्तीसगढ़ में बहुत भारी बारिश होने की संभावना है।

दक्षिण भारत: केरल, तटीय आंध्र प्रदेश, तटीय कर्नाटक और तमिलनाडु में अलग-अलग स्थानों पर भारी वर्षा होने की संभावना है। केरल में 20-21 सितंबर को भारी बारिश होने की संभावना है। तमिलनाडु में 21-22 सितंबर को बारिश की उम्मीद है।

उत्तर पश्चिम भारत: 22 सितंबर को पूर्वी उत्तर प्रदेश के कुछ हिस्सों में गरज के साथ हल्की से मध्यम वर्षा होने का अनुमान है।

जम्मू में पहली बार भारतीय वायुसेना का एयर शो आज

सूर्य किरण एरोबैटिक टीम हॉक एमके 132 विमान से ताकत दिखाएगी

श्रीनगर। जम्मू एयरफोर्स स्टेशन में पहली बार भारतीय वायुसेना का एयर शो होने वाला है। यह शो 22 सितंबर को सुबह 9 बजे से 11 बजे तक चलेगा। इस दौरान लोगों के लिए एयर अवेयरनेस इवेंट भी होगा। जम्मू-कश्मीर के भारत में विलय के 76 साल पूरे होने और जम्मू वायु सेना स्टेशन की डायमंड जुबली पर इस शो का आयोजन हो रहा है।

इस एयर शो में सूर्य किरण एरोबेटिक टीम हॉक एमके 132 विमान से देश की ताकत दिखाएगी। इसके अलावा, MI-17 हेलीकॉप्टरों के डिस्प्ले के साथ एयर वॉरियर ड्रिल टीम, आकाशगंगा डेयरडेविल स्काई डाइविंग टीम आसमान में अपने करतब दिखाएंगी।

शो में भारतीय वायुसेना के एयर

वॉरियर सिम्फनी ऑर्केस्ट्रा का भी प्रदर्शन किया जाएगा। सुखोई फाइटर जेट इसमें हिस्सा नहीं ले रहा है। इस शो को आम लोग भी देख सकेंगे। 20 सितंबर को भारतीय वायु सेना के जवानों ने इस शो को लेकर रिहर्सल भी की।

सूर्यकिरण एरोबैटिक टीम के विंग कमांडर सिधेश कार्तिक ने बताया कि यह 25 मिनट का शो है। इसे दो भागों में परफॉर्म किया जाएगा। पहले भाग में 9 विमानों के साथ अलग-अलग फॉर्मेशन बनाए जाएंगे और अलग-अलग वॉरफेयर होगा। यह हिस्सा फ्लाइट्स की सटीकता को दर्शाएगा।

दूसरे भाग में एरोबैटिक टीम खुद को छोटी यूनिट्स में बांटकर और ज्यादा रोमांचक स्टंट करने के लिए जमीन के करीब आती है। इन स्टंट्स से बताने की कोशिश करते हैं कि एक आधुनिक लड़ाकू विमान क्या कर सकते हैं।

पिछले हफ्ते एयर शो जयपुर में हुआ था

इससे पहले, 15 सितंबर को राजस्थान के जयपुर में जलमहल के ऊपर IAF के 9 हॉक विमानों ने हैरतअंगेज करतब दिखाए थे। करीब एक घंटे तक सूर्य किरण एरोबेटिक टीम ने एयर शो किया था। इसमें तीन पायलट जयपुर के थे। सभी विमानों ने जयपुर एयरपोर्ट से उड़ान भरी थी।

हापुड़ में सड़क हादसा, चार मरे दो घायल

हापुड़। उत्तर प्रदेश में हापुड़ जिले के धौलाना क्षेत्र में एक बेकाबू कैंटर के ढाबे में घुसने के चार लोगों की मौत हो गयी जबकि दो अन्य घायल हो गये। अपर पुलिस अधीक्षक सर्वेश मिश्र ने गुरुवार को बताया कि गाजियाबाद-दादरी राजकीय राजमार्ग पर खिर्जाबाद रोड पर बुधवार देर रात एक तेज रफ्तार कैंटर सड़क किनारे ढाबे की दीवार तोड़ कर भीतर प्रवेश कर गया। घटना के समय कुछ लोग भोजन कर रहे थे। इस हादसे में दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गयी जबकि दो अन्य ने अस्पताल ले जाते समय दम तोड़ दिया। हादसे में घायल दो

अन्य का इलाज दादरी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर चल रहा है जिनकी हालत खतरे से बाहर बतायी जाती है। उन्होने बताया कि मृतकों की पहचान एटा जिला निवासी अरूण और कासगंज निवासी जितेंद्र (18) के तौर पर की गयी है। दोनो ढाबा कर्मचारी बताये जाते हैं। अन्य दो मृतकों की शिनाख्त के प्रयास किये जा रहे हैं। हादसे के बाद कैंटर चालक को हिरासत में ले लिया गया है।

सड़क पर चिपकाए उदयनिधि के पोस्टर, जूते-चप्पल रखकर जा रहे भक्त

सनातन मामले में अनोखा विरोध

रतलाम। मध्य प्रदेश के रतलाम में जगह-जगह गणेश पंडाल सज रहे हैं। भगवान गणेश की मूर्ति पंडाल लगाकर बिठाई गई हैं। वहीं रतलाम के मित्र निवास कॉलोनी रोड पर गणेश पंडाल के सामने तमिलनाडु के सीएम और उनके पुत्र दोनों के पोस्टर नीचे रोड पर चिपका दिए गए हैं। कई फोटो रोड पर बड़े-बड़े चिपके हुए दिखाई दिए जि पर से लोग वाहन लेकर और जूते चप्पल लेकर निकल रहे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि सीएम के पुत्र को मालूम होना चाहिए कि उनकी औकात क्या है। यहां दर्शन करने आने वाले लोगों और जनता के जूते चप्पल में दिखेंगे यह लोग। दरसअल,

स्थानीय निवासी मनीष पांचाल ने बताया कि सीएम के पुत्र ने सनातन धर्म की जो तुलना बीमारियों से की थी उससे हम बहुत आहत हैं। इसलिए हमने उनकी फोटो जमीन पर लगाई है ताकि मालूम पड़े कि लोग उससे गुजरे हैं जूते चप्पल लेकर। इससे उन्हे अपनी औकात मालूम होगी। उदयनिधि के पोस्टर्स में लिखा है- तू क्या मिटाएगा, तेरे बाप में भी दम नहीं है जो मिटा पाऐगा। पंडाल में आने वाले लोग पोस्टर के ऊपर जूते-चप्पल लेकर चल रहे हैं। वहीं इसके ऊपर से वाहन भी गुजर रहे हैं।

मंदिर की सीढ़ियों पर लगाए थे पोस्टर

इससे पहले इंदौर में मंदिर की सीढ़ियों पर उदयनिधि की फोटो लगाई गई थी, जिसपर भक्त पैर रखकर आते-जाते दिख रहे थे। इसे हिंदू जागरण मंच के कार्यकर्ताओं ने लगाया था। उका कहना था कि जो भी भक्त मंदिर में दर्शन करने के लिए आ रहे हैं, वह इसपर पैर साफ कर रहे हैं। उसके बाद मंदिर में प्रवेश कर रहे हैं। मंच के जिला संयोजक कन्नू मिश्रा ने कहा था कि उदयनिधि ने हमारी भावनाओं को ठेस पहुंचाई है। इसलिए हमने सीएम के बेटे की तस्वीरों को मंदिर की सीढ़ियों पर लगाया है। हम उनका विरोध कर रहे हैं जो आगे भी जारी रहेगा।

सुअर पर चिपकाए पोस्टर–जबलपुर के एक बीजेपी पार्षद जीतू कटारे ने उदयनिधि के खिलाफ अनोखे अंदाज में अपना विरोध जताया। उन्होंने सुअरों पर उदयनिधि के पोस्टर चिपका दिए। उन्हें खाना भी खिलाया। इसके बाद उनकी फैशन परेड कराई।

दिल्ली में होगा 'ट्विन टावर' से बड़ा धमाका, बम से उड़ाए जाएंगे 12 टावर के 336 फ्लैट; क्यों ऐसी नौबत

,नई दिल्ली। नोएडा में पिछले साल ट्विन टावर को उड़ाए जाने वाला धमाका आपको याद ही होगा। आपकी जेहन में वह दृश्य अब तक होगा कि कैसे 32 मंजिला टावर्स को बारूद में विस्फोट करके कुछ ही सेकेंड में मिट्टी में मिला दिया गया था। ऐसा ही सीन एक बार फिर दिखने वाला है। नोएडा के बाद अब दिल्ली में असुरक्षित करार दिए गए 12 टावर्स को उड़ाया जाएगा। मुखर्जी नगर में सिग्नेचर व्यू टावर्स को गिराने के लिए दिल्ली डिवेलपमेंट अथॉरिटी (डीडीए) के अधिकारी ट्विन टावर वाले फॉर्मूले को अपनाने जा रहे हैं। डीडीए के अधिकारियों ने बुधवार को कहा कि मुखर्जी नगर में ढहते सिग्नेचर व्यू टावरों को सुरक्षित रूप से गिराने का एकमात्र तरीका नियंत्रित विस्फोट ही हो सकता है।

अधिकारियों ने कहा कि इस फैसले पर अंतिम मुहर विशेषज्ञों के साथ सलाह के बाद लगाई जाएगी। एक्सपर्ट्स का कहना है कि मौके पर निरीक्षण और डिटेल सर्वे के बाद यह तय किया जाएगा कि किस तकनीक से टावर्स को गिराया जाए। सुरक्षा, समय और लागत को ध्यान में रखकर यह फैसला किया जाएगा। डीडीए के अधिकारियों ने कहा कि अभी तक सबसे सही विकल्प वही लग रहा है इसका इस्तेमाल करके नोएडा में पिछले साल ट्विन टावर्स को गिराया गया था। 2010 में सिग्नेचर व्यू अपार्टमेंट को बनाने वाले डीडीए के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, हमारी आंतरिक चर्चा हुई है और अपार्टमेंट को समय से और कुशलतापूर्वक गिराने का एकमात्र तरीका विस्फोट ही है।

टावर्स में मौजूद लोगों का क्या होगा

अग्रीमेंट के मुताबिक, टावर्स में रहने वाले लोगों को अपने फ्लैट खाली करने होंगे। डीडीए इन टावर्स को गिराने के बाद दोबारा यहां निर्माण करेगा और तीन साल के भीतर उन्हें वापस लाया जाएगा। तब तक फ्लैट मालिक किराए के मकानों में रहेंगे। उन्हें किराए के तौर पर डीडीए की ओर से राशि का भुगतान किया जाएगा। नाम सार्वजनिक ना करने की अपील करते हुए अधिकारी ने बताया कि शुरुआती चुनौती जल्दी से जल्दी टावर्स को खाली कराना है। निवासियों से बातचीत हो चुकी है। दो महीने के भीतर इन टावर्स को खाली कर दिया जाएगा।

क्यों गिराया जाए रहा है टावर्स को? सिग्नेचर व्यू अपार्टमेंट में कुल 12 टावर हैं। इनमें 336 फ्लैट बने हुए हैं। महज 13 साल पहले बने टावर खतरनाक हो चुके हैं। किसी दीवार में दरार तो किसी फ्लैट में छत टूटकर गिर रहा है। नवंबर 2022 में आईआईटी दिल्ली के विशेषज्ञों ने इसकी जांच की और रिपोर्ट में बताया कि अपार्टमेंट रहने लायक नहीं है। दिल्ली के एलजी वीके सक्सेना ने इस साल जनवरी में डीडीए को आदेश दिया कि टावर्स को खाली करके गिरा दिया जाए और दोबारा निर्माण किया जाए।

महिला आरक्षण पर मचेगी श्रेय लेने की होड़

डॉ. प्रभात ओझा

लोकसभा और विधानसभाओं के लिए महिला आरक्षण जब भी लागू हो, इसके औचित्य पर कभी सवाल नहीं होंगे। आजादी के 75 साल बाद भी स्थिति यह है कि आज लोकसभा में सिर्फ 82 और राज्यसभा में 31 महिला सांसद हैं। यह संख्या क्रमशः 15 प्रतिशत और 13 प्रतिशत ही है। सवाल यह भी है कि यह आरक्षण पंचायतों में महिलाओं के प्रतिनिधित्व जैसे हाल में तो नहीं पहुंच जायेगा। उत्तर भारत के कई राज्यों में पंचायत प्रतिनिधि महिलाओं के काम उनके पति अथवा पिता ही किया करते हैं। लोकसभा पर नजर डालें तो आज 32 महिला सांसद किसी नेता की पत्नी अथवा पुत्री ही हैं। ठीक है कि वे अपना काम स्वयं कर रही हैं। जब संख्या बढ़ेगी, क्या इसी क्षमता की प्रतिनिधि चुन कर आएंगी।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के हर काम का अपना ढंग है। लोकसभा में '128वां संविधान संशोधन विधेयक 2023' पेश किया जा चुका है। मोदी ने इसे 'नारी शक्ति वंदन विधेयक' नाम दिया है। इस विधेयक के पारित होने और राष्ट्रपति के हस्ताक्षर के साथ यह कानून लोकसभा और देशभर की विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत स्थान सुनिश्चित कराएगा। खास बात यह है कि कुछ क्षेत्रीय दलों के ना- नुकुर के मुकाबले इस विधेयक को सत्तारूढ़ भाजपा और मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस, दोनों का ही समर्थन हासिल है। स्पष्ट है कि विधेयक के कानून बनने में कोई अड़चन नहीं है। मुद्दा यह है मोदी सरकार ने यह राजनीतिक कदम लोकसभा, 2024 के चुनाव के ठीक पहले क्यों उठाया ? कांग्रेस भी सरकार का इतनी सहजता से समर्थन क्यों कर रही है? क्या इस बिल के कानून बनने के बाद 2024 के चुनाव से ही 33 फीसद महिला सांसद चुनी जायेंगी? इन सवालों के जवाब ढूंढ़ने के लिए थोड़ा पीछे घूमकर देखना होगा।

सबसे पहले 1996 में एचडी देवेगौड़ा सरकार के दौरान महिला आरक्षण बिल संसद में रखा गया लेकिन पास नहीं हो सका। साल 1997 में इंद्र कुमार गुजराल सरकार ने भी इस तरह की कोशिश की। वाजपेयी सरकार के दौरान 1998 में भी बिल प्रस्तुत किया गया परन्तु परिणाम ढाक के तीन पात वाला ही रहा। दूसरी बार सरकार बनने पर वाजपेयी ने 1999 फिर 2002 और 2003-04 में भी इसपर अमलीजामा की कोशिश की । हर बार सरकार में शामिल दलों में मतभेद इसमें बाधक बना। वर्ष 2010 में मनमोहन सिंह सरकार का एक साल बीत चुका था। सरकार इस विधेयक को फिर से लेकर आई। यूपीए में शामिल मुलायम सिंह यादव की समाजवादी पार्टी और लालू प्रसाद यादव का राष्ट्रीय जनता दल इसके विरोधी थे। बाद में इन

दलों ने कहा कि वे इसके विरोधी नहीं, बल्कि बिल की कुछ व्यवस्थाओं के खिलाफ हैं। वे चाहते थे कि राजनीतिक दल अपने टिकट बंटवारे में ही महिलाओं को 20 प्रतिशत का आरक्षण दें। तब लोकसभा में बिल फिर अटक गया। राज्यसभा में कांग्रेस का बहुमत था, 9 मार्च, 2010 को बिल पास हो गया। लोकसभा का कार्यकाल खत्म होता रहा अथवा सदन भंग होता रहा।

नियमानुसार सदन के सत्र के साथ विधेयकों की वैधता भी खत्म हो जाया करती है। राज्यसभा स्थायी सदन है। इसलिए वहां से यह बिल पारित माना गया है। अब सिर्फ लोकसभा की स्वीकृति चाहिए। यहीं पहले दोनों सवाल के जवाब मिल जाते हैं। हर सरकार महिला आरक्षण की बात करती आयी है। भले मन में कुछ भी हो, राजनीतिक लाभ लेने की मंशा छिपी नहीं रह सकती। दूसरे प्रश्न का जवाब भी इस बात में है कि जो कांग्रेस राज्यसभा में इसे पारित करा चुकी है, वह अब पीछे क्यों हटेगी। रही बात 2024 से ही इसके लागू होने की, इसका उत्तर कुछ स्थितियां स्पष्ट करने के बाद मिलेगा।

विपक्ष कह रहा है कि महिला आरक्षण 2029 लोकसभा चुनाव से पहले संभव नहीं है। यह सच भी है। असल में इस विधेयक पर अमलीजामा की लंबी संवैधानिक प्रक्रिया है। सरकार ने स्वयं कहा है कि इसे लोकसभा सीटों के परिसीमन के बाद लागू किया जायेगा। अभी सीटें 2011 की जनगणना के आधार पर हैं। कोरोना के चलते 2021 में यह नहीं हो सकी थी। कांग्रेस, राष्ट्रीय जनता दल, समाजवादी पार्टी सहित कई पार्टियां जाति आधारित गणना की मांग कर रही है। सरकार इस पर चुप है। बहरहाल, उसका अधिकार है कि जैसे चाहे कराए। जनगणना के बाद सुप्रीम कोर्ट के पूर्व जज की अध्यक्षता में परिसीमन आयोग का गठन किया जाएगा। आयोग लोकसभा और विधानसभा क्षेत्रों के परिसीमन के साथ ही महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत सीटों का सुझाव देगा। भविष्य में यह सीटें बदलती रहेंगी। तस्वीर साफ है कि महिला आरक्षण कानून जनगणना और परिसीमन के बाद ही लागू होगा। इस स्थिति में 2024 के चुनाव इस कानून के मुताबिक, मुमकिन नहीं हैं।

लोकसभा और विधानसभाओं के लिए महिला आरक्षण जब भी लागू हो, इसके औचित्य पर कभी सवाल नहीं होंगे। आजादी के 75 साल बाद भी स्थिति यह है कि आज लोकसभा में सिर्फ 82 और राज्यसभा में 31 महिला सांसद हैं। यह संख्या क्रमशः 15 प्रतिशत और 13 प्रतिशत ही है। सवाल यह भी है कि यह आरक्षण पंचायतों में महिलाओं के प्रतिनिधित्व जैसे हाल में तो नहीं पहुंच जायेगा। उत्तर भारत के कई राज्यों में पंचायत प्रतिनिधि महिलाओं के काम उनके पति अथवा पिता ही किया करते हैं। लोकसभा पर नजर डालें तो आज 32 महिला सांसद किसी नेता की पत्नी अथवा पुत्री ही हैं। ठीक है कि वे अपना काम स्वयं कर रही हैं। जब संख्या बढ़ेगी, क्या इसी क्षमता की प्रतिनिधि चुन कर आएंगी। इस पर अभी से रोना ठीक नहीं। मुख्य बात यह है कि महिलाओं को और अधिक प्रतिनिधित्व मिलने का रास्ता साफ हो रहा है। राजनीतिक दलों में इसका श्रेय लेने की होड़ तो रहेगी ही।

संपादकीय

नुकसान में कनाड़ा

कनाड़ा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूड़ो ने भारत से अपने संबंध बिगाड़.लिए हैं। इस बुरी तरह कि उनके पद पर रहते इसमें सुधार की संभावना नहीं हैं। यह कोरी तोहमत या भारत की तरफदारी नहीं है, बल्कि तथ्यात्मक निष्कर्ष हैं। इसलिए कि ट्रूड़ो ने खालिस्तानी आतंकवादी हरदीप सिंह निज्जर की कनाड़ा में हत्या का मामला उठाते हुए बिना किसी सबूत के ही भारत को दोषी ठहराया। उन्होंने भारतीय राजनयिक को देश छोड़ने का फरमान भी जारी किया। यह स्थिति तब है, जब भारत और कनाड़ा दोनों देश मित्र हैं, परस्पर पाकिस्तान नहीं हैं। लेकिन ट्रूड़ो कनाड़ा को शायद दूसरा पाकिस्तान बनाना चाहते हैं। अगर ऐसा नहीं होता तो वे

खालिस्तान समर्थक दलों की खुलेआम हिमायत नहीं करते, उनकी भारत विरोधी, अलगाववादी-उग्रवादी गतिविधियों को अंजाम देने, इनकी फंडिंग करने और हत्याओं का सिलसिला चलाने के अपराधों के प्रति अपनी आंखें नहीं मूंदे होते। यह स्थिति तब है, जबकि वे विभिन्न वैश्विक एवं समूह केंद्रित अंतरराष्ट्रीय मंचों पर एक दूसरे देश की सम्प्रभुता को चुनौती देने वाली गतिविधियों पर अंकुश लगाने के प्रस्तावों पर हस्ताक्षरकत्ता रहे हैं। अभी-अभी भारत में हुए जी-20 के नई दिल्ली लीड़र्स डेक्लरेशन पर भी दस्तखत कर कनाड़ा लौटे हैं। इनके बावजूद वे भारत की खालिस्तानी उपद्रवों को अभिव्यक्ति की आजादी कह कर तवज्जो नहीं देते रहे हैं। वे भूल रहे हैं कि हर आजादी की एक अनिवार्य हद होती है-उसे खूनी दरारें पैदा करने की इजाजत नहीं है। जिस निज्जर पर वे भारत से बागी होने का जोखिम ले रहे हैं, जो अनेक आतंकवादी-उग्रवादी मामलों समेत 10 हत्याओं में कई एजेंसियों को वांछित था। इंटरपोल ने रेड़ कॉर्नर नोटिस जारी किए हुए था। ऐसों के प्रति उनका प्रेम पाकिस्तान होने की जमीन तैयार करना ही हुआ न? दरअसल, वे ऐसा करते दिख रहे हैं तो इसकी तात्कालिक वजह उनकी सरकार की अल्पमतता है, जिसकी न्यू डेमोक्रेटिक पार्टी ऑफ खालिस्तान के समर्थन की विवशता है। यह कनाड़ा में दो फीसद सिख आबादी के वोटों से भी जुड़ी है। दूसरा कारण, उनके इसी रवैये पर जी-20 सम्मेलन में भारत से वह भाव न मिलना भी है। ट्रूड़ो भारत पर बेबुनियादी आरोप लगाकर अपनी सरकार तो बचा लेंगे-पर संबंध बिगाड़कर, साख गंवाकर। भारत की उन्हीं की शैली में दी गई प्रतिक्रिया देखते हुए यह भारी कीमत है। इस मसले पर नई दिल्ली को ह्यसहयोग' की नसीहत देने वालों को ट्रूड़ो सरकार के सामने पूर्व में रखे गए तथ्यों को भी देखना चाहिए।

चिंतन-मनन

ध्वनि का प्राणी शरीर पर प्रभाव

यह जानकर खुश होगें की ध्वनि का प्रभाव प्रत्येक जीव के शरीर पर पड़ता है। वर्तमान औधोगिकी करण और तकनीकि से ध्वनि प्रदूषण अधिक मात्रा में बढ़ रहा है। इस ध्वनि प्रदूषण के परिणाम देखते हुये नोबेल पुरस्कार विजेता डॉ. राबर्ट कॉक ने सन- 1925-26 में एक बात कही थी एक दिन ऐसा आयेगा, जब पूरे विश्व में स्वस्थ्य का सबसे बड़ा शत्रु ध्वनि प्रदूषण होगा। यह ध्वनि प्रदुषण दिन-प्रतिदिन बढ़ता जा रहा है। मानव का मन, मस्तिष्क और शरीर बहुत संवेदन शील हैं। यह ध्वनि तरगों के प्रति भी बेहद संवेदन शील है। जैसे जब कोई संगीत सहित, गीत गाता है,या वाद्य बजाता है तो मन अपने आप उस पर केन्द्रित हो जाता है उसे सुनते ही अंग-अंग थिरकने लगता है, मन प्रसन्नता से भर जाता है, शरीर में आनंद की लहर छा जाती है। इसके विपरीत कानो को अप्रिय लगने वाली तेज ध्वनि सुनाई देती है तब मानव को शारीरिक और मानसिक दोनो तरह की परेशानी होती है। जिससे व्यक्ति का मानसिक संतुलन बिगड़ जाता है एवं स्वस्थ्य खराब हो जाता है। वह बहरा और पागल भी हो सकता है।

डेसी बल ध्वनि की तीव्रता नापने की इकाई है। इसका अविष्कार 'ग्राहमबेल' बैज्ञानिक ने किया था। आधुनिक वैज्ञानिकों का कहना है कि 150 डेसीबल की ध्वनि बहरा भी बना सकती है। 160 डेसीबल की ध्वनि त्वचा जला देती है। 180 डेसीबल की ध्वनि मौत की नींद सुला सकती है। 120 डेसीबल की ध्वनि ह्रदयगति बढ़ना प्रारंभ हो जाती है। जिससे ह्रदय रोग एवं उच्च रक्त चाप की बीमारी जन्म लेती है। हर मानव को 60 डेसीबल तक की ध्वनि वाले वातावरण में रहना चाहिए प्रदूषण की श्रेणी में 75 डेसीबल से अधिक की ध्वनि शोर आता है। ध्वनि प्रदुषण से आंखों की पुतली का मध्य छिद्र फैल जाता है, आमाशय और ऑतों पर घातक प्रभाव से पाचन क्रिया बिगड़ जाती है। इससे शरीर की प्रति रोधी क्षमता घट जाती है, ग्रनथियों से हार्मोन्स का श्राव अनियमित हो जाता है, स्नायु खिच जाते है, शरीर में थकान, मानसि तनाव, चिड़चिड़ापन, अनिद्रा, स्मरण शक्ति कमजोर हो जाती अतः हमें तेज ध्वनि से बचना चाहिए।

महिला आरक्षण बिल चुनावी झुनझुना

सनत जैन

लोकसभा में महिला आरक्षण बिल पास हो गया है। सभी दलों ने इसका समर्थन किया है। मात्र दो सदस्यों ने आरक्षण बिल के खिलाफ मतदान किया है। भारतीय जनता पार्टी एनडीए गठबंधन और कांग्रेस तथा इंडिया गठबंधन से जुड़े सभी राजनीतिक दलों ने इस बिल का समर्थन किया है। इंडिया गठबंधन के सदस्यों ने जो संशोधन प्रस्ताव पेश किए थे। वह ध्वनिमत से निरस्त हो गए। इसके बाद बिल में मतदान हुआ और 454 सदस्यों ने बिल के समर्थन में मतदान किया। नई संसद में सर्वसम्मति से पास होने वाला यह पहला बिल बन गया है। भारतीय जनता पार्टी इस बिल को मास्टर स्ट्रोक बता रही है। भारतीय जनता पार्टी को विश्वास है, कि महिलाओं के आरक्षण बिल से उसे 2024 के लोकसभा चुनाव और 5 विधानसभा के चुनावों में इसका लाभ भाजपा को मिलेगा। महिलाएं बड़ी संख्या में भारतीय जनता पार्टी के पक्ष में वोट करेगी। भारतीय जनता पार्टी ऐसा सोच रही है, तो इसमें कोई अतिशयोक्ति भी नहीं है। बिल में जो प्रावधान किए गए हैं, उसके अनुसार 2028 के विधानसभा चुनाव और 2029 के लोकसभा चुनाव के समय ही महिलाओं का आरक्षण लागू हो सकता है। यह इतना ज्यादा समय है, कि इस चुनाव में इसका कितना असर होगा, यह कहना मुश्किल है। 2024 के लोकसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी राम भरोसे और महिला आरक्षण के बल पर चुनाव जीतने की कामना कर रही है। वही इंडिया गठबंधन के राजनीतिक दल और कांग्रेस दलित, पिछड़े, अल्पसंख्यक, एसटी और एससी वर्ग को एक साथ जोड़कर कमंडल की राजनीति को मंडल की राजनीति से काटने की एक बड़ी पहल की है। राज्यसभा में प्रधानमंत्री मोदी के भाषण के बाद विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने जो स्वयं दलित नेता है। उन्होंने महिला आरक्षण बिल पर दलित और पिछड़ी जाति की महिलाओं को आरक्षण देने का मुद्दा उठाया है। इंडिया गठबंधन के राजनीतिक दलों ने, सभी वर्गों की महिलाओं को जनसंख्या के आधार पर प्रतिनिधित्व देने की बात कही है। सोनिया गांधी ने तो यहां तक कह दिया कि यह बिल तुरंत लागू किया जाए। 33% आरक्षण महिलाओं को आने वाले विधानसभा और लोकसभा के चुनाव में लागू किया जाए। कांग्रेस सहित इंडिया गठबंधन के राजनीतिक दलों ने जनगणना और परिसीमन को आधार बनाकर 5 साल तक आरक्षण टालने का विरोध सदन के अंदर, बड़ी मुखरता के साथ किया है। भारतीय जनता पार्टी अपने कार्यकाल के अंतिम समय पर महिला आरक्षण बिल लेकर आई है। इसके पहले भी काला धन वापस लाने महंगाई खत्म करने 2 करोड बेरोजगारों को प्रतिवर्ष रोजगार देने काला धन वापस आने पर हर किसी को 15-15 लाख रुपए देने नोटबंदी के बाद भी काला धन वापस आने और गरीबों को पैसे देने की बात कही गई थी। उस समय नरेंद्र मोदी की लोकप्रियता और विश्वसनीय दोनों ही चरम सीमा पर थी। जिसका लाभ 2019 के लोकसभा चुनाव में देखने को मिला। पिछले 4 वर्षों में जिस तेजी के साथ महंगाई बढ़ी है। आम आदमी पर कर्ज का बोझ बढ़ा है। आम आदमी के ऊपर लगातार टैक्स बढ़ता चला जा रहा है। निम्न और मध्यम वर्ग का जीवन बड़ा मुश्किल हो गया है। वह अपनी दैनिक जरूरतों को पूरा नहीं कर पा रहा है। जिसके कारण गरीब और मध्यम वर्ग में सरकार को लेकर अविश्वसनियता बढ़ी है। मोदी सरकार की लोकप्रियता घटी हैं। आम आदमी मुखरता के साथ अब सरकार का विरोध कर रहा है। 15 लाख और 2 करोढ़ रोजगार देने, महंगाई कम करने और अच्छे दिन के जो वायदे किए गए थे। वह भी जुमला साबित हो रहे हैं। ऐसी स्थिति में महिला आरक्षण का प्रभाव महिलाओं पर किस तरह पड़ेगा। इसको लेकर सोशल मीडिया और समूह में महिला आरक्षण को लेकर तरह-तरह की आशंका व्यक्त की जा रही है। आम धारणा बन रही है, कि यदि सरकार महिला आरक्षण बिल लागू कर रही थी। संसद का विशेष सत्र बुलाया गया था। सरकार को अभी महिला आरक्षण लागू कर देना चाहिए था। इससे भाजपा और केंद्र सरकार की विश्वसनीयता, महिला मतदाताओं के बीच में बढ़ती। भाजपा के पक्ष में महिलाएं ज्यादा से ज्यादा वोट भी करती। आगे आने वाली सरकार इस बिल के अनुसार काम करती है, या नहीं। इसमें कोई बदलाव कर देती है। धारा 370 और एनआरसी के मामले में सरकार ने कानून तो पास कर लिए लेकिन अभी तक सरकार नियम नहीं बन पाई। सरकार ने किसानों के लिए जो तीन कानून बनाए थे उन्हें विरोध के कारण वापस लेना पड़ा। सरकार की विश्वसनीयता को लेकर आम मतदाताओं के बीच में चचाएं होती हैं। भारत का मतदाता बहुत होशियार है। समय आने पर वह बड़ी बुद्धिमत्ता के साथ निर्णय करता है। भारतीय जनता पार्टी और कांग्रेस राष्ट्रीय राजनीतिक दल है। इनके प्रतिबद्ध मतदाताओं की संख्या कभी भी 20-22 फीसदी से ज्यादा नहीं रही। चुनाव के दौरान जो हवा चलती है, उसके अनुसार मतदाता अपना रुख बदलता है। 2013-14 में भारतीय जनता पार्टी और नरेंद्र मोदी के पक्ष में हवा बह रही थी। जिसका लाभ भारतीय जनता पार्टी और नरेंद्र मोदी को दो लोकसभा चुनाव में मिल चुका है। कई राज्यों में डबल इंजन की सरकारें हैं। जिन वादों पर और जिन मुद्दों पर सरकार बनी थी। उसमें अच्छे दिन 15 लाख का वायदा, महंगाई कम करने, पेट्रोल-डीजल की कीमत कम करने, 2

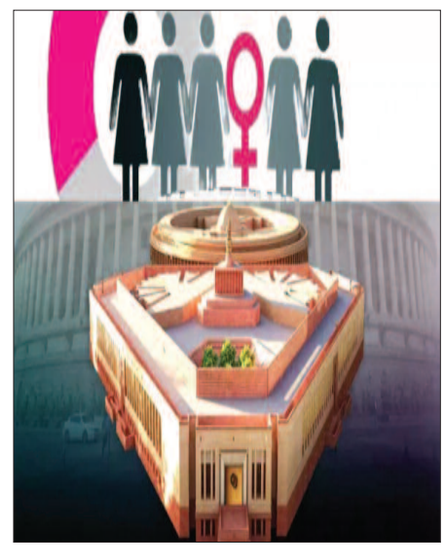

करोड़ बेरोजगारों को हर साल रोजगार देने, जैसे जो वायदे किए गए थे। उसका मतदाताओं में बड़ा प्रभाव पड़ा था। 10 साल केंद्र में भाजपा की सरकार है। कई राज्यों में डबल इंजन की सरकारें हैं। लेकिन यदि वह वायदे पूरे नहीं हुये, तो मतदाताओं का विश्वास डगमगा गया है। धार्मिक ध्रुवीकरण को लेकर आमजनों मे वेमनष्य बढ़ा है। कानून व्यवस्था की स्थिति खराब हुई है। अपराध और आत्महत्या के मामले बड़ी तेजी के साथ बढ़ रहे हैं। ऐसी स्थिति में यह मास्टर स्ट्रोक कितना काम करेगा, कहना मुश्किल है। कमंडल और मंडल की राजनीति ने इस लड़ाई को और भी तेज कर दिया है। आबादी के हिसाब से पिछडे, एसटी,एससी और अल्पसंख्यक मतदाताओं की संख्या ज्यादा है। यदि इनकी सोच बदली तो हिंदुत्व और धार्मिक ध्रुवीकरण भी कारण भी खतरे में पड़ सकता है। भारतीय जनता पार्टी के नहले पर इंडिया गठबंधन का यह दहला भी हो सकता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को यह समझना होगा।

प्रकाश प्रदूषण : बर्बाद हो रही पारिस्थितिकी

कुशाग्र राजेंद्र

सभ्यता के विकास के क्रम में ह्यअरनीह्ल की पट्टियों से आग की खोज कर मनुष्य ने गुफाओं में मशाल जलाई। फिर अंधकार से प्रकाश की ओर ले जाने वाले मशाल ने दीपक, दीया का रूप लिया; जलाने के लिए सरसों तेल, तिल का तेल, घी से लेकर धरती के गर्भ से निकलने वाले केरोसिन, आदि का प्रयोग करते-करते 1880 में एडिसन के टंगस्टन बल्ब ने दिन-रात के अंतर को पाट डाला।

डूबते सूरज की पीली रोशनी का अहसास लिए मनुष्य ने कालक्रम में भविष्य के लिए बिजली की बचत शुरू की और हमारे बीच फ्लोरोसेंट प्रकाश, फिर सोडियम वेपर से होते हुए आई दूधिया प्रकाश लिए एलईडी लाइट्स।

इस रोशनी ने देर रात अंधेरे में काम करना आसान भले ही कर दिया लेकिन अनजाने में मुसीबत भी आई। कृत्रिम प्रकाश के रूप में आई इस मुसीबत को नाम मिला प्रकाश प्रदूषण/लाईट पॉल्यूशन या फोटो पॉल्यूशन। कृत्रिम प्रकाश वैश्विक स्तर पर 1992 और 2017 के बीच लगभग 49% तक बढ़ गया। कुछ क्षेत्रों में तो 400% तक बढ़ा। अभी हमारी पृथ्वी अपने सबसे प्रकाशमान स्तर पर है। शहरों की चकाचौंध देखते हैं तो लगता है कि रात के हिस्से के अंधेरे को उद्योगों, सड़कों से लेकर गलियों की लाइटिंग, रिफलेक्टिव सतहों के प्रयोग, मुख्य सड़कों पर हाईमास्ट और स्ट्रीट लाइटिंग प्रकाश के स्रेतों के

रूप में विभिन्न प्रकार की हैलोजन लाईट, टॉर्च, और प्रकाशीय उपकरणों से ढांप दिया गया है। ढके हुए अंधेरे की वजह से अस्सी प्रतिशत से अधिक लोग और इतना ही भूभाग इस प्रदूषण की चपेट में हैं। यह आकाशी चमक/स्काई ग्लो के रूप में प्रवासी पक्षियों की आने-जाने की दिशा को प्रभावित कर रहा है, तो प्रकाश के अतिक्रमण से फोटॉन के इधर-उधर बिखरने (जो खिड़कियों के रास्ते आकर हमारी नींद और आंतरिक घड़ी यानी सरकेडियन रिदम को प्रभावित कर रहा है) से हमारा व्यवहार और कार्य क्षमता बदल रहे हैं। जितनी प्रकाश की जरूरत है, उससे कई गुनी अधिक रोशनी धीरे-धीरे हमें अंधेरे की तरफ ढकेल रही है। आंखें रहते हुए भी हमारी दृष्टिबाधित हो रही है, और तारों को निहारने की हमारी क्षमता क्षीण होती जा रही है।

इस प्रदूषण ने एक तरह से सांस्कृतिक हानि भी पहुंचाई है। हमारा बचपन सपनों, कल्पनाओं और कहानियों को जानना-समझना भूलता जा रहा है। रात में दिन के अहसास ने हमारी बायोलॉजिकल क्लॉक को प्रभावित किया है। रात में जागने की क्षमता बढ़ती जा रही है, तो सुबह सूरज की रोशनी चढ़ने के बाद नींद खुलती है। रात की टुकड़े-टुकड़े वाली नींद कैंसर और हृदय रोगों को बढ़ा रही है। चिड़ियों के जागने-सोने के समय में भी अंतर आ गया है। अध्ययन में पता चला है कि प्रकाश प्रदूषण के रंगों और तीव्रता में परिवर्तन से पिछले कुछ दशकों के दौरान जीव-जंतुओं की दृष्टि में अप्रत्याशित बदलाव आया है। पहले अंधेरे की आहट होते ही कीड़े-मकोड़े छुप जाते थे और आवाज से अपनी उपस्थिति दर्ज कराते थे। प्रकाश प्रदूषण की वजह से प्रकाश की ओर आसक्त होते कीट-पतंगे अपनी मृत्यु को आमंत्रित करते हैं। शोधकताओं ने कीट-पतंगों और उनका शिकार बनाने वाले पक्षियों की दृष्टि पर रोशनी के प्रभाव की जांच में पाया कि शिकार और शिकारी के बीच के संबंध बदल रहे हैं।

अंधेरे का अहसास हुए बिना उल्लू अपना शिकार नहीं पकड़ सकते। अब प्रकाश की अधिकता में उल्लू ध्वनि तरंगों को पकड़ अपने शिकार तक नहीं पहुंच पा रहा। इस प्रकाश भ्रम में पुरु ष कीड़ों के प्रजनन के तरीके भी बदल रहे हैं। दिन में निषेचन करने वाले ये कीट रात्रि के प्रकाश में मादा को निषेचित करने लगे हैं। चांद और तारों की रोशनी अंधेरे में समुद्री जीवों के लिए महत्त्वपूर्ण संकेतक के रूप में कार्य करते हैं, जो उनके दिशा ज्ञान में मददगार होते हैं। कृत्रिम प्रकाश में उनकी चमक आसानी से धूमिल पड़ जा रही है, जो समुद्री जीवों को उनके पथ से भटका रही है। पेड़-पौधे भी प्रकाश की उपस्थिति को लेकर भ्रमित हो सकते हैं। फूलों का खिलना, पत्तियों का झड़ना कुछ हद तक प्रकाश की उपस्थिति पर ही निर्भर होता है। आज प्रकाश की अधिकता ने दिन-रात का संवेदनशील संतुलन बिगाड़ दिया है, जिसने पेड़-पौधों सहित तमाम जीव-जंतुओं की शारीरिक कार्यिकी को प्रभावित किया है। इसका शिकार संपूर्ण पारिस्थितिकी तंत्र, जिसमें मानव समाज भी शामिल है, हो रहा है।

प्रकाश प्रदूषण अन्य प्रदूषण की तरह ही समझा जाना चाहिए जैसे रासायनिक बहाव या गैस रिसाव की तरह, आपके द्वार और सड़क को प्रकाशित करने के लिए इस्तेमाल किए जा रहे फोटॉन अनजाने में आसपास के क्षेत्रों में प्रवाहित होकर पौधों से लेकर शीर्ष प्राणियों जैसे सभी स्तरों पर स्थानीय पारिस्थितिकी को प्रभावित करते हैं। हमने जैसे अन्य प्रदूषणों को कम करने के क्षेत्र में कार्य किया है, उसी प्रकार अब जरूरत है कि प्रकाश प्रदूषण को कम करने के विकल्पों की तलाश की जाए क्योंकि किसी रसायन की तरह ही वातावरण में बहता फोटॉन जीवों की आंतरिक क्लॉक को बुरी तरह प्रभावित कर रहा है।

खाद्य विभाग की टीम ने

मसालों के भरे सैंपल

संस्कार उजाला, आरके शर्मा

धामपुर। बिजनौर से आई खाद्य विभाग की टीम ने नगर के बड़ी मंडी स्थित दो मसाला व्यापारियों के दुकान से खाद्य मसाले के सैंपल भरे। खाद्य विभाग की टीम तथा व्यापार मंडल के बीच हल्की नोक झोंक भी हुई। बाद में खाद्य विभाग की टीम ने दो दुकानों से मसाले को सैंपल भरकर प्रयोगशाला में भेजने की बात कही। खाद्य विभाग की टीम के निरीक्षण की सूचना से व्यापारियों में हड़कंप मच गया। जानकारी के अनुसार जिला खाद्य विभाग की टीम को धामपुर के बड़ी मंडी में कुछ दुकानदारों के द्वारा मिलावटी मसाले की बिक्री करने की सूचना मिली थी इस सूचना के

आधार पर मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी संजीव कुमार टीम के साथ दोपहर में बड़ी मंडी पहुंचे। खाद्य विभाग की टीम ने कई दुकानों का चेकिंग करते हुए दो दुकानों से विभिन्न मसाले के सैंपल सुरक्षित किया। खाद्य सुरक्षा अधिकारी ने बताया कि सभी सैंपलों को जांच के लिए लैब भेजा जाएगा तथा उनकी रिपोर्ट आने के बाद यदि मसाले मिलावटी पाए जाते हैं तो संबंधित दुकानदार के खिलाफ उचित कार्रवाई की जाएगी। उधर खाद्य विभाग की टीम के जाकर सैंपल भरने की जानकारी मिलने पर व्यापार मंडल के पदाधिकारी भी मौके पर पहुंच गए तथा टीम के साथ बिना सूचना दिए आने पर रोज जताया। खाद्य विभाग की टीम में मुख्य खाद्य निरीक्षक संजीव कुमार, कमलेश कुमार, राजीव कुमार, यगदत्त, जितेंद्र कुमार आदि मौजूद रहे

निशुल्क चिकित्सा शिविर में 190 मरीजों को परामर्श दिया

संस्कार उजाला, दिनेश शर्मा

धामपुर । दमयंती देवी प्रेरणा संस्थान द्वारा निशुल्क चिकित्सा शिविर लगाया गया निशुल्क चिकित्सा शिविर ग्राम कुंडी केदारपुर के ग्राम वासियों के सहयोग से लगाया गया । शिविर का उद्घाटन गांव के ग्राम प्रधान निसार अहमद द्वारा फीता काट कर किया गया। शिविर में धामपुर नगर के वरिष्ठ चिकित्सक डॉ आदित्य अग्रवाल सर्जन व डॉ अनिल दास फिजिशियन ने लगभग 190 मरीजों को निशुल्क परामर्श दिया गया। जिसमे 3 दिन की निशुल्क दवाइयां वितरण की व सभी जांचें नाम मात्र रुपए में की गई। शिविर में ''पॉलिथीन मुक्त नगर अपना

"अभियान के बारे में लोगों को अवगत कराकर कपड़े के बने थैले भी ₹10 सहयोग राशि लेकर वितरित किए गए। शिविर को सफल बनाने में पंकज अग्रवाल , साहिल ,अखिलेश शर्मा, नन्हे कुमार ,आनंद सिंह, गौरव पंकज, सतीश चंद्र वर्मा ,संकेत अग्रवाल , ओम नारायण सिंह,भूदेव सिंह, अतुल राणा, राहुल राजपूत, राहुल कुमार, सुनील कुमार राणा,के पी सिंह, कालेन्द्र राजपूत,आदि का योगदान सराहनीय रहा।

संक्षिप्त डायरी

बेरहमी से मुकेश करदम की हत्या कर बाहर से किया मकान बंद

संस्कार उजाला, तेजवीर सिंह

हापुड़ । नगर कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला लज्जापुरी गली नंबर दस का एक सनसनी खेज हत्या का मामला प्रकाश आया! जहाँ तीस से पेंतीस वर्षीय मुकेश कुमार करदम की बड़ी बेरहमी से हत्या कर के मकान को बाहर से लोक कर दिया गया ! हत्या को प्लानिंग के तहत अंजाम दिया गया !वही मृतक मुकेश कुमार करदम के साले ने बताया कि मैं जब यहाँ आया तो मकान बंद मिला जिससे मुझे कुछ अनहोनी घटना का शक हुआ तो मेने मकान को अपने आप ना खोलते हुए पुलिस को सूचित किया !सूचना पर पहुंची पुलिस ने मकान खोला तो अंदर का दृश्य देख सन्न रह गए !जिसे देख परिवार में कोहराम मच गया !पुलिस ने हत्या के मामले को अपने संज्ञान मैं लेते हुए जाँच शुरू कर दी !मोके पर पहुंची फॉरेसिक की टीम ने हत्या मैं प्रयोग किये गए हथियार लोहे का तवा व धारदार ब्लेड को अपने कब्जे में लेकर बॉडी को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया !मामला जमीनी स्तर से जुडा बताया गया !बतादें जाँच के आधार पर फोरेनसिक की टीम ने बताया की हत्या करीब चौबीस घंटे पहले की गयी है !घटना स्थल पर पहुँचे एडिशनल एस पी राजकुमार ने मीडिया के सामने कहा की हत्या का मामला कुछ भी रहा हो लेकिन घटना का खुलासा जल्द ही कर दिया जायेगा और अपराधियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया जायेगा !मुकेश कुमार ने अपने ही एम के नाम से दो दुकान भी चला रखी थी जिससे वो अपने परिवार का पालन पोषण करता था।

शहर में मच्छरों को भगाने के लिए कांग्रेस ने दिया एसडीएम को ज्ञापन

संस्कार उजाला, तेजवीर सिंह

हापुड़ । गुरुवार को शहर के कांग्रेस जनों ने नगर पालिका परिषद में ईओ का चार्ज संभाल रहे एसडीएम मनोज कुमार से मिलकर मुलाकात की और शहर में फैल रहे मच्छरों के प्रकोप के संदर्भ में बातचीत की। ढउउ सदस्य/रउ रळ कांग्रेस के जिलाध्यक्ष नरेश कुमार भाटी ने एसडीएम मनोज कुमार को बताया कि शहर में मच्छरों का प्रकोप दिन प्रतिदिन बढ़ता जा रहा हैं। मच्छरों के काटने से होने वाली जानलेवा बीमारियों का खतरा दिन प्रतिदिन लोगों पर मंडरा रहा हैं। जिससे इसका प्रत्यक्ष उदाहरण शहर के सरकारी अस्पतालों में देखने को मिल रहा हैं। नरेश कुमार भाटी ने कहा कि मच्छरों के प्रकोप से लोगों को बचाने के लिए शहर के प्रत्येक वार्ड और हर गली मोहल्ले में फॉगिंग मशीनों की पर्याप्त व्यवस्था कराई जाए। साथ उन्होंने यह भी कहा कि नगर पालिका परिषद के पास मच्छरों को भगाने के लिए फॉगिंग मशीनें पर्याप्त मात्रा में पूरी नहीं हैं। दवाई के छिड़काव से ही फॉगिंग मशीनों के द्वारा मच्छरों को भगाया व मारा जा सकता हैं।

इसलिए हर वार्ड में कम से कम 1 फॉगिंग मशीन की व्यवस्थ नगरपालिका परिषद के कर्मचारियों को कराई जाए। इतना ही नही हर गली मोहल्ले में फॉगिंग मशीन से दवाई का छिड़काव समय समय पर कर्मचारियों द्वारा कराया जाना सुनिश्चित किया जाए। कांग्रेस जनों ने एसडीएम मनोज कुमार से निवेदन करते हुए कहा हैं कि जल्द से जल्द मच्छरों को भगाने व शहर वासियों को मच्छरों की समस्या से निजात दिलाने के लिए पालिका कर्मचारियों को पर्याप्त मात्रा में फॉगिंग मशीनें उपलब्ध कराई जाएं। नगर पालिका परिषद में ईओ का चार्ज संभाल रहें मनोज कुमार ने कांग्रेस जनों को आश्वस्त किया हैं कि जल्द ही नई फॉगिंग मशीनें नगरपालिका कर्मचारियों को उपलब्ध कराई जाएंगी। इसके लिए कांग्रेस जनों ने एसडीएम को एक ज्ञापन सौंपा हैं। इस दौरान जिला महासचिव विकास त्यागी, महिला कांग्रेस जिलाध्यक्ष सीमा शर्मा, देवेंद्र कुमार, अजब सिंह शमशाद अब्बासी,आदि लोग भी मौजूद रहें.!

आबकारी विभाग अधिकारी ने पकड़ी मुखबिर की सूचना पर भारी मात्रा में शराब

संस्कार उजाला, तेजवीर सिंह

हापुड़। उत्तर प्रदेश के निदेर्शानुसार जिला आबकारी अधिकारी मेरठ के कुशल पर्यवेक्षण नेतृत्व में अवैध शराब के बिक्री, निर्माण, परिवहन और भंडारण के विरुद्ध चलाए जा रहे प्रवर्तन अभियान के अंतर्गत आबकारी निरीक्षक सेक्टर 4 मेरठ और आबकारी निरीक्षक क्षेत्र 2 हापुड़ अधिनस्थ स्टाफ के साथ थाना खरखौदा जनपद मेरठ की पुलिस के संयुक्त टीम द्वारा धीरखेड़ा इंडस्ट्रियल एरिया में बंद पड़े फैक्ट्री और केमिकल प्लांट्स आदि की संघन खोजबीन व छापेमारी कार्रवाई के क्रम में मेरठ हापुड़ रोड स्थित धीरखेड़ा इंडस्ट्रियल एरिया में मुखबिर खास की सूचना पर एक प्लांट में छापेमारी और दबिश की कार्रवाई की गई। छापेमारी और तलाशी के दौरान प्लांट के अंदर 812 पेटी (प्रत्येक पेटी में 20 बोतल) एब्सलूट एल्कोहल/पावर अल्कोहल रखा हुआ पाया गया जिसको एक डीसीएम वाहन संख्या वढ 37 अळ 5926 में लाद कर ले जाने का प्लान किया जा रहा था। मौके पर तीन व्यक्ति अंकित बंसल पुत्र अजय बंसल मकान संख्या 895पक्का हापुड़ थाना कोतवाली जनपद हापुड़ राजेश कुमार पुत्र विजेंद्र सिंह ठाकुर निवासी चमरी थाना कोतवाली जनपद हापुड़ और इरशाद पुत्र फजल उर रहमान निवासी नबी करीम सकर कुई थाना कोतवाली जनपद हापुड़ को मौके से गिरफ्तार किया गया।पूछताछ में उक्त अभिक्तों द्वारा बरामद आयातित पावर अल्कोहल एब्सलूट एल्कोहल पर आबकारी शुल्क की चोरी कर व्यापार करने के बारे में बताया गया।पकड़े गए अभिक्तों के विरुद्ध और केमिकल प्लांट के मालिक के विरुद्ध थाना खरखौदा जनपद मेरठ में आबकारी अधिनियम की धारा 60/63/72 और आईपीसी की धारा 417 के अंतर्गत अभियोग पंजीकृत कर अभिक्तों को जेल भेजने की कार्रवाई की गई।

भीड़ भाड़ वाली जगहों पर एण्टीरोमियों स्क्वाड टीम द्वारा की गयी चेकिंग

संस्कार उजाला, तेजवीर सिंह

जनपद हापुड़ की समस्त थानों की एण्टीरोमियों स्क्वाड टीमों द्वारा प्रमुख बाजारों, भीड़-भाड़ वाले इलाकों एवं पार्क आदि स्थानों पर मनचलों शोहदों की चेकिंग की जा रही है 21 सितंबर गुरुवार को नारी सुरक्षा नारी सम्मान नारी स्वावलंबन के प्रति जनपद हापुड़ में महिलाओं एवं बालिकाओं में सुरक्षा, सशक्तिकरण एवं विश्वास का वातावरण बनाने के उद्देश्य से जनपद की समस्त थानों की एण्टीरोमियों टीमों द्वारा प्रमुख बाजारों, गांव कस्बों, पार्कों व भीड़-भाड़ वाले इलाकों के आस-पास मनचलों एवं शोहदों की चेकिंग की गयी तथा अनावश्यक रूप से घूमने वाले संदिग्ध लड़कों युवकों से पूछताछ कर उन्हें हिदायत दी जा रही है।

भागवत कथा सुन भक्त निहाल

संस्कार उजाला, महेश कुमार

आगरा। गणेश पंडाल खेमेश्वर नाथ महादेव मंदिर तोता का ताल आगरा में चल रही श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ के दूसरे दिन कथा वाचिका पं. गरिमा किशोरी ने शुकदेव जन्म, परीक्षित श्राप और अमर कथा का वर्णन करते हुए बताया कि ह्लनारद जी के कहने पर पार्वती जी ने भगवान शिव से पूछा कि उनके गले में जो मुंडमाला है वह किसकी है तो भोलेनाथ ने बताया वह मुंड किसी और के नहीं बल्कि स्वयं पार्वती जी के हैं।

हर जन्म में पार्वती जी विभिन्ना रूपों में शिव की पत्नी के रूप में जब भी देह त्याग करती शंकर जी उनके मुंड को अपने गले में धारण कर लेते पार्वती ने हंसते हुए कहा हर जन्म में क्या मैं ही मरती रही, आप क्यों नहीं !शंकर जी ने कहा हमने अमर कथा सुन रखी है पार्वती जी ने कहा मुझे भी वह अमर कथा सुनाइए शंकर जी पार्वती जी को अमर कथा सुनाने लगे। शिव-पार्वती के अलावा सिर्फ एक तोते का अंडा था जो कथा के प्रभाव से फूट गया उसमें से श्री सुखदेव जी का प्राकट्य हुआ कथा सुनते सुनते पार्वती जी सो गई वह पूरी कथा सुखदेव जी ने सुनी और अमर हो गए शंकर जी सुखदेव जी के पीछे उन्हें मृत्युदंड देने के लिए दौड़े। सुखदेव जी भागते भागते व्यास जी के आश्रम में पहुंचे और उनकी पत्नी के मुंह से गर्भ में प्रविष्ट हो गए। 12

वर्ष बाद श्री सुखदेव जी गर्व से बाहर आए इस तरह श्री सुखदेव जी का जन्म हुआ।कथा व्यास ने बताया कि भगवान की कथा विचार, वैराग्य, ज्ञान और हरि से मिलने का मार्ग बता देती है। राजा परीक्षित के कारण भागवत कथा पृथ्वी के लोगों को सुनने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। समाज द्वारा बनाए गए नियम गलत हो सकते हैं किंतु भगवान के नियम ना तो गलत हो सकते हैं और नहीं बदले जा सकते हैं। कथा व्यास जी ने उन्होंने कहा कि भागवत के चार अक्षर इसका तात्पर्य यह है कि भा से भक्ति, ग से ज्ञान, व से वैराग्य और त त्याग जो हमारे जीवन में प्रदान करे उसे हम भागवत कहते है। इसके साथ साथ भागवत के छह प्रश्न, निष्काम भक्ति, 24 अवतार श्री नारद जी का पूर्व जन्म, परीक्षित जन्म, कुन्ती देवी के सुख के अवसर में भी विपत्ति की याचना करती है। क्यों कि दुख में ही तो गोविन्द का दर्शन होता है। जीवन की अन्तिम बेला में दादा भीष्म गोपाल का दर्शन करते हुये अद्भुत देह त्याग का वर्णन किया। साथ साथ परीक्षित को श्राप कैसे लगा तथा भगवान श्री शुकदेव उन्हे मुक्ति प्रदान करने के लिये कैसे प्रगट हुये इत्यादि कथाओं का भावपूर्ण वर्णन किया। परिक्षित नितिन चंचल सैनी पूजन का सभी कार्य पं विद्यासागर तिवारी द्वारा विधिवत कराया गया। मुख्य रूप से सुनीता माहौर, जया वनवारी,वंदना कुशवाह,चांदनी भोजवानी, बीना चौहान,पूजा शर्मा,पूनम छतानी, मुस्कान जेसवानी,पिर्यान्शी,रिद्धि, डिंपल,कोमल,मुस्कान, रानो तीथार्णी,वर्षा राजपूत,सोनिया दयालानी,महक,प्रदीप वनवारी, सुनीता,मंजू, मधु ,भारती, तुलसा, जानकी, कोमल, दीपा, केसर देवी ,गुड़िया, सिया कालामहल से कथा में आयी ड्रेस कोड में महिला मंडल द्वारा पंडित गरिमा किशोरी जी का शॉल पहनाकर जोशीला स्वागत किया आदि इस कथा का लाइव प्रसारण गरिमा किशोरी जी यूट्यूब चैनल एवं सोशल मीडिया पर भी किया जा रहा है।

श्रीकृष्ण और राधा के दिव्य प्रेम के अलौकिक रहस्य (राधाष्टमी पर विशेष)

संस्कार उजाला

आगरा । भाद्रपद शुक्ल पक्ष की अष्टमी तिथि को बरसाने में राधा जी का जन्म हुआ था। यह दिन राधाष्टमी के नाम से सम्पूर्ण बृज क्षेत्र में मनाया जाता है। इस साल राधा अष्टमी 23 सितंबर को मनाई जाएगी। राधा जी का जन्म श्रीकृष्ण के साथ सृष्टि में प्रेम भाव मजबूत करने के लिए हुआ था। कुछ लोग मानते हैं कि राधा एक भाव है, जो श्रीकृष्ण के मार्ग पर चलने से प्राप्त होता है। हर वो इंसान जो श्रीकृष्ण के प्रेम में लीन होता है, राधा कहलाता है। जैसे श्रीकृष्ण जन्माष्टमी कृष्ण भक्तों के लिए कृष्ण की भक्ति में डूब जाने का महापर्व है। वैसे ही वृषभान की दुलारी राधारानी का जन्मोत्सव भी महत्वपूर्ण है। राधाष्टमी पर जो भी सच्चे मन से राधा जी की आराधना करता है, उसे जीवन में सभी प्रकार के सुख-साधनों की प्राप्ति होती है। बैदिक सूत्रम के चेयरमैन पंडित प्रमोद गौतम ने बताया की भाद्रपद शुक्ल अष्टमी तिथि 22 सितंबर को दोपहर 01 बजकर 35 मिनट से प्रारंभ होगी और अगले दिन 23 सितंबर को दोपहर 12 बजकर 17 मिनट पर समाप्त होगी। उदिया तिथि के अनुसार राधा अष्टमी का पर्व 23 सितंबर दिन शनिवार को मनाया जाएगा। इस दिन राधा जी की पूजा का शुभ मुहूर्त सुबह 11 बजे से दोपहर डेढ़ बजे तक रहेगा।-

साधन सहकारी समिति की बैठक में अधिक से अधिक सदस्य बनाने पर चर्चा

संस्कार उजाला, अजय कुमार

आगरा। बरौली अहीर ब्लॉक परिसर पर सहकारिता बीपैक्स सदस्यता महाअभियान की बैठक आहुत की गई। बैठक में मुख्य अतिथि के रूप मे प्रदीप भाटी (अध्यक्ष जिला सहकारी बैंक आगरा) ने भाग लिया । आयोजित बैठक को संबोधित करते हुए जिला सहकारी बैंक अध्यक्ष प्रदीप भाटी ने कहा कि सहकारिता भारत का मूल भाव है सहकारिता आंदोलन अपार संभावनाओं से भरा हुआ है और प्रगति के द्वार खोलता है सहकारिता में परस्पर सहयोग से हम सब मिलकर बड़े से बड़ा काम कर सकते हैं सहकारिता पर आधारित ग्रामीण अर्थव्यवस्था के विकास

मॉडल को अपना कर प्रदेश में माननीय प्रधानमंत्री के सहकारी से समृद्धि के सपने को साकार करने हेतु प्रदेश सरकार पूरी तरह से कटिबद्ध है मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के आत्मनिर्भर उत्तर प्रदेश के संकल्प को पूर्ण करने में सहकारिता आंदोलन की महत्वपूर्ण भूमिका है सहकारिता आंदोलन का पुर्व की सरकारों ने दुरुपयोग किया परिणाम स्वरूप अधिकांश सहकारी संस्थाएं कमजोर हो गई थी! उन्होंने ने कहा कि भारत सरकार में प्रथम सहकारिता मंत्रालय के गठन के उपरांत बी पेक्स को बहुआयामी एवं बहुउद्देशीय बनाए जाने हेतु अनेक योजनाएं लाई जा रही हैं जिससे प्रदेश की ग्रामीण जनता को स्थानीय स्तर पर सभी सुविधाएं उपलब्ध होगी जिला सहकारी बैंक अध्यक्ष ने कहा कि केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह के निर्देश पर सभी साधन सहकारी समितियां को कंप्यूटराइजेशन किया जा रहा है पूरे प्रदेश में साधन सहकारी समितियां में 30 सितंबर 2023 तक बी पैक सदस्यता महा अभियान 2023 चलाया जा रहा है हमारे कृषक भाई जो साधन सहकारी समितियां के सदस्य नहीं है उन्हें सदस्य बनाकर उत्तर प्रदेश सरकार की योजनाओं का लाभ दिलाना है कार्यक्रम के दौरान प्रमुख रूप से पदम सिंह आवेश प्रताप मौर्य , रविन्द्र सिंह , उत्तम सिंह काका ब्लॉक प्रमुख बरौली अहीर, अनुपम चौहान के के भारद्वाज गौरव ठाकुर समेत किसान भाई भी मौजूद थे ।

शिक्षक राजेश पाण्डेय बने सपा के जिलाउपाध्यक्ष

संस्कार उजाला

कसया, कुशीनगर । समाजवादी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष नरेश उत्तम के निर्देश पर नगरपालिका परिषद कुशीनगर के वार्ड न. 15 वीर सावरकर नगर (सबया) जनपद कुशीनगर निवासी शिक्षक राजेश कुमार पाण्डेय को समाजवादी पार्टी कुशीनगर के जिला उपाध्यक्ष नामित किये जाने पर जिलाध्यक्ष शुक्ररुल्लाह अंसारी, पूर्व कैबिनेट मंत्री ब्रह्ममाशंकर त्रिपाठी, ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि कसया अमरजीत यादव, प्रियेश त्रिपाठी, अलाउद्दीन अंसारी, एडवोकेट सोहराब अली, मनोज तिवारी, ऐनुल्लाह अंसारी, दाऊद अली सहित सैकड़ो सपा कार्यकर्ताओ व शुभ चिंतको ने बधाई एवं शुभकामनायें दी है।

डीजे हराम है,इसको किया जाए प्रतिबंधित : ई.शाकिरुल्लाह

संस्कार उजाला

कुशीनगर। दारुल उलूम अंजुमन इस्लामिया जामा मस्जिद पडरौना के बैनर तले अंजुमन गर्ल्स स्कूल पडरौना के सभागार में मुस्लिम समाज की आवश्यक बैठक हुई, जिसमें आगामी ईद मिलादुन्नबी की जुलूस सहित सभी अवसरों पर डीजे पर कड़ाई के साथ प्रतिबंध लगाने की पहल की गई ' बैठक को संबोधित करते हुए नाजिम इंजी. शाकिरुल्लाह अंसारी ने कहा की ईद मिलादुन्नबी की जुलूस को डीजे का प्रयोग न करते हुए शांति व आपसी भाईचारगी के साथ निकाले।डीजे शरीयतन हराम हैं, कानूनी रुप से जुर्म हैं और मेडिकल साइंस में इसे जानलेवा करार दिया गया हैं। डीजे का प्रचलन समाज में बहुत तेजी से फैल रहा हैं,इसे हर हाल में रोकने की जरुरत हैं जिसमें सभी का योगदान आवश्यक है। उन्हों ने आगे कहा कि डीजे की तेज आवाज अचानक से बढ़ता हुआ शोर दिल की धड़कन को बिगाड़ सकती है। आदमी एट्रियल फिब्रिलेशन का शिकार हो जाता है. इसकी वजह से किसी इंसान के शरीर में खून के थक्के बनने,स्ट्रोक और हार्ट फेल हो जाने की समस्याएं भी हो सकती हैं। डीजे की तेज आवाज 'सडन हार्ट अटैक' का शिकार बना रहा हैं ' आज के इस परिवेश में इसे प्रतिबंधित करना हितकारी होगा।

ढाबा पर खाना खाते ट्रक ने की चार लोगों की मौत

संस्कार उजाला, तेजवीर सिंह

हापुड़। तेज रफ़्तार ट्रक अनियंत्रित होकर ढाबे में जा घुसा !जहाँ ढाबे में खाना खा रहे चार लोगों की मौके पर ही दर्दनाक मौत,हो गयी और चार लोग बुरी तरह घायलहो गए! घटना के बाद पुलिस ने मौके पर पहुंचकर सभी घायलों को अस्पताल में कराया भर्ती कराया थाना धौलाना क्षेत्र के गांव देहरा के

जुबैदा मैरिज होम के निकट स्तिथ ढाबे का मामला है मृतकों में इटावा व कासगंज के हैं दो व्यक्ति थे आपको बतादें की समाचार लिखे जाने तक अन्य दो की शिनाख्त नहीं हो पाई है ।

घटना थाना धौलाना क्षेत्र के गांव देहरा के पास देर रात की है वही क्षेत्र के आला अधिकारी भी मौके पर मौजूद।

हाटा चीनी मिल परिक्षेत्रः ऑटोमेटिक प्लांटर से गन्ना बुवाई का शुभारंभ

संस्कार उजाला, सचिन शर्मा

कुशीनगर। हाटा गन्ना खेती में मशीनीकरण लेबर लेस फार्मिंग द्वारा अधिक से अधिक गन्ना उत्पादन लेने हेतु ग्राम लालीपार में प्रगतिशील किसान देवेंद्र बरनवाल के प्लाट पर चीनी मिल तथा प्रगमेटिक्स रिसर्च एंड एडवाइजरी सर्विस प्राली नई दिल्ली द्वारा गन्ना बुवाई हेतु केन प्लांटर को तकनीकी रूप से चलने हेतु चीनी मिल द्वारा बनाए गए सभी एटीएसपी के समक्ष आनफिल्ड प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें कृषक के खेत पर जिला गन्ना अधिकारी कुशीनगर दिलीप कुमार सैनी

उपस्थित थे तथा उनके द्वारा भी प्लांटर की तकनीक को समझाया गया तथा उपस्थित किसानों को संबोधित करते हुए कहा कि हम आज भी पश्चिम के कृषकों से 10 साल पीछे हैं तथा हमारे यहां अभी भी पुरानी तकनीक से खेती की जाती है जिससे पैदावार कम प्राप्त होती है। जिला गन्ना अधिकारी दिलीप कुमार सैनी ने कहा कि हाटा समिति में ऐसा ही ऑटोमेटिक कैन प्लांटर आने वाला है इस अवसर पर चीनी मिल के अधिशासी अध्यक्ष करन सिंह ने फीता काटकर शुभारंभ करते हुए चीनी मिल क्षेत्र में पहली बुवाई पर समस्त कृषकों को बधाई दिया तथा कहा की नई प्रजातियों के गन्ना बीज हेतु हर घर गन्ना बीज नर्सरी प्रोग्राम के अंतर्गत गन्ना बीज तैयार कर अपने आवश्यकता अनुसार गन्ना बीज पैदा कर बीज की कमी को पूरा कर सकते हैं। उपाध्यक्ष गन्ना सुरेंद्र उपाध्याय ने कहा कि किसान भाई शरद कालीन गन्ना बुवाई हेतु बीज पेड़ी के प्लांटो की अपेक्षा शरदकाल में बोए गए गन्ने के प्लाटों से बीज लेकर ही बुवाई करें तथा 4.5 फीट की दूरी पर गन्ने की बुवाई करें। इससे अधिक मात्रा में गन्ने बनेंगे जिससे हमारा उत्पादन बढ़ेगा। डॉक्टर दुष्यंत बादल द्वारा उपस्थित एटीएसपी को बिजनेस प्लान को विस्तार पूर्वक समझाया। इस अवसर पर जेष्ठ गन्ना विकास निरीक्षक अशोक कुमार वर्मा, चीनी मिल के सहायक महाप्रबंधक गन्ना डीडी सिंह तथा प्रैगमेटिक्स रिसर्च एंड एडवाईजरी सर्विस प्रा0लि0नई दिल्ली के अमित कुमार एवं नीरज कुमार, एटीएसपी अरविंद कुमार सिंह द्वारा खेत की बुवाई सम्पन्न की गई। इस दौरान सहायक गन्ना प्रबंधक महेश तिवारी, गया शंकर शर्मा गन्ना प्रबंधक, पद्मनाभ उपाध्याय सुपरवाइजर, मुन्ना तिवारी, महेंद्र सिंह, देवानन्द यादव, नरसिंह सिंह, जुगुल राव, दीपनरायन सिंह, गुड्डू सिंह के साथ सैकड़ों किसान उपस्थित रहे।

झामुमो रिश्वत मामला: सुप्रीम कोर्ट 1998 के फैसले पर पुनर्विचार करेगी

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय की सात सदस्यीय पीठ चर्चित 1993 झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) रिश्वत मामले में शीर्ष अदालत के 1998 के पांच सदस्यीय संविधान पीठ के फैसले पर पुनर्विचार करेगी। मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति ए एस बोपन्ना, न्यायमूर्ति एम एम सुंदरेश, न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की संविधान पीठ ने बुधवार को यह फैसला लिया।

घरेलू विमान यात्रियों की संख्या में पिछले वर्ष की तुलना में 38.27 प्रतिशत की वृद्धि

नई दिल्ली। इस साल के बीते आठ महीनों में देश के घरेलू विमान यात्रियों की संख्या तकरीबन 12 करोड़ हो गयी जो बीते साल की इस अवधि में हवाई यात्रियों की संख्या से 38 प्रतिशत अधिक है। नागर विमानन मंत्रालय ने गुरुवार को यहां बताया कि घरेलू विमानन उद्योग ने 2023 के पहले आठ महीनों के दौरान यात्री यातायात में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की है। नवीनतम डेटा विश्लेषण के अनुसार, जनवरी से अगस्त 2023 तक घरेलू एयरलाइनों द्वारा यात्रियों की संख्या 11 करोड़ 90 लाख 62 हजार तक पहुंच गई, जो कि पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 38.27 प्रतिशत की वृद्धि है।

दिल्ली में स्पेशल 26 फिल्म से प्रेरित अपहरण करने वाला अपराधी गिरफ्तार

नई दिल्ली। चंडीगढ़ पुलिस का उपाधीक्षक (डिप्टी सुपरिटेंडेंट) बनकर वसूली करने वाले जालसाज को दिल्ली अपराध शाखा ने गिरफ्तार किया है। स्पेशल 26 फिल्म से प्रेरित होकर अपराधी ने एक व्यक्ति का अपहरण कर उससे पांच लाख रुपये राशि की वसूली की है। यह घटना तीन साल पहले की है और तब से आरोपी फरार चल रहा था।

ईपीएफओ में जुलाई 18.75 लाख अंशधारक जुड़े

नई दिल्ली। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) ने जुलाई 2023 में 18.75 लाख नए अंशधारक जोड़े हैं जिनमें 3.86 महिला अंशधारक हैं। केंद्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्रालय ने यहां बताया कि इस वर्ष जुलाई में पिछले महीने (जून) की तुलना में 85,932 अधिक अंशधारक जोड़े गये हैं। पिछले तीन महीनों से नये अंशधारकों की वृद्धि जारी है।

जुलाई में कर्मचारी राज्य बीमा निगम में 19.88 लाख कर्मचारी शामिल

नई दिल्ली। कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ईएसआईसी) में मौजूदा वर्ष जुलाई में 19.88 लाख नए कर्मचारियों का ईएसआई योजना में नामांकन किया गया है। केंद्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्रालय ने यहां जारी आंकड़ों में बताया कि जुलाई, 2023 में 19.88 लाख नए कर्मचारी जोड़े गए हैं। इसी माह में लगभग 27,870 नए प्रतिष्ठानों का पंजीयन किया गया है और इन्हें कर्मचारी राज्य बीमा निगम की सामाजिक सुरक्षा के आंतर्गत लाया गया है।

एक और स्कूल को बम से उड़ाने की धमकी, ई-मेल में लिखा- बम से उड़ा दूंगा, मौके पर बम निरोधक दस्ता

नई दिल्ली। देश की राजधानी दिल्ली के एक और स्कूल को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। धमकी मिलने के बाद दिल्ली पुलिस और अन्य टीम मौके पर पहुंच गई हैं और जांच की जा रही है। इससे पहले भी कई स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी मिल चुकी है। जानकारी के अनुसार, आरके पुरम स्थित एक स्कूल में धमकी भरा ई-मेला आया है। मेल में स्कूल को बम से उड़ने की धमकी दी गई है। सूचना के बाद दिल्ली पुलिस, बम निरोधक दस्ता, दमकल विभाग की गाड़ियां मौके पर पहुंची।

आर के पुरम सेक्टर 3 लाल बहादुर शास्त्री स्कूल की प्रिंसपल के पास बम रखने की मेल आई। इसके बाद पुलिस को 8:25 की कॉल की गई। सूचना मिलते ही दिल्ली पुलिस, बम निरोधक दस्ता और दमकल की गाड़ियां मौके पर पहुंची। तुरंत स्कूल को खाली कराया गया है। स्कूल की जांच की गई। जांच के बाद सूचना फर्जी मिली।

अमृता पब्लिक स्कूल में बम रखने की मिली थी सूचना

इससे पहले 16 मई को दिल्ली के साकेत के पुष्प विहार स्थित अमृता पब्लिक स्कूल में बम रखे होने की सूचना मिली थी। बम की सूचना ईमेल के जरिए दी गई थी। सूचना मिलते ही पुलिस और अन्य टीम मौके पर पहुंची थी। स्कूल में चेकिंग अभियान शुरू किया गया था। सभी जगह चेकिंग की गई। चेकिंग के दौरान पुलिस को कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली है।

26 अप्रैल को दिल्ली पब्लिक स्कूल को मिली थी धमकी

26 अप्रैल को मथुरा रोड स्थित दिल्ली पब्लिक स्कूल को ई-मेल के जरिए बम की धमकी मिली थी। स्कूल प्रशासन की ओर से 8:10 पर पीसीआर कॉल के जरिए स्कूल में बम होने की जानकारी दी थी। जिसके बाद पुलिस टीम मौके पर पहुंची थी। जांच के बाद संदिग्ध चीज नहीं मिली थी।

12 अप्रैल को मिली थी इंडियन पब्लिक स्कूल को बम से उड़ाने की धमकी

12 अप्रैल को साउथ दिल्ली के डिफेंस कॉलोनी थाना इलाके के सादिक नगर में स्थित इंडियन पब्लिक स्कूल को बम से उड़ाने की मिली थी। धमकी के बाद अफरा-तफरी मच गई थी। स्कूल प्रशासन द्वारा परिजनों के व्हाट्सएप ग्रुप पर मैसेज जारी कर यह बताया गया कि वह तुरंत स्कूल पहुंचकर अपने बच्चों को घर ले जाएं। यह मैसेज मिलते ही स्कूल के बाहर काफी भीड़ जमा हो गई थी। हालांकि जांच के बाद कुछ नहीं मिला था

सुप्रीम कोर्ट लोकसभा, विधानसभाओं में एससी/एसटी को आरक्षण बढ़ाने के सवाल पर विचार करेगा

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने लोकसभा और विधानसभाओं में अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति को अगले 10 सालों तक आरक्षण बढ़ाने का प्रावधान करने वाले संविधान के 104वें संशोधन अधिनियम 2019 की वैधता पर विचार का बुधवार को फैसला किया।

मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति ए एस बोपन्ना, न्यायमूर्ति एम एम सुंदरेश, न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने आरक्षण बढ़ाने के प्रावधान की वैधता को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर विचार करने के लिए 21 नवंबर की तारीख मुकर्रर की है। पीठ ने यह स्पष्ट किया कि वह पहले के संशोधनों के माध्यम से एससी/एसटी आरक्षण के लिए दिए गए पिछले विस्तार की वैधता पर विचार नहीं करेगी। न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली संविधान पीठ ने कहा कि वह इस मुद्दे पर विचार करेगी कि क्या संविधान (104वां संशोधन) अधिनियम 2019 असंवैधानिक है और क्या अनुच्छेद 334 के तहत आरक्षण की अवधि की समाप्ति के लिए निर्धारित अवधि को बढ़ाने के लिए संशोधन की घटक शक्तियों का प्रयोग संवैधानिक रूप से वैध है। यह सवाल संविधान के अनुच्छेद 334 से उत्पन्न हुआ, जिसमें प्रावधान था कि लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में एससी/एसटी और एंग्लो-इंडियन के लिए आरक्षण संविधान के प्रारंभ होने के 10 साल बाद प्रभावी नहीं होगा।

यह सवाल संविधान के अनुच्छेद 334 से उत्पन्न हुआ, जिसमें प्रावधान था कि लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में एससी/एसटी और एंग्लो-इंडियन के लिए आरक्षण संविधान के प्रारंभ होने के 10 साल बाद प्रभावी नहीं होगा।

कर्नाटक को झटका! सर्वोच्च न्यायालय ने कावेरी जल प्राधिकरण के आदेश में हस्तक्षेप से किया इनकार

ग्रेटर नोएडा। सुप्रीम कोर्ट ने कावेरी जल प्रबंधन प्राधिकरण के आदेश में हस्तक्षेप करने से इनकार कर दिया है। दरअसल आदेश के तहत कावेरी जल प्रबंधन प्राधिकरण ने कर्नाटक को आदेश दिया था कि वह तमिलनाडु को 5000 क्युसेक पानी जारी करे। प्राधिकरण ने 18 सितंबर को यह आदेश दिया था और आदेश के तहत कर्नाटक को 28 सितंबर तक तमिलनाडु को पानी देना था।

हालांकि सूखे जैसी स्थिति का सामना कर रहे कर्नाटक ने इस आदेश के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में अपील की थी, जहां से अब कर्नाटक सरकार को झटका लगा है। बता दें कि सुप्रीम कोर्ट ने प्राधिकरण के आदेश में कोई भी हस्तक्षेप से इनकार कर दिया है। साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने प्राधिकरण को हर 15 दिन में बैठक करने का निर्देश दिया है। कावेरी जल विवाद बीते दिनों उस वक्त फिर चर्चा में आ गया, जब तमिलनाडु सरकार ने कर्नाटक से अपने जलाशय के जल में से 24 हजार क्युसेक पानी प्रतिदिन देने की मांग करते हुए सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की थी। वहीं कर्नाटक का कहना है कि इस बार कम बारिश की वजह से राज्य को सूखे जैसी स्थिति का सामना करना पड़ रहा है। इस वजह से कर्नाटक ने पानी छोड़ने में असमर्थता जताई थी।

क्या है कावेरी जल विवाद

कावेरी नदी को 'पोन्नी' कहा जाता है। यह दक्षिण पश्चिम कर्नाटक के पश्चिमी घाट की ब्रह्मगिरी पहाड़ी से निकलती है। यह नदी कर्नाटक से तमिलनाडु राज्यों में होकर पुडुचेरी से होते हुए बंगाल की खाड़ी में गिरती है। कावेरी जल विवाद आजादी से पहले के दो समझौतों 1892 और 1924 के चलते है। इन समझौतों के तहत किसी भी निर्माण परियोजना, जैसे कावेरी नदी पर जलाशय के निर्माण के लिए ऊपरी तटवर्ती राज्य को निचले तटवर्ती राज्य की अनुमति लेना जरूरी है। साल 1974 में कर्नाटक ने तमिलनाडु की सहमति के बिना पानी मोड़ना शुरू कर दिया, जिससे दोनों राज्यों में पानी को लेकर विवाद हो गया। इस मुद्दे को हल करने के लिए साल 1990 में कावेरी जल विवाद न्यायाधिकरण की स्थापना की गई।

निर्वाचन आयोग के मतदाता जागरूकता अभियान में ' चाचा चौधरी और साबू' भी

नई दिल्ली। निर्वाचन आयोग ने मतदाताओं, खास कर युवा मतदाताओं को जागरूक करने और मतदान प्रक्रिया में भाग लेने के लिए प्रेरित करने के अपने अभियान में कॉमिक बुक 'चाचा चौधरी और चुनावी दंगल' को शामिल किया है।

चाचा चौधरी कॉमिक्स की अपार लोकप्रियता को देखते हुए, एक अनूठी पहल 'चाचा चौधरी और चुनावी दंगल' नामक एक कॉमिक बुक का विमोचन बुधवार को मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) राजीव कुमार और चुनाव आयुक्त अनूप चंद्र पांडे तथा अरुण गोयल द्वारा निर्वाचन सदन में किया गया।

श्री कुमार ने कहा कि कॉमिक बच्चों को चुनाव प्रक्रिया की कल्पना करने में मदद करेगा और यह पुरानी पीढ़ी को अपने पहले के दिनों को फिर से ताजा करने में भी मदद करेगा।

आयोग की एक विज्ञप्ति के अनुसार कॉमिक बुक ईसीआई और प्राण कॉमिक्स की एक संयुक्त पहल है जिसे युवाओं को लोकतंत्र के त्योहार में अपना नामांकन करने और भाग लेने के लिए प्रेरित करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। इसमें प्रसिद्ध कार्टूनिस्ट स्वर्गीय प्राण कुमार शर्मा द्वारा प्रस्तुत प्रतिष्ठित कार्टून पात्रों चाचा चौधरी, साबू, बिल्लू को दिखाया गया है।

आयोग ने कहा है कि यह भारत निर्वाचन आयोग और प्राण कॉमिक्स की साझा पहल है। सीईसी राजीव कुमार ने अनुसार कॉमिक आज के डिजिटल युग में भी विशिष्ट और प्रासंगिक है।

आयोग की विज्ञप्ति में कहा गया,÷चाचा चौधरी और साबू के किरदार सभी पीढ़ियों के पाठकों के दिलों में एक विशेष स्थान रखते हैं, क्योंकि उन्होंने अपने मनोरम संवादों और बातचीत से दर्शकों को मंत्रमुग्ध किया है और गर्मजोशी और पुरानी यादों को ताजा किया है।'' मुख्य निर्वाचन आयुक्त ने कहा कि डिजिटल मीडिया के इस युग में भी आउटरीच माध्यम के रूप में कॉमिक्स प्रासंगिक और विशिष्ट है। ये कॉमिक चरित्र, अपनी सार्वभौमिक अपील और ईमानदारी, दया और करुणा जैसे मूल्यों पर बल देने के साथ चुनाव से संबंधित जानकारी को रचनात्मक रूप से व्यक्त करने के लिए एक आकर्षक मंच प्रदान करते हैं।

उन्होंने कहा कि यह माध्यम, चुनाव आयोग को युवाओं के साथ प्रभावी ढंग से जुड़ने में सक्षम बनाता है, जो कम उम्र से ही सूचित और जिम्मेदार नागरिकता की भावना को बढ़ावा देता है।

चुनाव आयुक्त पांडे ने कहा कि कॉमिक बुक ने नैतिक चुनाव, सहभागी लोकतंत्र, बाहुबल और धन बल जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों को बहुत ही स्पष्ट और पाठक के अनुकूल तरीके से प्रस्तुत करने का प्रयास किया है ताकि बच्चों और वयस्कों को समान रूप से प्रभावित किया जा सके।

चुनाव आयुक्त गोयल ने कहा कि कॉमिक बुक में चुनाव प्रक्रिया के बारे में हास्य के साथ-साथ एक सकारात्मक और रचनात्मक संदेश है और यह युवा और भविष्य के मतदाताओं को चुनाव प्रक्रिया में बढ़ी हुई भागीदारी के लिए प्रेरित करता है।

सांसदों को मिली नारी शक्ति वंदन विधेयक की डिजीटल प्रतियां

नई दिल्ली। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला की पहल पर नये संसद भवन में सदन के कामकाज में कागज का उपयोग कम करने के लिए सांसदों को विधेयकों एवं अन्य संसदीय दस्तावेज डिजीटल प्रारूप में उपलब्ध कराने का फैसला किया है।

लोकसभा सचिवालय के सूत्रों के अनुसार श्री बिरला ने नयी संसद के निर्माण शुरू होने के समय ही डिजीटल कामकाज को बढ़ावा देने के लिए नवीनतम सूचना प्रौद्योगिकी उपकरणों के उपयोग को प्रोत्साहित करने के लिए कई कदम उठाए।

सूत्रों के अनुसार संसदीय दस्तावेज सदस्यों के पोर्टल पर अपलोड किए जाते हैं और पिछले तीन वर्षों में सदस्य आसानी से इन्हें डाउनलोड करके इनका उपयोग कर रहे हैं। बल्कि संसद सदस्यों ने डिजीटल तकनीक की मदद से विधेयकों और अन्य संबंधित दस्तावेजों की जांच और अध्ययन के बाद कई महत्वपूर्ण कानून पारित किए हैं।

सूत्रों ने कहा कि पोर्टल का उपयोग करना बहुत आसान है और इसके प्रभावी उपयोग के लिए सदस्यों और उनके निजी कर्मचारियों को समय-समय पर प्रशिक्षण दिया जाता है। सितंबर-2020 से ही इस सुविधा का उपयोग किया जा रहा है और यह पहल पर्यावरण-अनुकूल और पेपरलेस कार्यस्थल को बढ़ावा देने की संसद की प्रतिबद्धता के अनुरूप है। फिर भी, जब कभी सचिवालय के समक्ष सदस्यों द्वारा कोई मांग रखी जाती है तो उन सदस्यों को संसदीय दस्तावेजों और विधेयकों की काग़ज़ी प्रतियां भी उपलब्ध कराई जाती हैं।

सूत्रों ने बताया कि वर्ष 2020 से सुस्थापित प्रथा को ध्यान में रखते हुए, संविधान (128वां संशोधन) विधेयक (नारी शक्ति वंदन विधेयक 2023) की डिजिटल कॉपी सदस्यों के पोर्टल पर पहले ही अपलोड कर दी गई थी। इसके अलावा, संसद के नए भवन में, इस विधेयक को लोकसभा कक्ष में प्रत्येक सदस्य के लिए उपलब्ध कराए गए आधुनिक डेस्कटॉप डिजीटल मल्टी-मीडिया यूनिट पर भी अपलोड किया गया था। इस प्रकार सभी सदस्यों के लिए संवैधानिक संशोधन विधेयक उपलब्ध था जो उनके डेस्कटॉप उपकरणों पर अपलोड किया गया था। इसके अलावा, जब भी मांग की गई, उन सदस्यों को काग़ज़ी प्रतियां भी उपलब्ध कराई गईं।

सम्मिट इंडिया का अंतरराष्ट्रीय अभियान

नई दिल्ली। भारत की अध्यक्षता में जी20 का सदस्य बने अफ्रीकी संघ के देशों में भारत को लेकर किस तरह का उत्साह और सोच बनी है इसका एक नज़ारा इस साल के अंत में सम्मिट इंडिया के अंतरराष्ट्रीय अभियान के तहत अफ्रीकी महाद्वीप के केन्या में मैराथन दौड़ का आयोजन में देखने को मिलेगा। इसके साथ ही केन्या सरकार के सहयोग से भारत वंशी अफ्रीकन जनों कें लिये अयोध्या की तरह एक भव्य राम मंदिर बनाने की पहल की जा रही है।

सम्मिट इंडिया के अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष एवं भाजपा के पूर्व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्याम जाजू ने केन्या चैप्टर का अध्य्क्ष डॉ स्वरूप रंजन मिश्रा को नियुक्त किया है जो वहां के संसद सदस्य है और सत्तारूढ़ पार्टी के राष्ट्रीय संगठक भी है।

सम्मिट इंडिया का ब्रांड भारत और वसुधैव कुटुंकम्ब के महाअभियान के दिशा में वियतनाम में अंतर्राष्ट्रीय व्यापारिक एवं सांस्कृतिक संवाद की शुरुआत भी इस वर्ष दिसम्बर में एक महासम्मेलन की ज़रिये शुरू किया जाएगा। इसके लिए वियतनाम चैप्टर का अध्यक्ष जय प्रकाश मिश्रा नियुक्त किया गया है।

सम्मिट इंडिया के महासचिव महेश वर्मा ने आज यहाँ यह जानकारी देते हुए बताया कि ब्रांड भारत आज जिस कदर अफ्रीका में सर चढ़कर बोल रहा है और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की लोकप्रियता के बीच केन्या में राम मंदिर का निर्माण करने से जाहिर होता है। इससे भारत के विश्व बंधुतत्व को भी बल मिलेगा। इसके लिये एक प्रतिनिधि मंडल जल्द ही श्री जाजू के नेतृत्व में केन्या जाएगा। जिसमें उत्तर प्रदेश चैप्टर के प्रमुख पूरण डावर सहित 10 लोग को शामिल किया गया है। श्री श्री रविशंकर और श्री राम जन्म भूमि न्यास समिति के सदस्य भी इसमें होंगे। इसी प्रकार से वहाँ विश्व के नंबर वन धावको के साथ मैराथन के जरिये मंदिर निर्माण से पूरे अफ्रीका महाद्वीप के देशों को जोड़ा जाएगा। इसके लिए डॉ मिश्रा की बड़ी भूमिका होगी।श्री वर्मा ने बताया कि डॉ मिश्रा का जन आरोग्य संस्थान पूरे अफ्रीकावासियो को सेवा देता है ऐसे में उनके हाथ इसका बागडोर देना उचित प्रतीत हुआ और सम्मिट इंडिया के केंद्रीय संगठन ने इस पर अपनी सहमति की मुहर लगाई है। वियतनाम में वहां के चैम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के पूर्व अध्यक्ष रहे भारतीय मूल के श्री जय प्रकाश का अनुभव भारत के साथ वियतनाम की व्यापारिक और सांस्कृतिक साझेदारी को सांझा करने की एक बड़ी पहल दिसम्बर में होगी।

भारत और अमेरिकी सेना हिन्द प्रशांत क्षेत्र के सेना प्रमुखों के सम्मेलन की मेजबानी करेंगी

नई दिल्ली। भारतीय और अमेरिकी सेना अगले सप्ताह सोमवार से यहां हिन्द प्रशांत क्षेत्र के सेना प्रमुखों के 13 वें सम्मेलन की मेजबानी करेंगी जिसमें 35 देशों के 150 प्रतिनिधियों के हिस्सा लेने की संभावना है। सेना उप प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल एम वी सुचिन्द्र कुमार ने बुधवार को यहां मानेकशॉ सेंटर में एक संवाददाता सम्मेलन में बताया कि इस सम्मेलन का थीम' शांति के लिए एकजुट:हिन्द प्रशांत क्षेत्र में शांति और स्थिरता' है। सम्मेलन के दौरान हिन्द प्रशांत क्षेत्र के देशों के सेना प्रमुख और वरिष्ठ अधिकारी सुरक्षा तथा अन्य प्रसांगिक विषयों पर विचारों का आदान प्रदान करेंगे। सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य हिन्द प्रशांत क्षेत्र में परस्पर समझ, संवाद और मैत्री के माध्यम से शांति तथा स्थिरता को बढावा देना है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और प्रमुख रक्षा अध्यक्ष जनरल अनिल चौहान भी उद्घाटन समारोह में हिस्सा लेंगे। सम्मेलन का आयोजन मानेकशॉ सेंटर में किया जायेगा और इसके विभिन्न सत्रों में करीब 150 प्रतिनिधि हिस्सा लेंगे। सम्मेलन की शुरूआत सेना प्रमुख जनरल मनोज पांडे और अमेरिकी सेना के उप प्रमुख जनरल रेंडी जॉर्ज के संयुक्त संवाददाता सम्मेलन से होगी।

कनाडा संग रिश्ते हो रहे और तल्ख, भारत ने अपने नागरिकों के लिए जारी किया परामर्श

नई दिल्ली। सरकार ने कनाडा में बढ़ती भारत विरोधी गतिविधियों, राजनीति प्रेरित घृणा अपराधों और आपराधिक हिंसा को देखते हुए वहां रह रहे सभी भारतीय नागरिकों और वहां यात्रा पर जाने के इच्छुक लोगों से अत्यधिक सावधानी बरतने और भारतीय मिशनों के सतत संपर्क में रहने का आग्रह किया है। विदेश मंत्रालय ने आज यहां एक यात्रा परामर्श जारी करके यह आग्रह किया है। कनाडा में हाल ही में विशेष रूप से उन भारतीय राजनयिकों और भारतीय समुदाय के उन वर्गों को धमकाने का काम किया गया है जो भारत विरोधी एजेंडे का विरोध करते हैं।

परामर्श में कहा गया है, इसलिए भारतीय नागरिकों को सलाह दी जाती है कि वे कनाडा के उन क्षेत्रों और संभावित स्थानों की यात्रा करने से बचें जहां ऐसी घटनाएं हुई हैं।

वृहद भारत फेडरेशन बनाने के लिए मगध फाउंडेशन सरकार को देगी प्रस्ताव : त्रिपाठी

नई दिल्ली। मगध फाउंडेशन की प्रस्तावित कोर कमेटी की बैठक के आयोजन के संदर्भ में मंगलवार को यहाँ प्रेस क्लब में मीडियाकर्मियों के साथ एक सम्मेलन आयोजित किया गया।

मीडिया सम्मलेन में मीडियाकर्मियों को संबोधित करते हुए मगध फाउंडेशन के संस्थापक अध्यक्ष के एन त्रिपाठी ने कहा कि मगध फाउंडेशन 250 ई0 पूर्व मगध साम्राज्य से अलग हुए देशों जो कि भारत के करीबी रिश्ते वाले देश हैं , उनके साथ मिलकर एक ग्रेटर इंडिया फेडरेशन (वृहद् भारत संघ) बनाने का प्रस्ताव भारत सरकार को सौंपेंगी।

श्री त्रिपाठी ने कहा कि भविष्य में ग्रेटर इंडिया फेडरेशन के लिए एक एकीकृत सैन्य बल बनाने की भी योजना बनाई जाए। ग्रेटर इंडिया फेडरेशन की योजना सीमाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने और प्राकृतिक आपदाओं से निपटने पर भी केंद्रित है ताकि महासंघ के मित्र देशों जैसे कि अफगानिस्तान, पाकिस्तान, नेपाल, भूटान, बांग्लादेश, म्यांमार (बर्मा) और श्रीलंका जैसे पड़ोसी देशों की मदद की जा सके। यह देश भारत के साथ सांस्कृतिक और राजनीतिक संबंध साझा करते हैं। हमारा लक्ष्य है कि सीमा सुरक्षा और कल्याण के महत्व को ध्यान में रखते हुए भारत सरकार ग्रेटर इंडिया फेडरेशन के निर्माण की तरफ ध्यान दे।

ज्ञातव्य हो कि मगध फाउंडेशन अपने कार्य को भारत में तेजी से कर कर रही है। देश के

सभी राज्यों से आये हुए संघ के राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति (एनडब्ल्यूसी) के सदस्यों की बैठक 21 सितम्बर 2023 को कॉन्स्टीट्यूशन क्लब नयी दिल्ली में होगी। उस बैठक में ग्रेटर इंडिया फेडरेशन निर्माण के लिए और भारत के प्रजातंत्र को मजबूत करने के लिए संवैधानिक संशोधन करने जैसे प्रमुख विषयों पर चर्चा होगी एवं फैसला लिये जाने के पश्चात इस फैसले को मांग के रूप में भारत के माननीय राष्ट्रपति महोदया को सुपूर्द किया जाएगा।

इस सम्मेलन में केंद्रीय समिति के सदस्य राकेश शंकर शेट्टी, एम जितेंद्र के साथ ही मगध फाउंडेशन के महासचिव डॉ. अजय ओझा, केंद्रीय समिति के सदस्य सी एस दुबे, के डी सिंह, देवाशीष दत्ता, डॉ शूलपाणि सिंह, तमिलनाडू स्टेट हेड वेंकटेश रामराज, राजस्थान स्टेट हेड डॉ. वरूण पुरोहित, कार्यकारिणी समिति के सदस्य परमदेव सिंह और मुमताज अंसारी भी मौजूद रहे।

गौतमबुद्धनगर से सैकड़ों महिलाओं ने नवनिर्मित संसद भवन का किया भ्रमण

संवाददाता

नोएडा। सांसद गौतमबुद्धनगर डा. महेश शर्मा के नेतृत्व में संसदीय क्षेत्र गौतमबुद्धनगर से सैकड़ों महिलाओं को नवनिर्मित संसद भवन का भ्रमण करने का अवसर मिला एवं इस लोकतांत्रिक मंदिर की लोकसभा व राज्यसभा संसद की चर्चा को प्रत्यक्ष रूप से सुनने व देखने का अनुभव प्राप्त हुआ। पूर्ण भ्रमण के पश्चात महिलाओं में एक नई उमंग वे एक नया विश्वास जो कि माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रस्तावित अध्यादेश (नारी शक्ति वंदन अधिनियम) महिला आरक्षण बिल हेतु व इस नई ऐतिहासिक मजबूती को महिलाओं ने तहेदिल से स्वागत कर अभिनन्दन किया। इस अवसर पर महिलाओं ने अपनी खुशी कुछ इस प्रकार जाहिर की, जिसमे खुर्जा विधायक मीनाक्षी सिंह ने माननीय प्रधानमंत्री को इस प्रस्तावित अध्यादेश के लिये नमन किया और विश्वास दिलाया कि भारत की मातृशक्ति का आशीर्वाद एवं स्नेह उनके साथ हमेशा रहेगा। वही आगे श्रीमती नसीम जैदी ने अत्यंत हर्षोल्लास के साथ माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी को इस भव्य नवनिर्मित संसद भवन के लिये आभार प्रकट किया व महिलाओं को एक नई मजबूती के लिये धन्यवाद दिया। दूसरी तरफ नोएडा विधानसभा से रजनी सैनी ने महिला सशक्तिकरण के इस प्रस्ताव का स्वागत कर माननीय प्रधानमंत्री का कोटि-कोटि नमन किया और उसी श्रेणी में रजनी तोमर एवं शारदा चतुर्वेदी ने 140 करोड़ देशवासियों के प्रेरणास्त्रोत यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को नारी वंदन अधिनियम को लाये जाने के लिये

उनका हार्दिक अभिनन्दन किया। इस अवसर पर विधायक खुर्जा मीनाक्षी सिंह, चेयरमैन दादरी गीता पंडित, चेयरमैन गुलावठी, श्रीमती कुसुम सिंघल, गौतमबुद्धनगर महिला मोर्चा अध्यक्ष श्रीमती रजनी तोमर, नोएडा महिला मोर्चा अध्यक्ष श्रीमती शारदा चतुर्वेदी, गिरिजा सिंह, डा. उमा शर्मा, डा. पल्लवी शर्मा, श्रीमती शशि शर्मा, सविता शर्मा, माधवी शर्मा, संगीता मिश्रा, श्रीमती संध्या झा, श्रीमती नीलाक्षी, श्रीमती वनजा यूनिकृष्णनन, डा. रितु वोहरा, डा. सारिका चंद्रा, सुप्रिया त्रिवेदी, सपना आनंद, निष्ठा तिवारी, श्रद्धा तिवारी, सुचिता तिवारी, शिवनी शरद, सरोज दूबे डा. सुमिता मिश्रा, रेनू झा, दीपिका जुआल, रितु दुआ, नीलम गुप्ता, बबीता रानी, पुष्पा भट्ट, सोनिका अत्री, छाया राय, मधु मेहरा, सपना, महक, रेनू पाल, आरती दूबे, मीरा मिश्रा, पूनम सिंह, अंजना त्यागी, वंदना शर्मा, मनोरमा, नीतू गर्ग, देवेन्द्री, उमा देवी, नसीम जैदी, किरन देवी, मीना कुमारी, नीतू कुमारी, पायल, गौरी, अंशु अग्रवाल, नीलम दीक्षित, वर्तिका भारद्वाज, रचना गुप्ता, खुशबू चौहान, उमा देवी, उषा देवी थापा, संगीता तिवारी, दीपाली दीक्षित, गीता, प्रीती भारद्वाज, पारूल बंसल, गीता सोलंकी, माया रावत, रेनू अग्रवाल, उमावती दूबे, स्मित त्रिपाठी, नंदनी सिंह, रजनी सैनी, निधि गर्ग, आरती कोचर, राजेश्वरी त्यागराजन, गीता, रश्मि रानी, रूचिका विश्वास, शिखा शर्मा, कल्पना, परिमित कौर काफी संख्या में महिलायें उपस्थित रही।

संक्षिप्त डायरी

भारतीय किसान यूनियन एकता शक्ति के पदअधिकारियों ने नगर आयुक्त से मुलाकात कर समस्या को अवगत कराया

संवाददाता

गौतमबुद्धनगर। आज का धरना वार्ड 19 में बने कूड़े घर को हटवाने के संबंध में है पूर्व में नगर निगम को अवगत कराया जा चुका था। परन्तु कोई कार्यवाही नहीं हुई थी।और जब स्थानीय पार्षद से कालोनी निवासियों ने शिकायत करने की कोशिश करी की यह से कूड़ा हटाया जाए।कालोनी निवासी और आस पास के लोगो को बीमारी का खतरा है। तो पार्षद का जवाब था की

डीजल नहीं है।कूड़ा नहीं उठाया जा सकता जिस कारण कालोनी निवासियों के आज धरना किया । धरने के पश्चात भारतीय किसान यूनियन एकता शक्ति के पदअधिकारियों ने नगर आयुक्त से मुलाकात कर समस्या को अवगत कराया जिसमें 30 मिनिट के बाद कूड़ें को हटवाया गया। इस मोके पर नीरज शर्मा प्रदेश महासचिव युवा प्रदेश संयोजक नितिन शर्मा ,युवा अध्यक्ष एवं युवा प्रवक्ता मन्नी रीयड युवा अध्यक्ष अक्षित शर्मा ज़िला अध्यक्ष गाज़ियाबाद रामवीर शर्मा जिलाध्यक्ष प्रतिनिधि अतुल प्रधान युवा ज़िला अध्यक्ष नरेश कुमार महिला अध्यक्ष मंजु चौधरी उपाध्यक्ष पूजा जी युवा उपाध्यक्ष यश कुमार ज़िला उपाध्यक्ष आरके सिंह ज़िला महासचिव किशन स्वरूप जिलाध्यक्ष छात्र सभा आकाश पाराशर दर्जनों कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

भारतीय किसान यूनियन मंच व नोएडा के 81 गांवो के किसानों के साथ संवाद किया

गौतमबुद्धनगर। भारतीय किसान यूनियन मंच व नोएडा के 81 गांवो के किसानों के साथ संवाद भाजपा नोएडा महानगर अध्यक्ष मनोज गुप्ता ने शाहपुर गोवरधनपुर गांव में किया। किसानों को भाजपा के पूर्व महानगर अध्यक्ष जगुराज चौहान,बिजेंद्र मुंशी ,एडवोकेट महेंद्र अवाना, ऋषि पाल ने संबोधित किया,भारतीय किसान यूनियन मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुधीर चौहान ने सिलसिलेवार सभी मुद्दों जैसे की आबादी विनिमतिकरण,10 प्रतिशत व वर्ष 1997 से 64.7 अतिरिक्त प्रतिकर , 5 प्रतिशत के मूल प्लॉट, वर्ष 1976 से 1997 के बीच के सभी किसानो को किसान कोटा स्कीम जिसमें सैकड़ो किसानों को अलॉटमेंट लेटर दे दिए गए थे तथा उसके सापेक्ष पैसा भी जमा कराया था जो कि आज तक भी नोएडा प्राधिकरण में ही जमा है। किसान कोटे की स्कीम में कुछ गांव के साथ बहुत सौतेला व्यवहार किया गया है एवं कमर्शियल एक्टिविटी पर सार्थक बातचीत हुई।जो मुद्दे शासन स्तर पर लंबित है उन्हें जल्दी पास करा के वापस मंगाने की के लिए भी कहा गया प्राधिकरण स्तर पर जिन मुद्दों का समाधान किया जा सकता है उन्हें तुरंत करने के लिए कहा गया जिसमें साढे 450 मीटर तक की आबादी का विनयतीकरण, पेरीफेरल रोड के अंदर की गैर पुश्तैनी आबादी व कमर्शियल एक्टिविटी पर बनी कमेटी के साथ ही साथ भूलेख विभाग में 5% के मूल प्लॉटों की पत्रावली तैयार कर उन्हें प्लानिंग डिपार्टमेंट में भेजने पर बात हुई।प्लानिंग डिपार्टमेंट में जो प्लॉट पिछले कई वर्षों से पड़े हुए हैं उन्हें एक नया सेक्टर बनाकर किसानों को तुरंत अलॉटमेंट लेटर देने की पर भी बात हुई। सेक्टर 146 को ला कर प्लॉट देने पर भी वार्ता हुई।भाजपा नोएडा महानगर अध्यक्ष मनोज गुप्ता ने कहा की मेरे संज्ञान में किसानों के सभी समस्याएं हैं मैं भी नोएडा के किसान का ही बेटा हूं और कल माननीय मुख्यमंत्री जी नोएडा ग्रेटर नोएडा आ रही है उनके सामने किसने की सभी समस्याएं रखकर हल करने का पूरा प्रयास किया जायेगा। इस अवसर पर भाकियू मंच के संरक्षक सतीश अवाना, सुरेंद्र प्रधान, सूरज प्रधान, चरण सिंह प्रधान,चमन प्रधान, रामे प्रधान, प्रमोद त्यागी,विक्रम यादव वरिष्ठ उपाध्यक्ष, गौतम लोहिया राष्ट्रीय महासचिव,आशीष चौहान राष्ट्रीय अध्यक्ष युवा मोर्चा, मास्टर वीर सिंह संगठन मंत्री,रिंकू यादव राष्ट्रीय महासचिव युवा मोर्चा, अशोक चौहान राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी,विमल त्यागी, विक्रम यादव, सत्येंद्र गुर्जर सोनू चौहान,रोहित, कोषाध्यक्ष राजवीर चौहान , तरुण भाटी, प्रिंस भाटी , प्रमोद भाटी, फिरे , गजेंदर बसौया, फूल कुमार चौहान,राहूल पवार आदि पदाधिकारी व किसान मौजूद रहे।

जीपीए ने आरटीई के दाखिलों लिये बीएसए को दी 7 दिन की चेतावनी

गाजियाबाद पेरेंट्स एसोसिएशन ने आरटीई के दाखिलो को लेकर बीएसए कार्यलय पर किया प्रदर्शन

संवाददाता

गाजियाबाद । गाजियाबाद पेरेंट्स एसोसिएशन ने आज एक बार फिर नेहरू नगर स्थित जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी के कार्यलय पर आरटीई के बच्चों के अभिभावको के साथ पहुँचकर प्रदर्शन किया बीएसए लोनी में मिड डे मील की वजह से 14 बच्चों के बीमार होने के प्रकरण में लोनी में व्यस्त होने के कारण जीपीए ने वित्त अधिकारी मनप्रीत कोर एवम नगर मजिस्ट्रेट को ज्ञापन सौपा जीपीए के अधिकारियों ने बीएसए से फोन पर वार्ता की तो बीएसए ने कहा कि कल आरटीई के दाखिले नही देने वाले स्कूलो के साथ अंतिम और अहम मीटिंग है जिसके माध्यम से सभी बच्चों का दाखिला सुनिश्चित कराया जाएगा अगर कल की मीटिंग के बाद कोई भी स्कूल दाखिला लेने में आनाकानी करेगा तो हम कार्यवाई करने से पीछे नही हटेंगे वही नगर मजिस्ट्रेट शुभांगी शुक्ला ने भी सभी बच्चों के दाखिले कराने के लिये आश्वश्त किया है पिछले 6 महीने से निःशुल्क एवम अनिवार्य बाल शिक्षा अधिकार अधिनियम 2009 (आरटीई) के तहत चयनित बच्चों के दाखिले जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी और प्रशासन के लिये सर दर्द बने हुये है जिले के शास्त्रीनगर के उत्तम स्कूल फॉर गर्ल्स , गाजियाबाद पब्लिक स्कूल , कविनगर का केडीबी पब्लिक स्कूल , साहिबाबाद का दिल्ली पब्लिक स्कूल , विजय नगर का चिल्ड्रन अकैडमी स्कूल , वैशाली का सनवैली इंटरनेशनल पब्लिक स्कूल , गोविंदपुरम का ब्राइट लेंड स्कूल जैसे अनेको गाजियाबाद के बड़े नामी स्कूल अधिकारियो की चेतावनी और नोटिसों को मानने के लिए तैयार ही नही है अधिकारी भी नोटिस और चेतावनी भेजने के अलावा इन स्कूलो पर कार्यवाई की हिम्मत नही दिखा पा रहे है पिछले महीने उत्तर प्रदेश सरकार में समाज कल्याण विभाग के राज्य मंत्री असीम अरुण द्वारा आरटीई के दाखिले नही लेने वाले स्कूलो पर

सख्त कार्यवाई के निर्देश देने का भी असर शिक्षा अधिकारियों पर पड़ता दिखाई नही दे रहा जिसके कारण आरटीई के 5856 चयनित बच्चों की सूची को आये 6 महीने बीत जाने के बाद भी 2500 से ज्यादा बच्चों को निजी स्कूलों द्वारा दाखिला नही दिया गया है स्कूलो द्वारा आरटीई के अधिनियम की धज्जियां उड़ा कर बच्चों के घर स्कूल स्टाफ को भेजकर जाँच कराई जा रही है पेरेंट्स से बोला जा रहा है कि हमारा स्कूल आपके वार्ड में नही है , सीटे फूल हो गई है ,जिला बेसिक शिक्षा कार्यलय से कोई सूची नही आई है अनावश्यक कागजात मांगने जैसे दाखिला नही देने के अनेको बहाने बनाये जा रहे है बच्चों के अभिभावक दाखिले के लियेकभी स्कूल तो कभी अधिकारियों के चक्कर लगा रहे है लेकिन अधिकारी है कि ऐसे स्कूलो पर कार्यवाई करने के लिए तैयार ही नही गाजियाबाद पेरेंट्स एसोसिएशन के सचिव अनिल सिंह और आरटीई प्रभारी धर्मेंद्र यादव ने कहा कि अधिकारियों के उदासीन रवैये से त्रस्त होकर आज हमने जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी को ज्ञापन देकर चेतावनी दी है कि अगर सात दिन के अंदर आरटीई के बच्चों के दाखिले स्कूलो में सुनिश्चित नही कराये जाते तो बड़ा कदम उठाया जाएगा जिसकी समस्त जिम्मेदारी बीएसए और जिला प्रशासन की होगी । इस मौके पर धर्मेंद्र यादव , अनिल सिंह , नरेश कुमार , कौशल ठाकुर , राजू सैफी , विवेक त्यागी चमन पाल , मनीष कुमार , पूजा ,यश रावत , राहुल कुमार एवं महेंद्र सिंह मौजूद रहे।

आपत्तिजनक वीडियो डिलीट करने के नाम पर 14.92 लाख ठगे

नोएडा, । आपत्तिजनक वीडियो डिलीट कराने के नाम पर साइबर जालसाज ने एक व्यक्ति से 14.91 लाख रुपये की ठगी कर ली। सात बार में बैंक खाते में रकम ट्रांसफर कराई गई। आरोपियों ने खुद को पुलिस अधिकारी बताकर और वारंट जारी करने का भय दिखाकर ठगी को अंजाम दिया। इसके बाद ठगों ने पीड़ित का नंबर ब्लॉक कर दिया। साइबर क्राइम थाने में दी शिकायत में ग्रेटर नोएडा वेस्ट के पंचशील ग्रीन दो निवासी व्यक्ति ने बताया कि 25 जनवरी 2023 को उनके व्हाट्सएप नंबर पर वीडियो कॉल आई। इसके बाद शाम को मोबाइल नंबर पर कॉल आई। कॉलर ने खुद को पुलिस अधिकारी बताते हुए कहा कि उसका आपत्तिजनक वीडियो सोशल मीडिया के कई प्लेटफॉर्म पर वायरल होने जा रहा है। यह वीडियो एक युवती द्वारा उपलब्ध कराया गया है। आरोपी ने पीड़ित को इस मामले में वारंट जारी होने का भय दिखाया और जेल जाने और जुमार्ना भरने की धमकी दी। इसके बाद जालसाज ने पीड़ित को सांत्वना देते हुए हेमंत मल्होत्रा नामक व्यक्ति का नंबर दिया। उसने कहा कि यह व्यक्ति उनकी वीडियो को यूट्यूब समेत सोशल मीडिया के अन्य प्लेटफॉर्म से डिलीट करा देगा। इसके बाद हेमंत मल्होत्रा नामक व्यक्ति ने वीडियो डिलीट कराने के नाम पर सात बार में विभिन्न बैंक खातों में 14,91,700 रुपये ट्रांसफर करा लिए। इसके बाद पीड़ित ने इसकी शिकायत बिसरख थाने में दी। जब संबंधित थाने में सुनवाई नहीं हुई तो पीड़ित ने मामले की शिकायत साइबर क्राइम थाने में की। साइबर क्राइम थाने की प्रभारी रीता यादव ने बताया कि इस मामले में केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

लैंगिक समानता पर कार्यशाला आयोजित

ग्रेटर नोएडा, । राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) गौतम बुद्ध विश्विद्यालय ने लैंगिक समानता पर कार्यशाला का आयोजन किया। आमंत्रित वक्ता मीनाक्षी और वनिता ने सभी उपस्थित छात्रों/स्वयं सेवकों का विस्तारपूर्वक प्रशंसनीय मार्गदर्शन किया। कार्यशाला की मुख्य समन्वयक डॉ अल्पा यादव थीं। डॉ जे. पी. मुयाल, डॉ अजय कंसल, डॉ सिद्धारामु, डॉ प्रियंका गोयल, डॉ नवीन कुमार व डॉ विभावरी जी की विशेष उपस्थिति और सहयोग रहा। विश्विद्यालय के कुलपति डॉ आर.के.सिन्हा, कुलसचिव डॉ विश्वास त्रिपाठी, छात्र कल्याण अधिष्ठाता डॉ मनमोहन सिंह ने इस कार्य की भूरी भूरी प्रशंसा की है।

जगत फार्मा ने यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो 2023 में दशार्या आयुर्वेदिक औषधियों द्वारा प्राकृतिक समाधान

गौतमबुद्धनगर। आयुर्वेदिक उद्योग में जाने-माने नामजगत फार्मा ने यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो 2023 में हिस्सा लिया। प्रतिष्ठित कार्यक्रम का आयोजन यूपी सरकार एवं इंडिया एक्सपोजिशन मार्ट लिमिटेड द्वारा 21 सितम्बर से 25 सितम्बर 2023 के बीच ग्रेटर नोएडा में किया गया। जगत फार्मा के संस्थापक डॉ महेन्द्र सिंह बासु और डायरक्टर मंदीप सिंह बासु ने इस शो में हिस्सा लिया और उनकी मौजूदगी इस विश्वस्तरीय मंच से संबंधित अनगणित अवसरों की पुष्टि करता है।यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो 2023 में जगत फार्मा ने अपने विविध आयुर्वेदिक औषधियों को दशार्या तथा नेत्र जांच का आयोजन भी किया। नेत्र जांच के दौरान लोगां की विजन संबंधी समस्याओं को पहचान कर उन्हें उचित सलाह दी गई तथा नियमित नेत्र जांच के बारे में जागरुक बनाया गया।ट्रेड शो के दौरान जगत फार्मा ने अपने आधुनिक आई-केयर प्रोडक्ट्स को प्रस्तुत किया जैसे आईसोटीन आई ड्रॉप, जो आंखों के डिजिटल तनाव, एलर्जी आदि से राहत देती है; आईसोटीन प्लस जो पास की कमजोर नजर होने और अपरिपक्त कैटेरेक्ट के मामले में कारगर है; आईसोटीन गोल्ड डायबेटिक रेटिनोपेथी एवं मैक्युलर डीजनरेशन के लिए तथा आंखों में ड्रायनैस के लिए आईसो अमृत कैप्स्यूल और आईसो अमृत आई ड्रॉप। उपभोक्ताओं की जरूरतों को पूरा करने एवं इनोवेशन के लिए

प्रतिबद्धता के साथ जगत फार्मा ने यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो 2023 में दो नए प्रोडक्ट्स का भी अनावरण किया। ये प्रोडक्ट्स हैं- कुकम्बर आई वाइप्स जो आंखों की देखभाल का वादा करते हैं और आईसो पेन रिलीफ स्ट्रॉन्ग ऑयल, जो जोड़ों के विभिन्न प्रकार के दर्द में तुरंत राहत देता है। नए प्रोडट्स के लॉन्च पर खुशी जाहिर करते हुए जगत फार्मा के संस्थापक डॉ महेन्द्र सिंह बासु ने कहा, जगत फार्मा में हम आधुनिक आयुर्वेदिक हेल्थकेयर औषधियों के माध्यम से अपने उपभोक्ताओं के जीवन में सुधार लाना चाहते हैं। हमारे नए आईसोटीन कुकम्बर आई वाइप्स औरआईसो पेन रिलीफ स्ट्रॉन्ग ऑयल लोगों की जरूरतों को पूरा करने और उनके जीवन पर सकारात्मक प्रभाव डालने के लिए डिजाइन किए गए हैं। जगत फार्मा के डायरेक्टर डॉ मंदीप सिंह बासु ने नए प्रोडक्ट्स पर अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा, ह्यह्ययूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो ने हमें अपने प्रोडक्ट्स को बड़ी संख्या में उपभोक्ताओं तक पहुंचाने के लिए एक मंच उपलब्ध कराया है। हमारा मानना है कि आईसोटीन कुकम्बर आई वाइप्स और आईसो पेन रिलीफ स्ट्रॉन्ग ऑयल वैलनैस सेगमेन्ट में नए आयाम स्थापित करेंगे।

नोएडा में मेट्रो ट्रेन के आगे कूदी युवती, एक हाथ कटा

नोएडा, । नोएडा में एक युवती ने मेट्रो ट्रेन के आगे कूदकर आत्महत्या करने का प्रयास किया। घटना नोएडा के सिटी सेंटर मेट्रो स्टेशन में मंगलवार सुबह करीब साढ़े नौ बजे की है। इस घटना में युवती का एक हाथ कट गया। उसे सेक्टर-39 स्थित जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां से उसे दिल्ली के एक हायर सेंटर में रेफर किया गया है। डॉक्टरों का कहना है कि उसकी हालत गंभीर बनी हुई है। पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक, सुबह करीब साढ़े नौ बजे के आसपास जानकारी मिली कि एक युवती सिटी सेंटर से दिल्ली जाने वाली लाइन पर मेट्रो के आगे कूद गई है। युवती की पहचान अनीता (19) के रूप में हुई है। युवती बरौला की रहने वाली बताई जा रही है। युवती के पास से मिले सामान की तलाशी ली गई है जिसमें सुसाइड नोट नहीं मिला है। युवती के पिता परमानंद प्राइवेट जॉब करते हैं। युवती सिटी सेंटर से दिल्ली जाने वाली लाइन पर कूदी। जानकारी मिलते ही सीआईएसएफ के जवानों ने युवती को ट्रैक से हटाया। लोकल पुलिस को सूचना दी और युवती को जिला अस्पताल ले जाया गया। इस दौरान ट्रेन से टकराने की वजह से युवती का एक हाथ कट गया। इसके बाद मेट्रो स्टेशन पर हड़कंप मच गया। करीब 10 से 15 मिनट तक मेट्रो सेवा बाधित रही। एसीपी रजनीश वर्मा ने बताया कि युवती ने सुसाइड करने का प्रयास किया या फिर किसी ने उसे धकेला, सीसीटीवी फुटेज की जांच के बाद ये स्पष्ट होगा। ये भी देखा जा रहा है कि वो किसी के साथ स्टेशन आई थी या फिर अकेले। इसकी जांच की जा रही है। उसके मोबाइल फोन की सीडीआर भी देखी जाएगी।

वर्ल्ड हेयर एंड मेकअप चैम्पियनशिप में अवॉर्ड जीतने वाली पहली मेकअप आर्टिस्ट भारतीय बनी गीता खेरा

संवाददाता

दिल्ली: दुबई में आयोजित कार्यक्रम में भारत से गीता खेरा ने दो इंटरनेशनल अवॉर्ड और सर्टिफिकेट लेकर भारत का नाम रोशन किया, इंडिया हेयर एंड ब्यूटी अवॉर्ड ने दुबई में किया शो का आगाज, वर्ल्ड हेयर एंड मेकअप चैम्पियनशिप 2023 में अवॉर्ड जीतकर ₹हमारे सपने ट्रस्ट ₹ की राष्ट्रीय अध्यक्षा गीता खेरा दिल्ली,इंडिया ने रचा इतिहास, वर्ल्ड हेयर एंड मेकअप चैम्पियनशिप में अवॉर्ड जीतने वाली पहली मेकअप आर्टिस्ट भारतीय बनी, उन्होंने वर्ल्ड हेयर एंड मेकअप चैम्पियनशिप 2023 में ये गौरवमयी अवॉर्ड अपने नाम कर लिया है। गीता खेरा ने ये अवार्ड अपनी मेहनत से अपने नाम किया, सम्पूर्ण इंटरनेशनल शो में उनके मेकअप की बहुत सराहना हुई।

साथ ही साथ उनकी संस्था ₹हमारे सपने ट्रस्ट ₹ के द्वारा किए जा रहे सामाजिक सेवा के कार्यों के लिए भी उन्हें अतरिक्त अवॉर्ड देकर सम्मानित किया गया। ₹गीता कहती है कि एक ही कार्यक्रम में दो अवॉर्ड इकट्ठे मिलने की खुशी ही कुछ अलग होती है गीता ने बताया कि किस तरह से उनकी संस्था जरूरतमंद लोगों के लिए मदद करती है जिन बच्चो के माता पिता अपने बच्चों को शिक्षा सामग्री उपलब्ध नहीं करा पाते उन्हें संस्था हर जरूरी शिक्षा सामग्री प्रदान करती आई है, जैसे की पुस्तकें, नोटबुक और अन्य स्टेशनरी की वस्तुएं आदि, एवं शिक्षा,स्वास्थ्य और स्किल के क्षेत्र में हमारे सपने

ट्रस्ट भरपूर कोशिश करती है कि हर जरूरतमंद को वो मदद पहुंचा पाए, गरीब असहाय लड़कियों को मुफ्त ब्यूटीशियन कोर्स सिखाती है ताकि वो अपने पांव पर खड़ी हो सके और जीवन के हर मोड़ पर काबिल बन सके। इस कार्यक्रम में दुनिया के कोने-कोने से आए मेकअप आर्टिस्ट इंटरनेशनल अवॉर्ड से सम्मानित किए गए।

दुबई, बांग्लादेश, अफगानिस्तान जैसे अन्य देश से भी कलाकारों ने इस प्रतिस्पर्धा में भाग लिया, ऐसे अंतरराष्ट्रीय प्लेटफार्म पर आर्टिस्ट को एक नई पहचान मिली, जिसमे (क्लइअ) आईएचबीए ने सभी मेकअप आर्टिस्ट को एक नई पहचान दी ओर दुबई में भारत का परचम लहराया। ब्यूटी इंडस्ट्री का नाम मेकअप आर्टिस्ट ने किया भारत के नाम। गीता खेरा के साथ वहां भारत से बहुत से मेकअप आर्टिस्ट शामिल हुए, जिनमे मनप्रीत कौर, सुषमा वर्मा, पिन्की माथै नेहा, चंदा शर्मा, मनीष, डॉ मो.असलम, हेमा सिंह, फारूक, सुनीता राणा, कंचन बाला, अंजलि आदि थे, जिसमे क्रिएटिव मेकअप आर्टिस्ट इंटरनेशनल सर्टिफिकेट ईन दुबई से सभी को सम्मानित किया गया।

मणिपुर : ग्रेनेड, मशीन गन और राइफल...थौबल में कई हथियार बरामद

थौबल। असम राइफल्स ने हिंसा प्रभावित मणिपुर के थौबल जिले में हाओखोंग की तलहटी से हथगोले और एक कार्बाइन मशीन गन सहित जंगी सामान और अत्याधुनिक हथियार बरामद किए हैं। 19 सितंबर को एक 9 मिमी कार्बाइन मशीन गन, एक सिंगल बैरल राइफल, तीन हथगोले और युद्ध सामग्री बरामद की गई। क्षेत्र में आतंकवादी भंडारों की मौजूदगी की खुफिया जानकारी मिलने के बाद सर्च ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी) के सहयोग से यह ऑपरेशन चलाया गया। यह तब हुआ जब मणिपुर में हिंसा की छिटपुट घटनाओं के साथ एक असहज शांति बनी हुई है। 1 सितंबर को, असम राइफल्स ने थौबल जिले में एक संयुक्त अभियान के दौरान हथियार और युद्ध सामग्री बरामद की, जिसमें एक 303 राइफल के साथ एक मैगजीन और दो हथगोले शामिल थे। 3 मई को जातीय हिंसा भड़कने के बाद से 160 से अधिक लोग मारे गए हैं और कई सैकड़ों घायल हुए हैं, जब मेइतेई समुदाय की अनुसूचित जनजाति का दर्जा की मांग के विरोध में राज्य के पहाड़ी जिलों में आदिवासी एकजुटता मार्च आयोजित किया गया था। मणिपुर की आबादी में मैतेई लोगों की संख्या लगभग 53 प्रतिशत है और वे ज्यादातर इम्फाल घाटी में रहते हैं। नागा और कुकी सहित जनजातियाँ 40 प्रतिशत हैं और ज्यादातर पहाड़ी जिलों में रहती हैं।

छात्र की मौत के एक महीने बाद, जाधवपुर विश्वविद्यालय ने सख्त छात्रावास नियम जारी किए

जाधवपुर। जाधवपुर विश्वविद्यालय के मुख्य छात्रावास की दूसरी मंजिल की बालकनी से गिरकर प्रथम वर्ष के एक छात्र की मौत के बाद, विश्वविद्यालय ने छात्रावासों में सख्त नियम और कानून लागू करने का निर्णय लिया। यूनिवर्सिटी के डीन की ओर से एक नोटिस जारी कर हॉस्टल में रहने वालों से रात 10 बजे के बाद हॉस्टल से बाहर न रहने की अपील की गई है. इसमें यह भी कहा गया है कि छात्रावास से अनुपस्थिति की स्थिति में संबंधित छात्रावास अधीक्षक से पूर्व अनुमति ली जानी चाहिए। यह नोटिस जादवपुर विश्वविद्यालय पैनल द्वारा इस बात की पुष्टि करने के कुछ सप्ताह बाद आया कि छात्र की मौत रैगिंग के कारण हुई थी। छात्रावासी किसी भी स्थिति में रात 10 बजे के बाद छात्रावास के बाहर नहीं रहेंगे और मौजूदा विश्वविद्यालय छात्रावास नियमों के अनुसार छात्रावास से अनुपस्थित होने की स्थिति में संबंधित छात्रावास अधीक्षक से पूर्व अनुमति लेनी होगी, जो बोर्डर के समय प्रत्येक बोर्डर को दी गई थी। छात्रावास में प्रवेश नोटिस में कहा गया है। नोटिस में कहा गया कि बोर्डर्स को अपने संबंधित आगंतुकों के साथ आगंतुक कक्ष या टीवी-सह-मनोरंजन कक्ष में रहने की अनुमति है, जहां एक विशिष्ट आगंतुक कक्ष उपलब्ध नहीं है। आगंतुकों को अपना आईडी प्रमाण रखना होगा और पते और मोबाइल नंबर के साथ अपना नाम पंजीकृत करना होगा छात्रावास आगंतुकों के प्रवेश रजिस्टर को सुरक्षा कर्मियों की हिरासत में छात्रावास के प्रवेश द्वार पर रखा गया है।

गैंगस्टर गोल्डी बराड़ से जुड़े अपराधियों को पकड़ने के लिए पंजाब पुलिस ने शुरू किया विशेष अभियान

नई दिल्ली। पंजाब पुलिस ने कुख्यात गैंगस्टर गोल्डी बराड़ से जुड़े अपराधियों को पकड़ने के लिए बृहस्पतिवार को कई जगहों पर छापेमारी शुरू की। आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि विशेष अभियान सुबह करीब सात बजे शुरू हुआ जो अब भी राज्य के सभी जिलों में जारी है। सूत्रों ने बताया कि वरिष्ठ अधिकारियों सहित पुलिस की कई टीम इस अभियान का हिस्सा है। गोल्डी बराड़ गायक सिद्धू मूसेवाला की हत्या का मुख्य आरोपी है। सिद्धू मूसेवाला के नाम से लोकप्रिय शुभदीप सिंह सिद्धू की पिछले साल 29 मई को मानसा जिले में गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। सतींदरजीत सिंह उर्फ गोल्डी बराड़ पंजाब में श्री मुक्तसर साहिब का रहने वाला है और वह 2017 में छात्र वीजा पर कनाडा चला गया था। वह लॉरेंस बिश्नोई गिरोह का सक्रिय सदस्य है।

नोएडा : लहसुन विक्रेता को निर्वस्त्र कर घुमाने के मामले में फरार आरोपियों की तलाश जारी

नईदिल्ली। नोएडा सेक्टर-88 में लहसुन विक्रेता को निर्वस्त्र कर सब्जी मंडी में घुमाने के मामले में दो फरार आरोपियों की तलाश के लिए पुलिसकर्मियों की तीन टीम गठित की गई है। पुलिस ने एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। पुलिस अधिकारी ने बताया कि इस मामले में मुख्य आरोपी सुंदर और भगवानदास को मंगलवार को ही गिरफ्तार किया जा चुका है। फेज-दो के थाना प्रभारी निरीक्षक विंध्याचल तिवारी ने बताया कि आरोपियों ने अपना मोबाइल फोन बंद कर दिया है, लेकिन दोनों की अंतिम लोकेशन दिल्ली में मिली थी। उन्होंने बताया कि फरार आरोपियों के बारे में पता चला है कि वे गाजियाबाद और शाहजहांपुर के रहने वाले हैं। इस संबंध में टीम ने बुधवार को सब्जी मंडी के स्थानीय लोगों से पूछताछ की। पुलिस के मुताबिक, मैनपुरी निवासी सब्जी विक्रेता सेक्टर-88 स्थित मंडी में ठेले पर लहसुन बेचता है। उसने एक महीने पहले सुंदर नामक आढ़ती से 5,600 रुपये का सामान उधार लिया था। सोमवार को उसने आढ़ती सुंदर को 2,500 रुपए दे दिए और बाकी पैसे बाद में देने की बात कही। पूरे पैसे एक बार में नहीं मिलने से नाराज सुंदर ने अपने मुनीम और दो मजदूरों को बुलाया और चारों ने मिलकर लहसुन विक्रेता को दुकान में बंद कर दिया तथा डंडों से उसकी पिटाई की और गाली गलौज कर जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने बताया कि इतना ही नहीं आरोपियों ने लहसुन विक्रेता को निर्वस्त्र कर सब्जी मंडी में घुमाया भी। इस घटना का वीडियो मंगलवार को सोशल मीडिया पर सामने आने के बाद देर शाम पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।

दिल्ली में न्यूनतम तापमान 27.3 डिग्री सेल्सियस, आर्द्रता का स्तर 80 प्रतिशत

नई दिल्ली। दिल्ली में बृहस्पतिवार को न्यूनतम तापमान 27.3 डिग्री सेल्सियस रहा, जो सामान्य से दो डिग्री अधिक है। मौसम कार्यालय ने यह जानकारी दी। मौसम कार्यालय ने कहा कि अधिकतम तापमान 36 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने का अनुमान है। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने अपने बुलेटिन में बताया कि दिन में बादल छाए रहने का अनुमान है और सुबह साढ़े आठ बजे आर्द्रता का स्तर 80 प्रतिशत रहा। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के आंकड़ों के अनुसार सुबह नौ बजे समग्र वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 110 रहा, जो 'संतोषजनक' श्रेणी में आता है। शून्य से 50 के बीच एक्यूआई को 'अच्छा', 51 से 100 के बीच 'संतोषजनक', 101 से 200 के बीच 'मध्यम', 201 से 300 के बीच 'खराब', 301 से 400 के बीच 'बहुत खराब' और 401 से 500 के बीच 'गंभीर' माना जाता है।

पांच साल की बच्ची से बलात्कार के आरोप में पड़ोसी गिरफ्तार

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश के महराजगंज जिले के फरेंदा इलाके में पांच साल की बच्ची से बलात्कार के आरोप में उसके पड़ोसी को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। पुलिस उपाधीक्षक अनुज कुमार सिंह ने बताया कि बुधवार को पांच साल की बच्ची अपने घर के बाहर खेल रही थी, तभी उसका पड़ोसी मोहित (20) उसे किसी बहाने से अपने घर ले गया और कथित तौर पर उसके साथ बलात्कार किया।

'बिना सोचे-समझे घोषणाएं कर रहे हैं सीएम शिवराज',

मध्य प्रदेश में हर तरफ व्याप्त है भ्रष्टाचार: कमलनाथ

भोपाल (एजेंसी)। मध्य प्रदेश चुनाव को लेकर राजनीति लगातार जारी है। इन सब के बीच राज्य कांग्रेस प्रमुख कमलनाथ ने गुरुवार को दावा किया कि लोग मध्य प्रदेश में आगामी विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी सरकार को हटाने के लिए उत्सुक हैं। उन्होंने संवाददाताओं से कहा, मध्य प्रदेश में भ्रष्टाचार व्याप्त है और हर दिन एक नया घोटाला सामने आता है। उन्होंने दावा किया कि प्रदेश का हर व्यक्ति या तो भ्रष्टाचार का गवाह है या फिर पीड़ित। उन्होंने मुख्यमंत्री पर तंज कसते हुए कहा कि शिवराज सिंह चौहान के बारे में मैं क्या कह सकता हूं? अब बीजेपी को खुद ये कहने में शर्म आ रही है कि वो उनके मुख्यमंत्री हैं।

इससे पहले कमलनाथ ने ट्वीट कर कहा कि शिवराज सरकार के भ्रष्टाचार ने मध्य प्रदेश के नौजवानों का वर्तमान और भविष्य दोनों छीन लिए हैं। पहले तो शिवराज सरकार ने नर्सिंग कॉलेज में मान्यता देने, फैकल्टी की नियुक्ति करने, एडमिशन करने और डिग्री देने में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार किया और अब न्याय की मांग कर रहे छात्रों पर अत्याचार कर रही है। मैं शिवराज जी से पूछना चाहता हूं कि सजा फरियादी को मिलनी चाहिए या अपराधी को? असली अपराधी तो आप हैं। आप जिन छात्रों पर वाटर कैनन चला रहे हैं, वह तो पीड़ित हैं। आपने फर्जी कॉलेजों को मान्यता दी और उससे नर्सिंग घोटाला हुआ। 3 साल से परीक्षाएं न होने से छात्र परेशान हो रहे हैं और अपने भविष्य के लिए संघर्ष कर रहे हैं। मध्य प्रदेश के छात्र आपसे पूछ रहे हैं कि आपको इस अपराध के लिए क्या दंड दिया जाए?

नाथ ने दावा किया कि चौहान साल के अंत में होने वाले राज्य चुनावों से पहले नौटंकी कर रहे हैं और बिना सोचे-समझे घोषणाएं कर रहे हैं जैसे कि उन्हें लगता है कि वह अगले पांच साल के लिए मुख्यमंत्री रहेंगे। नाथ ने कहा कि एक करोड़ युवा बेरोजगार हैं। यह सबसे बड़ी चुनौती है, जिस पर ध्यान देने की जरूरत है। कांग्रेस नियमित रूप से भारतीय जनता पार्टी सरकार पर भ्रष्टाचार और राज्य में '50 प्रतिशत कमीशन राज' के अस्तित्व के आरोपों के साथ हमला करती रही है।

चीन पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा, सीना चौड़ा कर हम संसद में चर्चा के लिए तैयार

नई दिल्ली। चीन के साथ सीमा पर तनाव के बीच रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने लोकसभा में बड़ा बयान दिया है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कांग्रेस सांसद अधीर रंजन चौधरी के सवाल के सवाब में कहा कि पूरी हिम्मत है...चीन पे भी..मैं चर्चा करने के लिए तैयार हूं और सीना चौड़ा करके चर्चा करने के लिए तैयार हूं। अधीर रंजन चौधरी ने पूछा था कि क्या उनमें लोकसभा में चीन मुद्दे पर चर्चा करने का साहस है। दरअसल, लोकसभा में चंद्रयान 3 को लेकर चर्चा हो रही थी। इसकी दौरान यह सब हुआ। रक्षा मंत्री ने कहा कि किसी राष्ट्र की अस्मिता को अक्षुण्ण रखने के लिए जिस तरह से वहां की सीमाई सुरक्षा और बाकी अन्य चीजों की सुरक्षा की आवश्यकता होती है, उसी प्रकार उसकी अस्मिता को बनाए रखने के लिए वहां की संस्कृति की सुरक्षा भी उतनी ही आवश्यक होती है। राजनाथ ने कहा कि राष्ट्र के उपयुक्त विकास के लिए अनेक प्रकार की सुरक्षा से अवगत होंगे। आप सभी सीमा सुरक्षा, आर्थिक सुरक्षा, सामाजिक सुरक्षा, खाद्य सुरक्षा, ऊर्जा सुरक्षा, और पर्यावरण सुरक्षा के बारे में अवगत होंगेद्ध अब तो स्पेस और साइबर सुरक्षा जैसे नए-नए आयाम भी इसमें जुड़ गए हैं। उन्होंने कहा कि विश्व का इतिहास आप उठाकर देखिए, तो आप पाएँगे कि कोई भी ऐसा राष्ट्र नहीं है, कोई भी ऐसा समाज नहीं है, जिसने सांस्कृतिक पुनर्जागरण के बिना आर्थिक, सामाजिक, राजनैतिक और वैज्ञानिक प्रगति की हो। जब तक संस्कृति, समाज को जीवंत नहीं करती, उन्नत नहीं करती, उसे एक दिशा नहीं देती, तब तक समाज जड़ बना रहता है।

छत्तीसगढ़ रैली में प्रियंका गांधी का बीजेपी पर वार, बोलीं-

धर्म और जाति के मुद्दों को सामने लाकर लोगों का ध्यान भटकाया जा रहा

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र पर तीखा हमला बोलते हुए कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी ने कहा कि देश की समस्याओं से लोगों का ध्यान भटकाने के लिए धर्म और जाति के मुद्दे उछाले जा रहे हैं। गुरुवार को चुनावी राज्य छत्तीसगढ़ में 'महिला समृद्धि सम्मेलन' को संबोधित करते हुए गांधी ने कहा कि आज राजनीतिक उद्देश्यों के लिए लोगों की भावनाओं का इस्तेमाल किया जा रहा है ताकि धर्म और जाति के मुद्दों को सामने लाकर उनका ध्यान भटकाया जा सके। यह लोगों को अपनी शिकायतें न उठाने देने की एक राजनीतिक साजिश है। कांग्रेस महासचिव गुरुवार को रायपुर पहुंचीं क्योंकि उनकी पार्टी ने राज्य चुनावों से पहले अपनी चुनावी तैयारी तेज कर दी है। उनका स्वागत छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और उनके डिप्टी टीएस सिंह देव ने किया।

भिलाई में एक जनसभा को संबोधित करते हुए प्रियंका गांधी ने कहा, ÷मैंने सुना कि प्रधानमंत्री मोदी धान खरीदी का श्रेय लेते हैं। मैं पूछती हूं कि अगर मोदी सरकार ही छत्तीसगढ़ का धान खरीद रही है तो उत्तर प्रदेश के किसान धान 1200-1400 रुपए में क्यों बेच रहे हैं? वहां तो उनकी ही सरकार है। आवारा पशु से लोग परेशान हैं। अपनी खेती की रखवाली के लिए लोगों को पूरी रात खेत में बैठना पड़ रहा है। हमने यह समस्या छत्तीसगढ़ में हल की है।' उन्होंने कहा कि पंडित जवाहर लाल नेहरू जी ने 1955 में भिलाई में स्टील प्लांट की नींव डाली थी। या कहें तो आधुनिक भारत की नींव यहीं पड़ी थी। भिलाई, देश की उद्यमशीलता और आत्मनिर्भरता के सपने का प्रतीक है। यहां खड़े होकर हर देशवासी को गर्व महसूस होना चाहिए।

कांग्रेस नेता ने कहा कि यहां मंच पर आने से पहले मैंने कुछ महिलाओं से बात की, उनको आत्मनिर्भर देखकर मुझे काफी गर्व हुआ। वह साहस और खुशी से मुस्कुरा रही थीं कि सरकार ने उनके लिए कुछ ऐसा किया, जिसकी वजह से वह अपने पैरों पर खड़ी हैं। कई महिलाओं ने कहा कि वह पहली बार रोजगार कर रही हैं। छत्तीसगढ़ की माताओं-बहनों के एक हाथ में संस्कृति का कलश है, तो दूसरे हाथ में विज्ञान और तकनीक का ब्रह्मास्त्र भी है। सरकार पर हमला करते हुए उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने ल्20 का आयोजन किया, यह अच्छी बात है...लेकिन वे आपको इसका जवाब नहीं दे सकते कि बेरोजगारी, महंगाई क्यों है या किसानों को उनकी फसल के लिए जरूरी रकम क्यों नहीं मिल रही...? छत्तीसगढ़ सरकार राजनीति के पुराने तरीके का पालन कर रही है, लोगों के लिए काम कर रही है, लेकिन केंद्र सरकार गरीबों का अधिकार छीन रही है और अपने अमीर दोस्तों को दे रही है।

सुप्रीम कोर्ट ने कावेरी प्राधिकरण के आदेश में हस्तक्षेप करने से किया इनकार

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को तमिलनाडु को अस्थायी रूप से 5,000 क्यूसेक पानी छोड़ने के कावेरी जल प्रबंधन प्राधिकरण (सीडब्ल्यूएमए) के आदेश में हस्तक्षेप करने से इनकार कर दिया। शीर्ष अदालत ने प्राधिकरण को हर 15 दिन में बैठक करने का आदेश दिया। इससे पहले, कर्नाटक ने इस मुद्दे को लेकर शीर्ष अदालत का दरवाजा खटखटाया था। सुप्रीम कोर्ट ने तमिलनाडु को फिलहाल 5,000 क्यूसेक पानी छोड़ने के कर्नाटक के कावेरी जल प्रबंधन प्राधिकरण (सीडब्ल्यूएमए) के आदेश में हस्तक्षेप करने से इनकार कर दिया। सुप्रीम कोर्ट ने अथॉरिटी को हर 15 दिन में बैठक करने को कहा है।

सुप्रीम कोर्ट में जस्टिस बीआर गवई, पीएस नरसिम्हा और प्रशांत कुमार मिश्रा की पीठ ने तमिलनाडु की एक याचिका पर सुनवाई की, जिसमें कावेरी जल प्रबंधन प्राधिकरण (सीडब्ल्यूएमए) के उस फैसले को चुनौती दी गई है, जिसमें समिति के आदेश को इस आधार पर बरकरार रखा गया था कि वह बारिश की कमी से सूखे जैसी स्थिति का सामना कर रहा है। पीठ ने कहा कि वह तमिलनाडु की याचिका पर विचार करने को इच्छुक नहीं है।

पीठ ने कहा कि सीडब्ल्यूएमए और कावेरी जल नियमन समिति (सीडब्ल्यूआरसी) जैसी विशेषज्ञ संस्थाओं ने सूखे और कम बारिश जैसे सभी प्रासंगिक पहलुओं पर विचार किया और फिर यह आदेश पारित किया। इसलिए पीठ कर्नाटक को 5,000 क्यूसेक पानी छोड़ने का निर्देश देने संबंधी आदेश में दखल नहीं देगी। इससे पहले कर्नाटक में 'सूखे जैसी स्थिति' का हवाला देते हुए मुख्यमंत्री सिद्धरमैया ने बुधवार को कहा था कि राज्य सरकार सीडब्ल्यूएमए के आदेश पर स्थगन का अनुरोध करते हुए उच्चतम न्यायालय का रुख करेगी।

भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष जय पांडा की जान को खतरा! ओडिशा के मंत्री नबा दास जैसा ही हश्र करने की मिली धमकी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बैजयंत जय पांडा को ओडिशा के कैबिनेट मंत्री नबा दास जैसा हश्र करने की धमकी दी गई है। दास की इस साल जनवरी में दिनदहाड़े हत्या कर दी गई थी। कथित तौर पर बीजेपी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष के एक सहायक को एक धमकी भरा कॉल आया था जिसमें 'कॉल करने वाले ने धमकी दी थी कि जय पांडा के साथ भी वही किया जाएगा जो नबा दास के साथ किया गया था।'

जय पांडा के कार्यालय को सूचित किया कि क्या यह वास्तविक धमकी है या एक किशोर शरारत थी, यह निर्धारित करना हमारे लिए संभव नहीं है। चूंकि इस तरह के संदेश को हल्के में नहीं लिया जाना चाहिए, धमकी भरे कॉल के सभी विवरणों के साथ कल दिल्ली पुलिस के पास एक शिकायत दर्ज की गई है जो मामले में जांच कर रही है। आपको बता दें कि वह 15वीं और 16वीं लोकसभा में केंद्रपाड़ा से सांसद थे। वह 2000 से 2009 तक दो बार राज्य सभा के सांसद भी रहे। बीजेडी के टिकट के साथ केंद्रपाड़ा निर्वाचन क्षेत्र से चुने गए, पांडा को 24 जनवरी 2018 को कथित पार्टी विरोधी गतिविधियों के लिए बीजू जनता दल (बीजेडी) पार्टी से निलंबित कर दिया गया था और 28 मई 2018 को बीजेडी से इस्तीफा दे दिया गया था।

पांडा ने आरोप लगाया कि उनके खिलाफ साजिश रची गई है। वह 4 मार्च 2019 को नई दिल्ली में भाजपा में शामिल हुए। 8 मार्च 2019 को, पांडा को भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष और प्रवक्ता के रूप में नियुक्त किया गया। यह नियुक्ति तत्काल प्रभाव से लागू हो गई है और इसे भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अमित शाह ने मंजूरी दे दी है। बैजयंत पांडा का जन्म 12 जनवरी 1964 को कटक में बंसीधर और इला पांडा के घर हुआ था। उनके पास मिशिगन टेक्नोलॉजिकल यूनिवर्सिटी से संचार में इंजीनियरिंग और प्रबंधन की डिग्री है।

राकांपा के मालिकाना हक में फैसला आने से पहले ही चाचा-भतीजे के सुर बदले

-शरद पवार और भतीजे अजित पवार गुट के बड़े नेताओं ने एक होने का दिया संकेत

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र में चाचा भतीजे की जोड़ी कब किस बयान पर राजीतिज्ञों को परेशान कर दे, यह कोई नहीं बता सकता है। अब शरद पवार के भतीजे अजित पवार गुट के बड़े नेताओं ने एक बार यह कह कर चौंका दिया है कि दोनों गुटों में कोई मतभेद नहीं है। कहने को चाचा और भतीजे अब अलग हो चुके हैं लेकिन समय-समय पर एक होने के संकेत मिल रहे हैं। अब जब राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के मालिकाना हक के फैसले की घड़ी नजदीक आ रही है तब फिर से जो राजनीतिक संकेत दोनों गुटों की ओर से दिये जा रहे हैं उससे राजनीतिक प्रेक्षक हैरान हैं। हाल ही में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के शरद पवार और अजित पवार के नेतृत्व वाले दोनों गुटों के वरिष्ठ नेताओं ने कहा है कि पार्टी में कोई विभाजन नहीं है और सभी एकजुट हैं। दोनों गुटों का यह बयान ऐसे समय आया है जब निर्वाचन आयोग ने अजित समूह की ओर से दायर याचिका के बाद छह अक्टूबर को राकांपा के प्रतिद्वंद्वी गुटों को व्यक्तिगत रूप से सुनवाई के लिए बुलाया है।

निर्वाचन आयोग के समक्ष किये गये दावे में अजित पवार के गुट ने कहा कि उन्हें पार्टी का राष्ट्रीय अध्यक्ष चुना गया है। इस मुद्दे पर शरद पवार के नेतृत्व वाली राकांपा की महाराष्ट्र इकाई के प्रमुख जयंत पाटिल ने कहा कि भारत के निर्वाचन आयोग द्वारा हमारे मामले को एक राजनीतिक दल के भीतर विवाद के रूप में मानना अनुचित है, जबकि हमने लगातार कहा है कि पार्टी में कोई विभाजन नहीं है। जयंत पाटिल ने संवाददाताओं से कहा, शरद पवार ने निर्वाचन आयोग को लिखे अपने पत्र में इस तथ्य पर जोर दिया कि उन्हें पार्टी के भीतर कभी किसी विरोध का सामना नहीं करना पड़ा। मतलब इनमें कोई विवाद नहीं है।

गौरतलब है कि जयंत पाटिल ने हाल ही में यह भी कहा था कि अगर पार्टी छोड़ने वाले लोगों का हृदय परिवर्तन हो गया है और वे इसमें लौटना चाहते हैं तो उनके प्रस्तावों को अस्वीकार नहीं करना चाहिए क्योंकि राजनीति में संख्या बल काफी महत्व रखता है। पाटिल ने दावा किया कि पार्टी छोड़ने वाले कुछ लोगों ने उनसे लौटने की इच्छा जतायी है। उन्होंने कहा कि इन लोगों को पाला बदलने को लेकर जन भावनाओं का धीरे-धीरे पता चल रहा है। गौरतलब है कि एक ओर जहां राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के दोनों गुट भारतीय निर्वाचन आयोग के समक्ष अपना-अपना पक्ष रखने की तैयारियों में जुटे हैं वहीं अजित पवार खेमे के नेता और राज्यसभा सांसद प्रफुल्ल पटेल ने राकांपा प्रमुख शरद पवार के साथ नए संसद भवन में खींची गई एक तस्वीर को साझा किया। हालांकि शरद पवार खेमे ने इसे दिग्गज नेता की उदारता करार दिया है।

'पाकिस्तान जैसा हो गया कनाडा', कांग्रेस सांसद का दावा- निज्जर गुरुद्वारों से फंड जुटाकर ट्रूडो की पार्टी को देता था

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और कनाडा के बीच लगातार तनाव बढ़ता जा रहा है। इन सब के बीच कांग्रेस सांसद रवनीत सिंह बिट्टू ने बड़ा बयान दिया है। भारत-कनाडा तनाव के बीच मीडिया से बात करते हुए रवनीत सिंह बिट्टू ने कहा कि मैं इस मामले को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को चिट्ठी लिखी है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि संसद में हमारी प्रधानमंत्री से इस बारे में बातचीत भी हुई है। उन्होंने कहा कि मैं प्रधानमंत्री के समक्ष उन बातों को रखा जिसकी चिंता पंजाब के लोगों को ज्यादा है। पंजाब के लाखों बच्चे वहां पढ़ते हैं या पढ़ने जाने वाले हैं। उन्होंने वहां अपनी फीस जमा कर रखी है। अगर वीजा बंद होती है तो उसे उन पर काफी बड़ा असर पड़ेगा। उन्होंने कहा प्रधानमंत्री ने मुझे भरोसा दिया है इसे हम अच्छी तरीके से देखेंगे।

इसके बाद उन्होंने कनाडा के प्रधानमंत्री और कनाडा पर भी जबरदस्त तरीके से निशाना साधा। कांग्रेस सांसद ने कहा कि यहां किसी पार्टी की बात नहीं है, देश की बात है। उन्होंने जस्टिन ट्रूडो पर निशाना साधते हुए कहा कि उनका जहाज तो वैसे ही खटाड़ा है। उन्होंने दावा किया कि मेरे दादाजी की जिसने हत्या की थी उसका दाहिना हाथ हरदीप सिंह निज्जर था। वह यहां से 1993 में गया और उसे वहां नागरिकता दे दी गई। उन्होंने कहा कि निज्जर एंड कंपनी 10 मोस्ट वांटेड गैंगस्टर्स और ड्रग पेडलर्स में से एक है। बाकी आठ को अभी भी वहां छुपा के रखा गया है। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि जैसे पहले पाकिस्तान हुआ करता था, वैसा कनाडा ने रुप ले लिया है।

कांग्रेस सांसद ने कहा कि निज्जर जैसे जो गैंगस्टर है वह वहां से पंजाब में ड्रग्स भेज रहे हैं और यहां के युवाओं को बर्बाद कर रहे हैं। उन्होंने यह भी दावा किया कि निज्जर एंड कंपनी ने गुरुद्वारों पर कब्जा किया हुआ है। उन्होंने कहा कि इन गुरुद्वारा में जो चढ़ावा चढ़ता है वहां का सारा पैसा ट्रूडो की पार्टी को जाता है। भारत-कनाडा विवाद पर अकाली दल अध्यक्ष और सांसद सुखबीर सिंह बादल ने कहा कि भारत और कनाडा के बीच मौजूदा हालात का असर अब कनाडा में रहने वाले भारतीय मूल के लोगों पर पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि लोगों में दहशत जैसी स्थिति बन रही है। भारत सरकार को जल्द ही कोई समाधान निकालना चाहिए। मैंने गृह मंत्री अमित शाह से यह अनुरोध किया है।

ऐसे करें अपनी सुरक्षा

दिन हो या रात, घर में हो या रास्ते में आज के समय में आपको अपनी सुरक्षा के प्रति सतर्क रहने की आवश्यकता है। चोर और लुटेरों की नजर आप पर, कहीं भी हो सकती है। उन्हें बस मौका मिलने की देर है। फिर वे आपका कीमती सामान और पैसा लेकर गायब हो सकते हैं।

चाहे मंदिर जा रही हों, बाजार में हों या किसी विवाह समारोह में, महिलाओं के गले से चेन खींचने की घटनाएँ तो आजकल आम हो गई हैं। ऐसे समय में यदि आप कुछ बिंदुओं पर यदि सावधानी रखें तो अपनी सुरक्षा को लेकर आश्वस्त हो सकती हैं। आइए जानें क्या हैं ये सावधानियाँ।

- रात के समय सुनसान रास्तों में अकेली ना जाएँ। चाहे आप कितनी ही आत्मविश्वासी हों या हिम्मती हों, आपातकाल के अलावा अकेली जाने से बचें। आपातकाल में भी कोशिश करें कि आप साथ में किसी को ले लें। न तो शॉर्ट कट के चक्कर में, न ही इस भुलावे में कि ये तो रोज का रास्ता है, सुनसान रास्ते का चयन करें।
- किसी अजनबी व्यक्ति से लिफ्ट न लें और न ही दें। खासतौर पर चार पहिया वाहन चालक से लिफ्ट लेने से बचें। यदि आपके पास वाहन नहीं है तो कोई भी सार्वजनिक परिवहन सुविधा ही सबसे बेहतर उपाय है। यदि ऑटो या टैक्सी करने की जरूरत पड़े तो भी थोड़ी सजग रहें। जहाँ तक बात लिफ्ट देने की है, चाहे महिला हों या पुरुष, लिफ्ट देने से बचें।
- अधिक कीमती जेवरात पहनकर घर से बाहर ना जाएँ। सामान्य जेवर जैसे मंगलसूत्र, चेन आदि पहनकर भी यदि बाहर जाएँ तो उन्हें साड़ी के पल्लू या दुपट्टे से छुपाकर रखें। इसी तरह घर में भी ज्यादा जेवर न रखें, उनके लिए बैंक का लॉकर सबसे सुरक्षित जगह है। किसी भी अवसर पर सफर में भी ज्यादा जेवर साथ न रखें। अगर रखें हैं भी तो उनका बखान न करें और सतर्कता रखें।
- यदि बैग लिए हैं तो उसे कंधे पर लटकाकर रखें, हाथ में झुलाकर न चलें। इससे आपके दोनों हाथ भी स्वतंत्र रहेंगे।
- कार्यालय से संभव हो सके तो रात होने के पहले ही निकल जाएँ। यदि किसी जरूरी मीटिंग में देर हो भी गई हो तो समूह में ही एक साथ घर के लिए निकलें। वैसे आजकल लेट अवर्स में काम करने वालों को ऑफिस द्वारा घर तक छुड़वाने की व्यवस्था भी होती है।
- आभूषणों की सफाई सुनार के पास ही करवाएँ, बजाय घर पर आए किसी अजनबी से करवाने के।
- बैंक या किसी अन्य समय किसी अजनबी व्यक्ति को नोट गिनने को न दें।
- बैंक जाते समय इस बात का ढिंढोरा नहीं पीटें। न ही बैंक में किसी अजनबी को नोट गिनने के लिए दें। इस काम में बैंककर्मी आपकी सहायता कर सकते हैं। बुजुर्ग अपने साथ बैंक जाते समय किसी को जरूर रखें।
- यदि आपको ऐसा लगता है कि रास्ते में कोई आपकी गाड़ी का पीछा कर रहा है तो आगे ना जाएँ, कहीं रुक जाएँ और किसी पर आपको संदेह हो तो मदद लेने से नहीं हिचकें।
- सफर में किसी से ज्यादा प्रगाढ़ मित्रता न करें न ही हर अजनबी द्वारा दी गई चीज खाएँ।

बच्चों के आगे जबान संभाल के...!

बेहतर यही है कि दुख पहुँचाने वाले ऐसे शब्दों का प्रयोग न किया जाए, जो बच्चे के आत्मगौरव को ही नष्ट कर दें।

स्कूल की बस से राहुल को उतरते देख आज फिर रोहिणी आपे से बाहर हो गई। राहुल की शर्ट फिर मिट्टी से सनी थी। उतरते ही रोहिणी का एक जोरदार चाँटा तो राहुल के गाल पर पड़ा ही... साथ ही सप्तम सुर में कहा– 'कितनी बार वही बेवकूफी करोगे। स्कूल में जानवरों की तरह लोट लगाने जाते हो क्या? बैडबॉय।' और आग्नेय नेत्रों से उसे घूरती, उसका हाथ पकड़ लगभग घसीटते हुए रोहिणी घर की तरफ चल दी। उसने यह भी नहीं देखा कि बस से उतरते बाकी बच्चे उसकी आवाज सुनकर खड़े रह गए थे और राहुल तो मानो स्तब्ध ही हो गया।

बच्चों को पालना हर किसी के संयम का इम्तिहान है। लेकिन बेहतर यही है कि दुख पहुँचाने वाले ऐसे शब्दों का प्रयोग न किया जाए, जो बच्चे के आत्मगौरव को ही नष्ट कर दे। आप चाहते हैं कि आपका बच्चा दुनिया के सामने मिसाल बने। लोग उसके उदाहरण अपने बच्चों को दें, लेकिन आप यह क्यों भूल जाते हैं कि वह बच्चा है और उसे बच्चे के स्तर पर ही समझाना पड़ेगा? जिद, क्रोध या आवेश में आकर बच्चों से ऐसा कुछ न कहें, जो उनके मन को दुख पहुँचाए और उन्हें आहत कर दे। याद रखिए, यह बच्चों के विकास में भी बाधक हो सकता है। अगर आप चाहते हैं कि आपका बच्चा तमीज से पेश आए तो पहले आप अपने गुस्से और कुंठा पर नियंत्रण रखें।

जरा अपनी टीना को देखो!

चाहे भाई–बहन हों या फिर मित्र, तुलना करने से बच्चों में गलत प्रतिस्पर्धा बढ़ जाती है। अगर बच्चों की अनुचित तुलना की जाएगी तो वह अपने भाई या बहन या मित्र का विरोध करने लगेगा। तुलना करने की बजाय आप उन बातों पर ध्यान दें, जो आप अपने बच्चे से चाहते हैं मसलन साफ कमरा, बेहतर टेबल मैनर्स आदि। फिर बच्चे की जिन आदतों को बदलना चाहते हैं, उन पर आप फोकस करें। उसे समझाएँ कि अच्छी आदतें कैसे उसके लिए फायदेमंद हो सकती हैं।

इतने बड़े हो गए, पर अकल नहीं आई!

कई बार सार्वजनिक स्थान पर या मेहमानों के सामने आपका 10 साल का बच्चा 4 साल के बच्चे की तरह हरकत करने लगता है जिससे आपको शर्मिंदगी होती है और आप उससे कहते हैं, 'अपनी उम्र के हिसाब से हरकतें करो?' या फिर 'इतने बड़े हो गए, लेकिन अकल नहीं आई।' नतीजा, वह अपमानित महसूस करता है। ऐसे में वह और गलत व्यवहार कर सकता है। इसलिए उसे कुछ अलग तरीके से समझाने की कोशिश करें, जैसे उसे यह समझाएँ कि वह जो कर रहा है उससे लोगों पर उसका गलत प्रभाव पड़ेगा या फिर ऐसी हरकत तो उसका छोटा भाई या बहन करता है, जो स्कूल भी नहीं जाता और वह तो समझदार बड़ा भाई या बहन है।

बिलकुल जोकर लग रहे हो तुम!

बच्चे के कपड़ों या हेयर स्टाइल की आलोचना कभी भी उसके सामने न करें। आप उसे उसकी पसंद अनुसार पहनावे का प्रयोग करने दे सकते हैं। लेकिन उसे यह भी समझाएँ कि विभिन्ना स्थितियाँ विभिन्ना ड्रेस माँगती हैं और उस पर नए फैशन के हिसाब से क्या फबेगा। यह भी उसे बताएँ कि वह किस ड्रेस में सबसे अच्छा लगता है। इससे उसका आत्मविश्वास नहीं डिगेगा और आपकी बात को वह समझ पाएगा।

तुम तो हमेशा क्लास में फर्स्ट ही आओगे!

इस किस्म की बातें भी बच्चे को अपना सही मूल्यांकन नहीं करने देतीं, इसलिए बच्चे को किसी छवि में नहीं बाँधें। ऐसे में वह अपनी छवि को बनाए रखने के लिए दबाव महसूस कर सकता है। साथ ही कई बार ये बातें उसे अति आत्मविश्वास में डाल देती हैं और वह अपने लक्ष्य से भटक जाता है।

तुम इतने बेवकूफ कैसे हो सकते हो?

इस तरह के जुमले आपके बच्चे के आत्मविश्वास को कमजोर कर सकते हैं। इनका प्रयोग न करें।

काश...! मेरे बच्चे ही न होते

अगर आप हताशा या क्रोध में बच्चे के सामने यह बात बोल जाते हैं तो संभलिए। ये बातें आपके बच्चे के अंदर ये भावनाएँ जगाती हैं कि जैसे उसकी कोई उपयोगिता ही नहीं।

शटअप

इन शब्दों का प्रयोग बताता है कि आप अपने बच्चे की राय की कोई परवाह नहीं करते। इसके बजाय कहें– शांत रहो! मेरी बात पर ध्यान दो।

ये करो वरना...

बार–बार की धमकियों से आपका प्रभाव कम हो जाता है। बेहतर तरीका यह है कि उस सजा का चयन करें जिसे लागू किया जा सके। यह भी याद रखें कि सजा शारीरिक या मानसिक प्रताड़ना की बजाय उसे कुछ सीखने पर मजबूर करती हो।

मैं तुम्हें छोड़कर चला जाऊँगा

बच्चों से डर के साथ न खेलें। माँ–बाप बच्चे के लिए सुरक्षित दुनिया होनी चाहिए। उनसे बिछुड़ने के बारे में वे सोच भी नहीं सकते। यह उनके मन का सबसे बड़ा डर होता है, इससे खेलें नहीं। न ही उन्हें काल्पनिक चीजों से डराने का प्रयत्न करें।

पनीर पापड़म

सामग्री : 12 पनीर के टुकड़े, 50 ग्राम अदरक–लहसुन का पेस्ट, 5 ग्राम हल्दी पाउडर, 20 ग्राम धनिया पाउडर, 50 ग्राम भुने हुए चने के दाल का पाउडर, 30 ग्राम लाल मिर्च पाउडर, 40 ग्राम दही, 5 ग्राम कसूरी मेथी, थोड़ा–सा विनेगर, 200 ग्राम कच्चे पापड़ का पाउडर, नमक स्वादनुसार।

विधि : एक बाउल में सभी सामग्रियों को मिला दें। इसमें पनीर मिलाएं। पापड पाउडर में लपेटकर डीप फ्राई कर लें। गरमा गरम सर्व करें।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेंगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। अर्थपक्ष मजबूत रहेगा। धर्म–कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। शुभांक–7–8–9

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। कामकाज की व्यस्तता से सुख–आराम प्रभावित होगा। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। आनन्ददायक वातावरण बनेगा। शुभांक–2–7–9

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा): कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। आय–व्यय की स्थिति समान रहेगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। होश में रहकर कार्य करें। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते है। शुभांक–3–7–9

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। श्रम साध्य कार्यों में सफल होंगे। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग–दौड़ रहेगी। शुभांक–4–8–9

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। आय–व्यय की स्थिति समान रहेगी। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। सिर्फ आश्वासनों से संतोष करना पड़ेगा। शुभांक–3–6–8

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): मेल–मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान–सम्मान बढ़ेगा। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बनेगी। शुभांक–4–5–9

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल–मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान–सम्मान बढ़ेगा। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। परिवारजनों का सहयोग बना रहेगा। मेहमानों का आगमन होगा। शुभांक–3–7–9

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। धीरे–धीरे लाभ का मार्ग प्रशस्त होगा उचित समय का इन्तजार करें। शुभांक–2–7–8

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): आय के अच्छे योग बनेंगे। संतान की उन्नति के योग हैं। स्त्री–संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। आत्मचिंतन करें। पुराने मित्र से मिलन होगा। स्वविवेक से कार्य करें। शत्रुपक्ष से सावधान रहें। भाई–बहनों का प्रेम बढ़ेगा। आत्मविश्वास बढ़ेगा। अर्थपक्ष मजबूत रहेगा। इच्छित कार्य सफल होंगे। शुभांक–3–6–9

मकर (भो जा जी खी खू खे खो गा गी): 'आगे–आगे गौरख जागे' वाली कहावत चरितार्थ होगी। मेहमानों का आगमन होगा। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। मीठे बोलने वालों से संभल कर रहें। शुभांक–4–6–8

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। शुभ कार्यों में व्यय होगा। जीवन साथी अथवा यार–दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिलेगा। मान–सम्मान बढ़ेगा। शुभांक–1–3–7

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। विशिष्ट जनों से मेल–मुलाकात होगी। लाभ में आशातीत वृद्धि तय है मगर नकारात्मक रुख न अपनाएं। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। स्वास्थ्य मध्यम होगा। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। आय–व्यय की स्थिति समान रहेगी। शुभांक–1–5–9

काकुरो पहेली - 2953

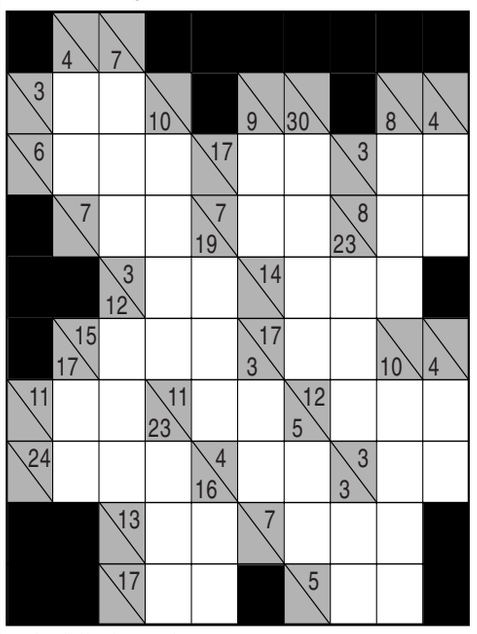

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

1+2 = 3
1+3 = 4
7+9 = 16
8+9 = 17

काकुरो - 2952 का हल

लॉफिंग ज़ोन

दो मित्र आपस में बात कर रहे थे। एक मित्र ने कहा– 'यार, जब मैं सूट पहनकर सब्जी लेने जाता हूँ तो दुकानदार मुझे महँगी सब्जी देता है और जब गंदे कपड़े पहनकर जाता हूँ तो सस्ती देता है।'

दूसरे मित्र ने सुझाव दिया– 'यार तुम कटोरा लेकर जाया करो, मुफ्त में ही दे देगा।'

□ □ □

अपनी पत्नी के चिड़चिड़े और गुस्सैल स्वभाव से परेशान रमन एक बार किसी महात्मा के दर्शन के लिए और महात्मा से पूछा– महाराज, कोई ऐसा उपाय बताइए जिससे मेरी पत्नी हर बात में क्लेश और अपना चिड़चिड़ापन छोड़ दें।

महात्मा ने बड़े इत्मीनान से जवाब दिया– बेटे! अगर इसका उपाय मुझे पता होता तो मैं संन्यास ही क्यों लेता।

□ □ □

पत्नी ने उलाहना देते हुए पति से कहा– 'क्योंजी, आप तो विवाह से पहले कहा करते थे कि तुम्हारी छोटी से छोटी इच्छा पूरी करूँगा।'

पति– 'हाँ, पर अब तक राह देख रहा हूँ कि तुम्हारी कौन–सी इच्छा इतनी छोटी है, जिसे मैं पूरी कर सकूँगा।'

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली - 2953

बायें से दायें:–

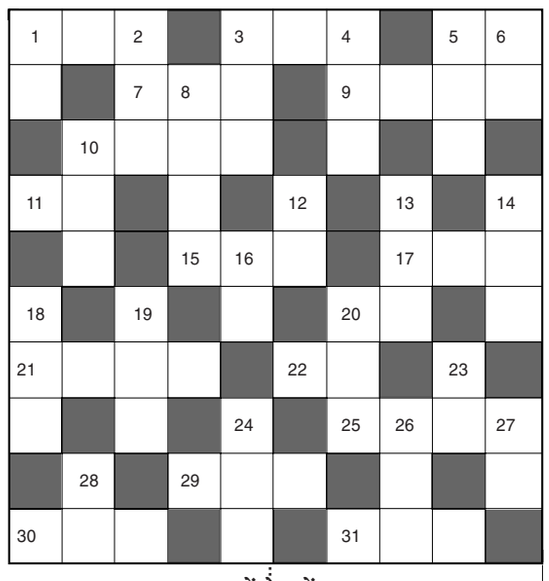

१. 'अंग्रेजी में कहते हैं' गीत वाली अमिताभ, परवीन की फिल्म–३
३. कुमार गौरव, पूनम की 'माँग लूंगा तुझे' गीत वाली फिल्म–३
५. 'शीशा हो या दिल हो' गीत और नायिका रीना राय वाली फिल्म–२
७. अक्षय, करीना की 'यार बदल ना जाना' गीत वाली फिल्म–३
९. सुनीलदत्त, किशोरकुमार के 'सामने वाली खिड़की में' रहती है–४
१०. करिश्मा, मनीषा की 'रंग दी रंग दी' गीत वाली फिल्म–४
११. नवीन निश्चल, रेखा की 'राज की बात कह' कव्वाली वाली फिल्म–२
१५. 'जिस दिल में बसा था' गीत वाली प्रदीपकुमार की फिल्म–३
१७. सुनील शेट्टी, नम्रता की 'जीना तेरी बाहों में' गीत वाली फिल्म–३
२०. 'घायल घायल तूने मुझे' गीत वाली मिथुन, श्रीदेवी की फिल्म–२
२१. सुनीलदत्त, माला की 'चलो एक बार फिर से' गीत वाली फिल्म–४
२२. 'गाये जा गीत मिलन के' गीत वाली दिलीप, नर्गिस की फिल्म–२
२५. संजयदत्त, माधुरी की 'टपका रे टपका' गीत वाली फिल्म–४
२९. 'मैं दुनिया भुला दुंगा' गीत वाली राहुल राय, अनु की फिल्म–३
३०. मिथुन चक्रवर्ती, टीना मुनीम की १९८४ की एक फिल्म–३
३१. 'बाराना दे बाराना' गीत वाली अक्षयकुमार, शिल्पा की फिल्म–३

ऊपर से नीचे:–

१. 'हाय रे हाय रे' गीत वाली नई फिल्म–२
२. जोहराबाई अंबाले के गीत 'अंखियां मिलाके जिया' गीत वाली फिल्म–३
३. फिल्म 'अनोखी रात' के संगीतकार–३
४. अरविंद स्वामी, प्रभुदेवा, काजोल की १९९७ की एक फिल्म–३
५. 'नींद कभी रहती थी' गीत वाली फिल्म–३
६. अमिताभ बच्चन, शशि कपूर, शत्रु, राखी, परवीन, बिंदिया की अभिनीत फिल्म–२
८. 'मेरे अँगने में तुम्हारा' गीत वाली फिल्म–४
१०. फिरोजखान, हेमा, रेखा की फिल्म–३
१२. 'माई हार्ट इज बीटिंग' गीत वाली विक्रम, लक्ष्मी की फिल्म–२
१३. किशोर कुमार, मधुबाला की 'कोई हमदम ना रहा' गीत वाली फिल्म–३
१४. 'गोरे गोरे मुखड़े पे काला काला चश्मा' गीत वाली फिल्म–३
१६. फिल्म 'शरीफ बदमाश' में नायिका कौन थी–२
१८. 'तुम रूठ के मत' गीत वाली फिल्म–३
१९. अमिताभ, जया की 'जहाँ चार यार' गीत वाली फिल्म–३
२०. 'आँखों से तूने ये क्या' गीत वाली फिल्म–३
२३. अमिताभ की 'अरे दीवानों मुझे पहचानो' गीत वाली फिल्म–२
२४. 'गोरी तेरा नखरा' गीत वाली बॉबी, करिश्मा की फिल्म–३
२६. नायक–निर्माता–निर्देशक अकबर खान, रंजीता, स्मिता की फिल्म–३
२७. अनिल, अक्षय, ऐश्वर्या की सुभाष घई निर्देशित फिल्म–२
२८. 'जाने क्या होगा रामा रे' गीत वाली बहु सितारा फिल्म–२

फिल्म वर्ग पहेली - 2954

शि	ल्पा		अ	स	रा	नी		स	
का		क	म	ल		य	ल	गा	र
री	ना		री	मा		त		ई	
	रा	जे	श		प		स		ब
का	ज	ल		दा	ग	द	फ	य	र
ला		र	ख	वा	ला		री		सा
पा	पी		ल		क	र्ण		घा	त
नी		हि	ना		हीं		ज	य	
	जं		य		का	का		ल	व
कि	ग	अं	क	ल		श	क्ति		ध

सूडोकु -2953

3				8				9
		8	6		9	5		
6	5			4			7	1
	4						2	
1	2			6			9	8
		6	4		5	8		
9				1				7

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -2952 का हल

2	3	8	5	1	9	6	4	7
9	6	4	7	3	8	2	5	1
5	1	7	4	6	2	8	3	9
3	2	5	1	9	7	4	6	8
1	8	9	6	4	3	7	2	5
4	7	6	2	8	5	1	9	3
6	4	3	8	5	1	9	7	2
8	9	2	3	7	4	5	1	6
7	5	1	9	2	6	3	8	4

शब्द पहेली - 2953

बाएँ से दाएँ

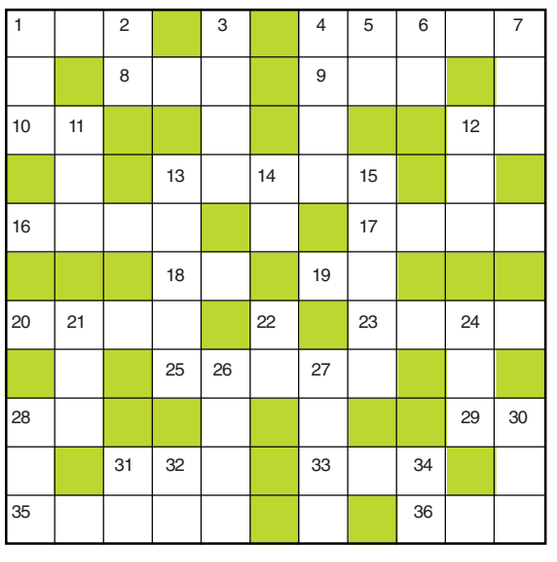

1.द्वेष,झगड़ा,रार-3
4.बुरकापोश-5
8.गागर,घड़ा-3
9.प्याऊ (उर्दू-3)
10.पैंदा,तला-2
12.बरस,वर्ष-2
13.सतत,लगातार-5
16.मजार,समाधि-4
17.उदारता,बड़पन्न-4
18.वायदा,कसम-2
19.महीना,माह-2
20.हमसफर-4
23.आदेश,आज्ञा-4
25.कहानी लेखक-5
28.गधा,गर्दभ-2
29.श्रवणेंद्रिय-2
31.बारिश,वर्षा-3
33.देवर्षि-3
35.दया करना-3,2
36.चिंतन

ऊपर से नीचे

1.कुपुत्र-3
2.अधिकार-2
3.सलाह,राय-4
4.अफसोस,खेद-4
5.शीतकालीन फसल-2
6.दलहन-2
7.ठंडा,सर्द-3
11.जिज्ञासा,उत्साह-3
12.बारिश का मौसम-3
13.धारावाही,अविराम, सीरियल-5
14.रीत,परंपरा-2
15.जीवनसाथी, हमराही-5
21.मोर-3
22.जल,नीर-2
24.पीहर-3
26.गजशाला, हाथी घर-4
27.करतब, करामात-4
28.उपभोग,खर्च-3
30.नेत्र,चक्षु,आंख-3
31.सवारी गाड़ी-2
32.रहन,गिरवी वस्तु-2
34.ताकत,जोर,बल-2

शब्द पहेली -2952 का हल

म	न	मो	ह	न		र	वा	ना	हो	ना
न		म	क	र		त	ल	ना		का
मो	ह			गि		ज			क	म
ह	म		आ	स	ल	गा	ना		मा	या
क	ल	र	व		क्ष्य		म	त	ल	ब
			भ	ला		जो	र			
ज	ग	म	ग		मौ		ख	चा	ख	च
मी	ल		त	म	त	मा	ना		र	म
न	त			हा		ल			ल	क
दा		म	चा	न		खा	रि	श		दा
र	म	णी	य	ता		ना	ट	क	का	र

बोल राधा बोल से आया था जूही के कॅरियर में उछाल

साल 1992 में बालीवुड जूही चावला की फिल्म बोल राधा बोल आई थी। इस फिल्म से जूही के करियर में काफी उछाल आया था। इस फिल्म में वह ऋषि कपूर के अपोजिट दिखी हैं। फिल्म में दोनों की केमिस्ट्री दर्शकों काफी पसंद आई थी। इसके साथ ही फिल्म के गाने लोगों को काफी पसंद आए थे।

बोल राधा बोल फिल्म को डेविड धवन ने निर्देशित किया था। यह एक रोमांटिक, क्राइम, एक्शन फिल्म थी जो सिनेमाघरों में आते ही बॉक्स ऑफिस पर छा गई थी। लेकिन इस बात को बेहद कम लोग जानते हैं कि जिस फिल्म से जूही चावला, ऋषि कपूर संग खूब पसंद की गई थीं। दरअसल, उस फिल्म को करने से जूही चावला बेहद डरी हुई थीं। बता दें कि साल 1992 में जूही चावला की एक फिल्म रिलीज हुई थी, जिसमें उनका नाम राधा था। उस फिल्म का नाम राधा का संगम था। इस फिल्म को डायरेक्टर कीर्ति कुमार ने निर्देशित किया था। जूही गोविंदा के अपोजिट देखी गई थीं। हालांकि अफसोस यह रोमांटिक कॉमेडी फिल्म उस साल बॉक्स ऑफिस पर डिजास्टर साबित हुई थी। एक रिपोर्ट्स के अनुसार, राधा का संगम डिजास्टर साबित होने के बाद जूही चावला इतनी ज्यादा डर गई थीं कि वह इस राधा नाम से कोई फिल्म करना चाहती थी।

ऐसे में जब डेविड धवन ने उन्हें फिल्म बोल राधा बोल के लिए उन्हें अप्रोच किया तो चाह कर भी उस फिल्म को नहीं करना चाहती थीं क्योंकि उन्हें डर था कि कहीं उनकी ये फिल्म भी फ्लॉप ना हो जाए। हालांकि इस बार ऐसा नहीं हुआ। बोल राधा बोल साल 1992 की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्मों में शामिल थी। बता दें कि जूही चावला अब भले ही कम फिल्में करती हैं लेकिन एक वक्त था जब उनके नाम की तूती बोलती थी। जूही चावला ने अपने फिल्मी करियर की शुरुआत 1986 में आई फिल्म सल्तनत से की थी। जूही के करियर को 37 साल हो चुका है। हालांकि उन्होंने ने बिजनेसमैन जय मेहता को 1997 में शादी कर बॉलीवुड से दूरी बना ली थीं।

अब वह फिल्मों कम एक्टिव हैं। सल्तनत फिल्म के बाद वह उन्होंने बॉलीवुड को उन्होंने 1986 में सल्तनत से अभिनय की शुरुआत की। उनकी पहली व्यावसायिक सफलता ब्लॉकबस्टर कन्नड़ फिल्म प्रेमलोक (1987) थी। उन्होंने लक्स न्यू फेस ऑफ द ईयर के लिए फिल्मफेयर पुरस्कार जीता और महत्वपूर्ण और व्यावसायिक सफलता कयामत से कयामत तक , अमर प्रेम (1989), विक्की दादा (1989), लव लव लव (1989), प्रतिबन्ध (1990), स्वर्ग (1990), बेनाम बादशाह (1991), और राजू बन गया जेंटलमैन (1992) जैसी फिल्में दी।

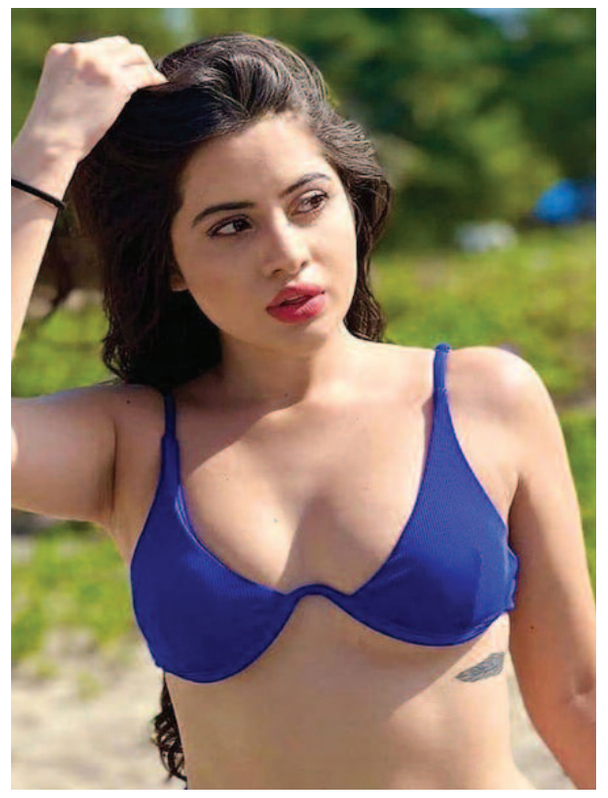

उर्फी जावेद की नेटवर्थ कई रईसों से अधिक

आपको जानकार हैरानी होगी कि उर्फी जावेद की नेटवर्थ कई रईसों से अधिक हैं। उर्फी की नेटवर्थ 170 करोड़ रुपये है। उर्फी सोशल मीडिया पोस्ट से खूब कमाई करती हैं। इसके अलावा वह कई रियल्टी शो में भी नजर आती रहती हैं। आपको बता दें कि उर्फी का जन्म 1997 में लखनऊ में हुआ था। उनकी स्कूली शिक्षा सिंटी मॉन्टेसरी से हुई है।उर्फी जावेद की आय का मुख्य स्रोत विज्ञापन ही हैं। इंस्टाग्राम पर उनके 40 लाख से ज्यादा फॉलोअर्स हैं। उनकी रील्स और तस्वीरें कई बार खबरों में चर्चा का विषय बन जाती हैं। इस पॉपुलैरिटी के कारण उन्हें प्रोडक्ट स्पॉन्सर करने के लिए मोटी रकम मिलती है। उर्फी को ख्याति तो रियल्टी शो बिग बॉस से मिली लेकिन इस ख्याति को उचाइंयों पर उनके अतरंगी फैशन स्टाइल ने पहुंचाया।

हालांकि, बिग बॉस में आने से पहले उर्फी कई धारावाहिकों में नजर आ चुकी हैं। उन्होंने दुर्गा, सात फेरे की हेराफेरी, बेपनाह, जीजी मां और ये रिश्ता क्या कहलाता है जैसे धारावाहिक में काम किया है।उर्फी की मासिक आय 1.8 करोड़ से 2.2 करोड़ रुपये बताई जाती है। वह किसी सीरियल के एक एपिसोड में आने के लिए 25,000 से 30,000 रुपये चार्ज करती हैं। फिलहाल वह मुंबई के एक आलीशान अपार्टमेंट में रहती हैं। उनके पास जीप की कंपस है जिसकी कीमत 25 लाख रुपये के आसपास है।

शिल्पा शेट्टी ने धूमधाम से किया गणपति विसर्जन

देशभर में गणेश चतुर्थी का त्योहार जोर-शोर से मनाया जाता है। कई बॉलीवुड सेलेब्स भी अपने घर पर गणपति बप्पा का स्वागत करते हैं। हर साल की तरह इस साल भी बॉलीवुड अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी गणपति बप्पा की मूर्ति अपने घर लेकर आईं। अब एक्ट्रेस ने बड़ी धूमधाम से गणपति बप्पा का विसर्जन किया।

इस साल शिल्पा शेट्टी का गणेश चतुर्थी विसर्जन उत्सव पिछले उत्सवों की भव्यता को पार कर गया। बॉलीवुड अभिनेत्री और फिटनेस एनथुसिएस्ट अपने उत्साहपूर्ण त्योहार समारोहों के लिए प्रसिद्ध हैं और इस वर्ष कोई अपवाद नहीं था। इस वर्ष के उत्सव में जो बात अलग थी, वह नासिक से ऑल-गर्ल ढोल बैंड का शामिल होना था, जिसमें 21 प्रतिभाशाली महिलाएं शामिल थीं।

शिल्पा शेट्टी अपने घर के बाहर गणपति विसर्जन के दौरान ढोल की थाप पर जमकर झूमती नजर आईं। इस दौरान शिल्पा लाइट पिंक कलर की पारंपरिक मराठी साड़ी और येलो ब्लाउज पहने नजर आईं। शिल्पा के साथ उनका परिवार भी जमकर डांस करता आया।

शिल्पा का गणेश चतुर्थी विसर्जन एकता, खुशी और सांस्कृतिक समृद्धि के प्रतीक में बदल गया है, जो त्योहार के वास्तविक सार को समाहित करता है। उनका उत्सव महिला-शक्ति की भावना का प्रतीक, महिलाओं के सशक्तिकरण और समर्थन के प्रति उनके समर्पण को दर्शाता है। ये उत्सव सकारात्मकता और खुशी फैलाता है, प्रतिभागियों के बीच अद्वितीय और यादगार संबंध बनाता है और लोगों को सांस्कृतिक समृद्धि के उत्सव में एकजुट करता है।

43 साल की हुईं करीना कपूर

बॉलीवुड एक्ट्रेस करीना कपूर 43 वर्ष की हो गई हैं। 21 सितंबर 1980 को मुंबई में जन्मीं करीना कपूर को अभिनय की कला विरासत में मिली। उनके पिता रणधीर कपूर अभिनेता जबकि मां बबीता और बहन करिश्मा कपूर जानी मानी फिल्म अभिनेत्री थी। घर में फिल्मी माहौल रहने के कारण करीना अक्सर अपनी बहन के साथ शूटिंग देखने जाया करती थीं। इस वजह से उनका भी रूझान फिल्मों की ओर हो गया और वह भी अभिनेत्री बनने के ख्वाब देखने लगीं।

करीना कपूर ने बतौर अभिनेत्री अपने सिने करियर की शुरूआत साल 2000 में रिलीज फिल्म 'रिफ्यूजी' से की। इस फिल्म में उनके नायक की भूमिका अभिषेक बच्चन ने निभायी थी जो उनकी भी पहली फिल्म थी। हालांकि फिल्म बॉक्स ऑफिस पर कोई खास कमाल नही दिखा सकी। साल 2001 में रिलीज फिल्म 'मुझे कुछ कहना है' करीना के करियर की पहली सुपरहिट फिल्म साबित हुई।

साल 2001 में करीना को सुभाष घई की फिल्म 'यादें' में काम करने का अवसर मिला लेकिन कमजोर पटकथा के कारण यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर औंधे मुंह गिर गई। हालांकि उस वर्ष उनकी कभी खुशी कभी गम और अजनबी जैसी सुपरहिट फिल्में भी रिलीज हुई लेकिन कामयाबी का श्रेय इन फिल्मों के अभिनेताओं को अधिक दिया गया। 2002 में करीना कपूर के करियर के लिए महत्वपूर्ण वर्ष साबित हुआ। इस वर्ष उनकी जीना सिर्फ मेरे लिये और मुझसे दोस्ती करोगे जैसी हिट फिल्में रिलीज हुई।

साल 2003 में करीना को सूरज बड़ज़ात्या की फिल्म 'मैं प्रेम की दीवानी हूं' में काम करने का अवसर मिला। इस फिल्म में रितिक रोशन और अभिषेक बच्चन जैसे सितारे थे बावजूद यह फिल्म कोई खास कमाल नही दिखा सकी। 2004 में करीना के अभिनय के नये आयाम देखने को मिले। इस वर्ष करीना की युवा, चमेली, हलचल और एतराज जैसी सुपरहिट फिल्में रिलीज हुई। सुधीर मिश्रा के निर्देशन में बनी फिल्म चमेली में करीना ने अपने दमदार अभिनय से दर्शकों का दिल जीत लिया। फिल्म में उनके दमदार अभिनय के लिये उन्हें फिल्म फेयर का पुरस्कार भी दिया गया।

साल 2006 में करीना कपूर की सुपरहिट फिल्म ओंकारा रिलीज हुई। विशाल भारद्वाज के निर्देशन में बनी फिल्म ओंकारा में करीना को उनके दमदार अभिनय के लिए फिल्मफेयर की ओर से क्रिटिक्स अवॉर्ड दिया गया। इसी वर्ष रिलीज फिल्म डॉन में करीना कपूर ने कैमियो किया। इस फिल्म में करीना ने हेलन के सुपरहिट गाने ये मेरा दिल यार का दीवाना पर डांस कर दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

मौनी रॉय को सुल्तान ऑफ दिल्ली की रिलीज का इंतजार

एक्ट्रेस मौनी रॉय पहली स्ट्रीमिंग सीरीज सुल्तान ऑफ दिल्ली की रिलीज का इंतजार कर रही हैं। सुल्तान ऑफ दिल्ली 13 अक्टूबर से डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर स्ट्रीम होगी। मौनी को सीरीज में किरदार के लिए उन्हें 200 आउटफिट्स और अपने बालों के साथ कई सारे एक्सपेरिमेंट करने पड़े।

मौनी इस बात से बेहद खुश हैं कि उन्हें एक बेहद स्टाइलिश किरदार निभाने का मौका मिला, जिसके लिए उन्हें काफी मेहनत करनी पड़ी। मौनी क्लासिक, खूबसूरत ड्रेस और हेयर-स्टाइल के साथ रेट्रो वाइब अपनाती नजर आएंगी। सुल्तान ऑफ दिल्ली अर्नब रे की किताब सुल्तान ऑफ दिल्ली- असेंशन पर बेस्ड है। यह स्ट्रीमिंग के लिए बनाई गई एक लार्जर दैन लाइफ मास एंटरटेनर है। इसमें अनुप्रिया गोयनका, हरलीन सेठी और महरीन पीरजादा के साथ ताहिर राज भसीन, अंजुम शर्मा, अनुभवी अभिनेता विनय पाठक और निशांत दहिया भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं। अपने लुक और किरदार के बारे में बात करते हुए मौनी ने कहा, हर एक लड़की को सजने-संवरने और एकदम अलग दिखने में मजा आता है। सुल्तान ऑफ दिल्ली में मुझे नयनतारा के रूप में हर एपिसोड में अपनी स्टाइल और कलर स्कीम का बदलने का मौका मिला। किरदार के लिए परफेक्ट लुक ढूंढना बेहद मुश्किल काम है और मैंने 200 से ज्यादा आउटफिट्स पहनीं है और अपने बालों के साथ भी कई एक्सपेरिमेंट किए है। उन्होंने आगे कहा, 10 से ज्यादा टेस्ट-लुक आजमाने के बाद, आखिरकार हमें वह मिल गया जो हम चाहते थे। नयनतारा अपने तरीके से कहानी में काफी ग्लैमर और चमक लाती हैं। यह पहली बार है जब मैं 60 के दशक का लुक अपना रही हूं और दर्शकों को मेरा यह पक्ष दिखाने के लिए बहुत उत्साहित हूं।

मसाज करवाने के चक्कर में घायल हुई भारती

अपने ब्लॉग में मशहूर कॉमेडियन भारती ने खुलासा किया कि वह मसाज करवाने के चक्कर में घायल हो गई हैं। उनकी कमर पर चोट आ गई है और डॉक्टर ने उन्हें बेड रेस्ट के लिए बोला है। दरअसल, भारती सिंह ने अपने ब्लॉग में बताया कि बीते दिन वह अपने बेड पर से गिर गई थीं। इस वजह से उनकी पीठ में चोट लग गईं। भारती ने कहा, मेरी कमर में बहुत दर्द है, मैं कल बिस्तर से गिर गई। उन्होंने कहा, जिस वजह से वह बेड से गिरीं, तब वह हेड मसाज ले रही थीं और उनका फोन हाथ में ही था। वह बेड के किनारे पर बैठी हुई थीं और फोन की वजह से उनका ध्यान भटक गया। इस वजह से वह सीधा बेड पर से धड़ाम गिर गईं। भारती ने बताया कि यह उनके लिए इस वक्त काफी मजेदार था। गिरने के बाद वह खुद ही काफी ज्यादा हंसने लगीं। वीडियो में भारती ने खुलासा किया कि उन्हें पीठ में ज्यादा चोट लगी थी, जिसस वजह से हर्ष लिंबाचिया आते ही सबसे पहले उन्हें अस्पताल लेकर गए। यहां पर उनका एक्सरे किया गया, जिसमें उनकी हालत ठीक बताई गई है। डॉक्टर ने भारती को पूरी तरह बेड रेस्ट के लिए कहा है। हालांकि, कॉमेडियन भारती ने अपने फैंस को कोई चिंता नहीं करने को बोला है।

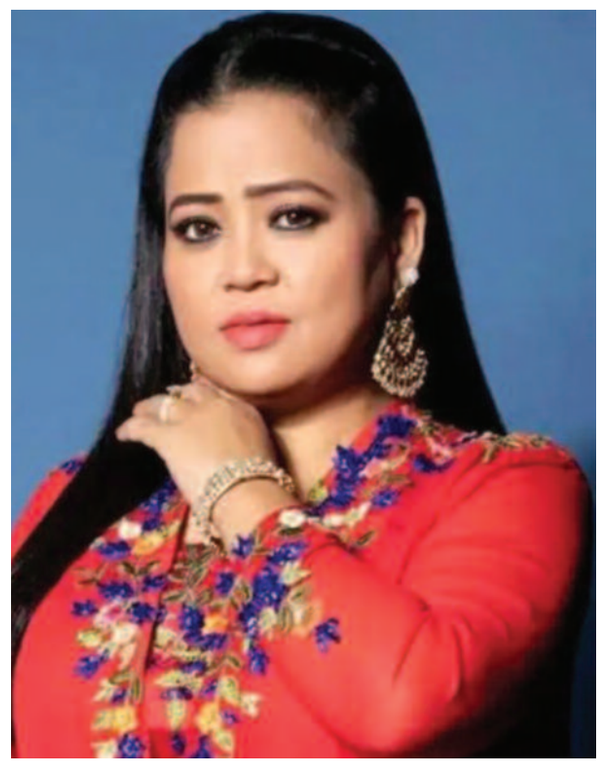

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक राजकुमार शर्मा ने वैकुंठ मीडिया प्राइवेट लिमिटेड सी -285, सेक्टर-11, विजय नगर, गाजियाबाद से छपवाकर कार्यालय 178 राहुल विहार विजय नगर,गाजियाबाद से प्रकाशित किया है। किसी खबर या लेख से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

सभी विवादों का निस्तारण जिला न्यायालय गाजियाबाद में होगा। प्रबंध संपादक-महेश कुमार - 9911733939, कानूनी सलाह- नरेंद्र सिंह रणोत एडवोकेट, सलाहकार कुशल सिंह, RNI No-UPHIN/2013/50466, Editor R.K. Sharma : 09456278011